CBSE

वार्षिक रिपोर्ट

2023

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

Central Board of Secondary Education

विषयसूची

1.	सीबीएसई: एक सिंहावलोकन	1
2.	शैक्षणिक गतिविधियाँ	4
3.	अध्यापक प्रशिक्षण	18
4.	कौशल शिक्षा	26
5.	वर्ष 2023 की परीक्षाएं	43
6.	सूचना प्रौद्योगिकी पहल	49
7.	प्रशासनिक गतिविधियाँ	56
8.	संबद्धता	61
9.	व्यावसायिक परीक्षाएं	64
10.	केंद्रीय अध्यापक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी)	66
11.	मीडिया एवं जन-संपर्क	69
12.	राजभाषा का प्रचार-प्रसार एवं कार्यान्वयन	72
13.	कार्यक्रम	74
14.	अनुलग्नक	96
15.	क्षेत्रीय कार्यालयों और उत्कृष्टता केंद्रों के पते और संपर्क विवरण	109

सीबीएसई: एक सिंहावलोकन

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय (एमओई) के तत्वावधान में भारत में स्कूल शिक्षा का एक राष्ट्रीय बोर्ड है, जिसके प्रमुख सीबीएसई के अध्यक्ष हैं। सचिव (स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता), एमओई इसके नियंत्रण प्राधिकारी हैं। बोर्ड भारत और अन्य देशों में संबद्धता प्राप्त प्राइवेट (स्वतंत्र) से लेकर सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त, केंद्रीय विद्यालय (केवी), जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) और केंद्रीय तिब्बती स्कूलों की एक विविध श्रेणी की आवश्यकता को पूरा करता है।

बोर्ड ने वर्ष 1929 (जिसे तब 'बोर्ड ऑफ हाई स्कूल एंड इंटरमीडिएट एजुकेशन, राजपुताना' नाम दिया गया था) से अपनी वर्तमान स्थिति तक पहुँचने के लिए काफी विकास और विस्तार किया है। वर्ष 1952 में, बोर्ड को इसका वर्तमान नाम "केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड" दिया गया। वर्ष 1962 में बोर्ड का पुनर्गठन किया गया था।

बोर्ड ने पिछले कुछ वर्षों में तेजी से विकास किया है और इसका वर्तमान अधिकार क्षेत्र राष्ट्रीय भौगोलिक सीमाओं से बाहर तक फैला हुआ है। 1962 में 309 स्कूलों से लेकर अब, देश के अग्रणी बोर्ड के रूप में सीबीएसई की अखिल भारतीय और अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति है, जिसमें भारत और पश्चिम और मध्य पूर्व एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया, उत्तर पूर्व एशिया, अफ्रीका और यूरोप में स्थित अन्य देशों में 27,000 से अधिक स्कूल बोर्ड से संबद्ध हैं।

अपने कार्यों को प्रभावी ढंग से निष्पादित करने के लिए, बोर्ड द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों में क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित किए गए हैं। संबद्ध स्कूलों के प्रति अधिक उत्तरदायी होने के लिए, बोर्ड के 17 क्षेत्रीय कार्यालय और सीओई हैं जो अजमेर, बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, देहरादून, दिल्ली (पूर्व), दिल्ली (पश्चिम), गुवाहाटी, नोएडा, पंचकूला, पटना, प्रयागराज, पुणे, तिरुवनंतपुरम और विजयवाड़ा स्थानों पर स्थित हैं।

सीबीएसई मुख्यालय क्षेत्रीय कार्यालयों की गतिविधियों की निरंतर निगरानी करता है। यद्यपि, क्षेत्रीय कार्यालयों के पास पर्याप्त शक्तियाँ निहित हैं, फिर भी नीतिगत मामलों से जुड़े मुद्दे मुख्यालय को भेजे जाते हैं। हालाँकि, दैनिक प्रशासन, स्कूलों के साथ संपर्क, परीक्षा से पहले और बाद की व्यवस्था से संबंधित सभी मामले संबंधित क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा निपटाए जाते हैं।

विजन और मिशन

सीबीएसई एक सशक्त, जीवंत और समग्र स्कूली शिक्षा की कल्पना करता है जो मानव प्रयास के हर क्षेत्र में उत्कृष्टता ला सके। बोर्ड अपने शिक्षार्थियों के बीच बौद्धिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जीवंतता को बढ़ावा देने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह एक ऐसी अधिगम प्रक्रिया और वातावरण विकसित करने की दिशा में काम करता है, जो भावी नागरिकों को उभरते ज्ञान समाज में वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनने के लिए सशक्त बनाता है।

बोर्ड एक ऐसा तनाव मुक्त अधिगम वातावरण प्रदान करने का समर्थन करता है और इसके लिए वचनबद्ध है, जिससे सक्षम, आत्मविश्वास युक्त और उद्यमी नागरिक विकसित हो सकें जो शांति और सद्भाव को बढ़ावा दें।

बोर्ड को निम्न का अधिदेश दिया गया है:

- बोर्ड परीक्षाओं के उद्देश्य से पाठ्यक्रम और पाठ्य-विवरण विकसित करना।
- माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के लिए बोर्ड परीक्षा और ऐसी अन्य परीक्षाएँ आयोजित करना जिन्हें वह नियंत्रण प्राधिकरण के अनुमोदन के अधीन उचित समझे।
- संबद्ध विद्यालयों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मानक विकसित करना
- शिक्षकों का व्यावसायिक विकास करना और छात्र संवर्धन गतिविधियों का आयोजन करना।

सीबीएसई का उद्देश्य छात्रों की शारीरिक, भावनात्मक, सामाजिक और बौद्धिक भलाई के लिए सीखने की सुविधा प्रदान करना है। सीबीएसई, देश में एक गति-निर्धारक राष्ट्रीय स्कूल शिक्षा बोर्ड है, जो स्कूलों को संबद्ध करने और कक्षा X और XII की परीक्षाओं के साथ-साथ समय-समय पर सौंपी गई अन्य परीक्षाओं के संचालन की प्रक्रिया के माध्यम से राष्ट्रीय और वैश्विक जरूरतों को पूरा करने के लिए शैक्षिक मानकों पर लगातार काम करके गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए उत्कृष्टता का केंद्र बनने का लक्ष्य रखता है और इसके लिए प्रयत्नशील है।

संगठनात्मक चार्ट

नियंत्रक प्राधिकारी -सचिव (स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता),शिक्षा मंत्रालय

अध्यक्ष
बोर्ड के मुख्य कार्यकारी

सचिव

- प्रशासन एवं विधि सं. स. (प्र.व वि.)
- संबद्धता सं. स. (संबद्धता)
- लेखा (आईएएफ़ए)

परीक्षा नियंत्रक

17 क्षेत्रीय कार्यालय

- क्षेत्रीय कार्यालय, अजमेर
- क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलुरु
- क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल
- क्षेत्रीय कार्यालय, भुवनेश्वर
- क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़
- क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई
- क्षेत्रीय कार्यालय, देहरादून
- क्षेत्रीय कार्यालय, दिल्ली पूर्व
- क्षेत्रीय कार्यालय, दिल्ली (पश्चिम)
- क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी
- क्षेत्रीय कार्यालय, नोयडा
- क्षेत्रीय कार्यालय, पंचकूला
- क्षेत्रीय कार्यालय, पटना
- क्षेत्रीय कार्यालय, पुणे
- क्षेत्रीय कार्यालय, प्रयागराज
- क्षेत्रीय कार्यालय, त्रिवेन्द्रम
- क्षेत्रीय कार्यालय, विजयवाड़ा

निदेशक (सू. प्रौ.)

निदेशक (शैक्षणिक)

निदेशक (कौ. शि.)

निदेशक (प्रशिक्षण)

17 उत्कृष्टता केंद्र

- सीओई, अजमेर
- सीओई,बेंगलुरु
- सीओई,भोपाल
- सीओई, भुवनेश्वर
- सीओई, चंडीगढ़
- सीओई, चेन्नई
- सीओई, देहरादून
- सीओई, दिल्ली पूर्व
- सीओई, दिल्ली (पश्चिम)
- सीओई, गुवाहाटी
- सीओई,पंचकूला
- सीओई, नोयडा
- सीओई पटना,
- सीओई, पुणे
- सीओई, प्रयागराज
- सीओई,त्रिवेन्द्रम
- सीओई, विजयवाड़ा

निदेशक (व्यावसायिक परीक्षाएं)

निदेशक (मीडिया एवं पीआर)

निदेशक (एडुसेट)

निदेशक (सीटीईटी/विविध परीक्षाएं)

मुख्य सतर्कता अधिकारी

निदेशक (पंजी.कार्या. अजमेर)

04 क्षेत्रीय निदेशक

शैक्षणिक गतिविधियाँ

छात्र संवर्धन गतिविधियों का कैलेंडर 2023

सीबीएसई ने स्कूलों के लिए वर्ष 2023 के लिए नियोजित छात्र संवर्धन गतिविधियों का माह-वार कैलेंडर जारी किया। स्कूलों को सलाह दी गई है कि वे प्रत्येक छात्र की रुचि के अनुसार वर्ष के दौरान कम से कम दो-तीन गतिविधियों में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करें और सीबीएसई ASAR ऐप पर सहभागिता विवरण की सूचना दें। इस वर्ष, भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, सीबीएसई ने अपनी सभी छात्र संवर्धन गतिविधियों को एक भारत श्रेष्ठ भारत, जी-20 और भारत सरकार के मिशन लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट (लाइफ) कार्यक्रमों की थीम के साथ संरेखित किया।

"स्वच्छता पखवाड़ा" 2023 के तहत सड़क सुरक्षा सप्ताह का पालन

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 11 से 17 जनवरी 2023 तक सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया। स्कूलों ने सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान सड़क सुरक्षा गतिविधियाँ, प्रशिक्षण, कार्यशालाएँ, सेमिनार आदि आयोजित किए और कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया।

साइबर जागरूकता अभियान - 'ऑनलाइन सुरक्षित रहें'

सीबीएसई ने अपने संबद्ध स्कूलों के साथ साइबर जागरूकता अभियान 'ऑनलाइन सुरक्षित रहें' का विवरण साझा किया। अभियान का उद्देश्य नवंबर 2023 तक क्विज़, ड्राइंग प्रतियोगिताओं, नारा लेखन प्रतियोगिताओं, वाद-विवाद आदि के माध्यम से पूरे भारत में सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म के सुरक्षित उपयोग, डिजिटल भुगतान और इंटरनेट के सुविज्ञ उपयोग पर विभिन्न उपयोगकर्ता समूहों के बीच जागरूकता बढ़ाना था। कुल 117 स्कूलों ने रिपोर्ट प्रस्तुत की।

प्रधानाचार्यों/शिक्षकों से फीडबैक हेतु कक्षा XI-XII के लिए सीबीएसई की अधिगम रूपरेखाओं का शुभारंभ

सीबीएसई - मूल्यांकन में उत्कृष्टता केंद्र (सीबीएसई-सीईए) ने Educational Initiative (EI) के सहयोग से ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षाओं के लिए 12 विषयों - अंग्रेजी, हिंदी, गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, लेखाशास्त्र, व्यवसाय अध्ययन और कंप्यूटर विज्ञान के लिए अधिगम रूपरेखा विकसित की है। सीबीएसई का उद्देश्य शिक्षकों को इन रूपरेखाओं से परिचित कराना और रूपरेखाओं को बेहतर बनाने के लिए उनकी बहुमूल्य प्रतिक्रिया एकत्र करना है, जिसका उपयोग बाद में स्कूलों और शिक्षकों द्वारा सक्षमता केंद्रित शिक्षा और मूल्यांकन को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा ताकि छात्रों द्वारा अधिगम परिणाम के वांछित स्तर की उपलब्धि सुनिश्चित की जा सके।

सत्र 2023-24 के लिए माध्यमिक और वरिष्ठ विद्यालय पाठ्यक्रम और नमूना प्रश्न पत्र

सीबीएसई प्रतिवर्ष कक्षा IX से XII के लिए पाठ्यचर्या उपलब्ध कराता है जिसमें शैक्षणिक सामग्री, अधिगम परिणामों के साथ परीक्षाओं के लिए पाठ्य-विवरण, शैक्षणिक अभ्यास और आकलन दिशानिर्देश शामिल होते हैं। वर्ष 2023 में, बोर्ड परीक्षा - 2024 के लिए पाठ्यचर्या और प्रश्न पत्र डिजाइन में किए गए परिवर्तनों के प्रभाव को दर्शाने के लिए वार्षिक बोर्ड परीक्षा नमूना प्रश्न पत्रों के विस्तृत डिजाइन के साथ पाठ्यचर्या सीबीएसई की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है।

सीबीएसई विज्ञान चुनौती 2023-24

शिक्षार्थियों में जिज्ञासा, जांच और उच्च क्रम का चिंतन पैदा करने की पहल के रूप में, बोर्ड ने कक्षा आठवीं से दसवीं के छात्रों के लिए सीबीएसई विज्ञान चुनौती का आयोजन किया, जिसमें अप्रैल-मई, 2023 के महीनों के दौरान सीबीएसई मंच पर 2,160 स्कूलों के 10,696 छात्रों ने भाग लिया। सीबीएसई विज्ञान चुनौती का विषय विज्ञान, पर्यावरण और संधारणीयता था।

कक्षा 1 से 12 तक कला-एकीकृत परियोजनाएँ राज्यों/संघ शासित प्रदेशों की जोड़ी के साथ

एनईपी 2020 और एनसीएफएफएस 2022 की सिफारिशों के अनुसार, बोर्ड ने स्कूलों को कला एकीकृत अधिगम के दिशा-निर्देशों और कार्यान्वयन पर एक परिपत्र जारी किया है, जिसका उपयोग कक्षा 1 से 12 तक के लिए शैक्षणिक साधन के रूप में किया जाना जारी है। बोर्ड ने बोर्ड से संबद्ध स्कूलों द्वारा कला-शिक्षा (एई) और कला एकीकृत अधिगम (एआईएल) के कार्यान्वयन की रिपोर्टिंग के लिए कला शिक्षा (एई) और कला एकीकृत अधिगम (एआईएल) - एई और एआईएल पोर्टल कलासेतु तैयार किया है। सत्र 2022-23 में **8,776 स्कूलों, कला में 2,03,53,172 छात्रों और युवा पर्यटन क्लब में 11,76,531 छात्रों** ने भाग लिया है।

ईटीएस द्वारा टेस्ट डेवलपमेंट में सर्वोत्तम पद्धतियों पर कार्यशाला

बोर्ड ने आकलन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। इसी क्रम में, 22 मार्च 2023 को एजुकेशनल टेस्टिंग सर्विस, यूएसए द्वारा सीबीएसई

अधिकारियों के लिए एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस सत्र में सुश्री कादरिये एर्सिकन, रिसर्च एंड मेजरमेंट साइंसेज की उपाध्यक्ष, एजुकेशनल टेस्टिंग सर्विस, यूएसए और ईटीएस कनाडा इंक की अध्यक्ष और सीईओ तथा ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय की प्रोफेसर एमेरिटस ने भाग लिया। इस आधे दिन के सत्र में टेस्ट डेवलपमेंट में सर्वोत्तम पद्धतियों, परीक्षा में निष्पक्षता और समानता तथा बड़े पैमाने पर आकलन में साइकोमेट्रिक्स को शामिल किया गया, विषयों से संबंधित प्रश्नों का समाधान भी संसाधकों द्वारा किया गया।

एनईपी 2020 के आलोक में शिक्षा के बदलते स्वरूप पर प्रधानाचार्यों का सम्मेलन

कोलकाता सहोदय द्वारा 29 अप्रैल 2023 को पश्चिम बंगाल में सीबीएसई प्रधानाचार्यों का एक दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इसका विषय था 'एनईपी 2020 के आलोक में शिक्षा का बदलता स्वरूप'। इस कार्यक्रम में 300 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जो पश्चिम बंगाल राज्य के विभिन्न सीबीएसई स्कूलों के प्रधानाचार्य/उप प्रधानाचार्य थे। डॉ. जोसेफ इमैनुएल, निदेशक, शैक्षणिक और डॉ. प्रज्ञा एम. सिंह, संयुक्त सचिव, शैक्षणिक द्वारा लिए गए सत्रों में सीबीएसई की सभी नई पहलों, क्षमता-आधारित शिक्षा और आकलन, एसएएफ़एएल, एसक्यूएए और समग्र प्रगति कार्ड को शामिल किया गया। श्री के. श्रीनिवासन, संयुक्त सचिव/क्षेत्रीय अधिकारी, सीबीएसई, क्षेत्रीय कार्यालय, भुवनेश्वर द्वारा स्कूलों के मुद्दों पर एक खुला सत्र भी लिया गया।

राष्ट्रीय पुरस्कार 2022-23 के लिए शिक्षकों का नामांकन

सीबीएसई ने अपने प्राइवेट स्वतंत्र विद्यालयों के शिक्षकों और प्रधानाचार्यों से आवेदन आमंत्रित किए और पारदर्शी चयन प्रक्रिया के तहत छह नामांकनों का चयन किया गया, जिन्हें बाद में शिक्षा मंत्रालय को भेजा गया। सीबीएसई द्वारा नामित निम्नलिखित दो शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2022 से सम्मानित किया गया।

श्री सुधांशु शेखर पांडा, प्रिंसिपल, के.एल. इंटरनेशनल स्कूल, मेरठ

सुश्री रितिका आनंद, उप प्रधानाचार्य, सेंट मार्क्स सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, दिल्ली

स्कूल गुणवत्ता आकलन और आश्वासन रूपरेखा (एसक्यूएएएफ़) पर वेबिनार श्रृंखला

सीबीएसई ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 और उसके बाद के लिए SARAS पोर्टल पर नई संबद्धता, स्विच-ओवर, उन्नयन या विस्तार के लिए आवेदनों की स्वीकृति के लिए स्कूल गुणवत्ता आकलन और आश्वासन रूपरेखा (SQAAF) पर आधारित स्व-आकलन अनिवार्य कर दिया है। स्कूलों को रूपरेखा को प्रभावी ढंग से लागू करने में सुविधा प्रदान करने के लिए, सीबीएसई ने SQAAF के सभी पहलुओं को समझाते हुए 13वेबिनारों की एक श्रृंखला आयोजित की, जिसे कुल 2,78,30 5 बार देखा गया।

आर्यभट्ट गणित चैलेंज - 2023

आर्यभट्ट गणित चैलेंज 2023 दो स्तरों पर आयोजित किया गया था, पहले स्कूल स्तर पर जिसमें **3,240 स्कूलों के लगभग 3,50,000 छात्रों** ने भाग लिया था। पहले स्तर पर स्कूलों द्वारा अपने स्तर पर आयोजित चैलेन्ज में चुने गए **8,591** छात्रों ने सीबीएसई द्वारा आयोजित दूसरे चरण के कंप्यूटर आधारित टेस्ट में भाग लिया। परिणाम तैयार कर लिया गया है और विजेताओं और प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए हैं।

वीरगाथा 3.0

प्रोजेक्ट *वीरगाथा* को 2021 में गैलेंट्री अवार्ड्स पोर्टल (जीएपी) के तहत संस्थागत रूप दिया गया था। जीएपी का उद्देश्य छात्रों के बीच इन बहादुरों के साहसिक कार्यों और जीवन की कहानियों का विवरण प्रसारित करना था ताकि देशभक्ति की भावना का प्रवर्धन किया जा सके और उनमें नागरिक चेतना की भावना पैदा की जा सके। इस वर्ष, प्रस्तुतियों का मूल्यांकन पहले जिला स्तर पर और फिर राज्य स्तर पर जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों और शिक्षा मंत्रालय द्वारा नियुक्त राज्य स्तरीय नोडल अधिकारियों द्वारा किया गया। वीरगाथा का तीसरा संस्करण वर्ष 2024 में आयोजित किया जा रहा है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर "रन फॉर यूनिटी"

स्वतंत्र भारत की राष्ट्रीय अखंडता के निर्माता सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर, हर साल 31 अक्टूबर को *राष्ट्रीय एकता दिवस* मनाया जाता है। स्कूलों से अनुरोध किया गया कि वे 'राष्ट्रीय एकता दिवस' की शपथ दिलाएँ, एकता के लिए दौड़ का आयोजन करें और वाद-विवाद, भाषण आदि जैसी अन्य गतिविधियाँ आयोजित करें।

'राष्ट्रीय एकता दिवस' पर आयोजित गतिविधियों में कुल **3878 स्कूलों और 12,95,072 छात्रों ने** भाग लिया।

10 पुस्तिकाओं और पाठ्य पुस्तकों का विमोचन

सीबीएसई ने शिक्षा के आधुनिकीकरण और छात्रों के अधिगम अनुभवों को समृद्ध करने के उद्देश्य से कई पहलों का अनावरण किया है। अद्यतनीकरण में कक्षा IX और XI के लिए भारतीय सांस्कृतिक तत्वों से युक्त अरबी पाठ्यपुस्तकें शामिल हैं, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के साथ संरेखित हैं। अतिरिक्त संसाधनों में मिडिल स्कूल के छात्रों के लिए जीवन कौशल मापन उपकरण, विज्ञान और गणित अभ्यास पुस्तिकाएँ और स्कूलों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए दिशा-निर्देश शामिल हैं। समग्र प्रगति कार्ड के लिए क्षमता-केंद्रित अभ्यास प्रश्न पुस्तिकाओं और प्रोटोटाइप की शुरूआत क्षमता-आधारित आकलन और व्यापक छात्र मूल्यांकन पर बल देती है।

इसके अलावा, सीबीएसई ने शिक्षकों को एआई एकीकरण कौशल से सज्जित करने के लिए 'कक्षाओं में एआई का उपयोग' क्षमता निर्माण कार्यक्रम शुरू किया, जो आधुनिक शैक्षिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए बोर्ड की प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

"बदलते परिदृश्य की पुनर्कल्पना-स्कूल शिक्षा में गुणवत्ता परिवर्तन" विषयवस्तु पर 29वां सीबीएसई राष्ट्रीय सहोदय सम्मेलन 2023

''बदलते परिदृश्य की पुनर्कल्पना - स्कूली शिक्षा में गुणवत्ता परिवर्तन'', विषयवस्तु पर 29वां सीबीएसई राष्ट्रीय सहोदय सम्मेलन 2023, 8 और 9 दिसंबर को वेस्टिन पवई, मुंबई में आयोजित किया गया। सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के एक सह-संघ, मुंबई सहोदय द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य शिक्षा में सहयोग और उत्कृष्टता को बढ़ावा देना था। देश भर से 1,200 से अधिक प्रतिष्ठित प्रधानाचार्य शिक्षा में नवीनतम रुझानों, नवाचारों और चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए एकत्रित हुए, विशेष रूप से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और स्कूली शिक्षा 2023 के लिए नए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे पर ध्यान केंद्रित किया। सम्मेलन में नेटवर्किंग, सहयोग और भारत और विदेश के प्रधानाचार्यों के साथ सर्वोत्तम पद्धतियों को साझा करने में सहायता मिली।

बहुभाषी शिक्षा और शिक्षण के माध्यम के रूप में मातृभाषा का उपयोग करना

एक अन्य महत्वपूर्ण पहल बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहित करना और सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों में शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषा का उपयोग करना था। स्कूलों से आग्रह किया गया कि वे मौजूदा

विकल्पों के साथ-साथ भारतीय संविधान की अनुसूची 8 में सूचीबद्ध भारतीय भाषाओं को बुनियादी स्तर से लेकर माध्यमिक स्तर के अंत तक शिक्षा के माध्यम के रूप में उपयोग करने पर विचार करें। स्कूलों को निर्देश दिया गया कि वे बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए उपलब्ध संसाधनों का पता लगाएं, विशेषज्ञों से परामर्श करें और अन्य स्कूलों के साथ सहयोग करें। इस संबंध में स्कूलों को दिनांक 21.07.2023 के परिपत्र संख्या Acad-84/2023 के माध्यम से दिशा-निर्देश जारी किए गए थे।

सीबीएसई के माध्यम से एनईपी-2020 की तीसरी वर्षगांठ का स्मरणोत्सव - एक बच्चा, एक पौधा अभियान

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की तीसरी वर्षगांठ मनाने के लिए, सीबीएसई ने पर्यावरण संबंधी चिंताओं पर स्कूलों और छात्रों के लिए एक जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान में ऊर्जा संरक्षण, खाद्य अपव्यय, इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट के खतरे, पेट्रोलियम उत्पाद संरक्षण और प्लास्टिक प्रदूषण जैसे विषय शामिल थे। इसके अलावा, सीबीएसई ने 29 जुलाई, 2023 से 28 अगस्त, 2023 तक सभी स्कूलों में 'सीबीएसई - एक बच्चा, एक पौधा अभियान' नामक एक विशाल वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। *कुल 2396 स्कूलों और 3,06,767 छात्रों ने गतिविधियों में भाग लिया।*

सीबीएसई: जी-20-राज्य स्तरीय सम्मेलन

जी-20 देशों के शैक्षिक कार्य समूह ने "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" की विषयवस्तु के अंतर्गत सभी के लिए समावेशी, न्यायसंगत, प्रासंगिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा जीवन पर्यंत अधिगम के अवसर सुनिश्चित करने के क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया। जी-20 की तर्ज पर, सीबीएसई ने देश भर में 36 जी-20 दो दिवसीय शिखर सम्मेलन आयोजित किए, जो जीवन कौशल, मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण पर केंद्रित थे। जी-20 पर 36 राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित किए गए। *36 सम्मेलनों में कुल 8562 शिक्षकों और 12924 छात्रों ने भाग लिया।*

स्वच्छता ही सेवा विशेष अभियान 3.0

विशेष अभियान 3.0 के अंतर्गत विद्यालयों से अनुरोध किया गया कि वे 12 नवंबर 2023 तक विशेष सफाई अभियान चलाएं, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों और समुदाय की सक्रिय भागीदारी हो, ताकि समाज में स्वच्छता, सफाई और स्वास्थ्य का संदेश फैलाया जा सके। अभियान में कुल *5,087 विद्यालयों* और *8,56,746 विद्यार्थियों* ने भाग लिया।

अमृत कलश यात्रा (मेरी माटी मेरा देश अभियान)

आज़ादी का अमृत महोत्सव स्मरणोत्सव का अंतिम कार्यक्रम *मेरी माटी मेरा देश (एमएमएमडी)* था। इसमें उन सभी *वीरों* और *वीरांगनाओं* को श्रद्धांजलि अर्पित करने की परिकल्पना की गई थी जिन्होंने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है। एमएमएमडी के दूसरे चरण में दिल्ली में *अमृत वाटिका* के निर्माण के लिए प्रतीकात्मक योगदान और लोगों की भागीदारी की अभिव्यक्ति के रूप में *मिट्टी* एकत्र की गई।

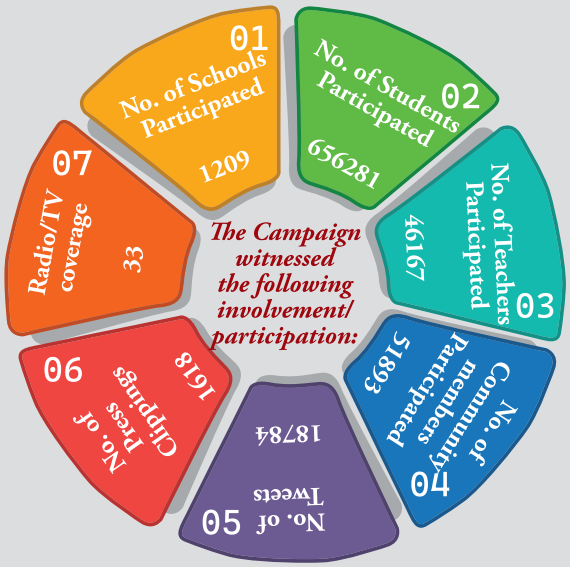

चंद्रयान-3 महा क्विज

बोर्ड ने दिनांक 11.10.2023 के परिपत्र संख्या Acad-123/2023 दिनांक 11.10.2023 के माध्यम से अपने सभी संबद्ध विद्यालयों को चंद्रयान-3 महा क्विज के बारे में सूचना प्रसारित करने तथा अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इस क्विज में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने की सलाह दी। विद्यालयों से प्राप्त जानकारी के अनुसार 19 अक्टूबर, 2023 तक अर्थात एक सप्ताह के भीतर देशभर के 876 विद्यालयों के कुल 4,99,474 विद्यार्थियों ने क्विज में भाग लिया।

भारतीय भाषा उत्सव

क्षेत्रीय भाषाओं और प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से भाषा सीखने को बढ़ावा देने के लिए "भाषाएँ अनेक, भाव एक" विषय-वस्तु के साथ भारतीय भाषा उत्सव,28 सितंबर से 11 दिसंबर,

2023 तक 75 दिनों (11 सप्ताह) के लिए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान, भारतीय भाषा उत्सव के भव्य समापन से पूर्व, महान राष्ट्रवादी तमिल कवि *सुब्रमण्यम भारती*, जिन्हें "महाकवि भारती", एक स्वतंत्रता सेनानी और तमिलनाडु में एक समाज सुधारक के रूप में जाना जाता था, की जयंती पर 11 दिसंबर को सभी स्तरों अर्थात स्कूल, बीआरसी/सीआरसी/पंचायत, जिले (डीआईईटी सहित), राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

*सातवें सप्ताह तक कुल **3,137 स्कूलों, 5,50,976 छात्रों, 31,988 शिक्षकों और 98,560 समुदाय के सदस्यों ने** भारतीय भाषा उत्सव के दौरान आयोजित गतिविधियों में भाग लिया।*

कक्षाओं में बहुभाषावाद को बढ़ावा देने के लिए संबद्ध स्कूलों द्वारा अपनाई गई विभिन्न रणनीतियों को प्रदर्शित करने के लिए दिल्ली के अंबेडकर भवन में सीबीएसई का एक स्टॉल भी लगाया गया।

04 क्षेत्रीय स्तर के किशोर शिखर-सम्मेलन

पुणे, अगरतला, हैदराबाद और इंदौर में जीवन कौशल, मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण तथा लैंगिक समानता विषयों पर 04 क्षेत्रीय स्तर के किशोर शिखर सम्मेलन आयोजित किए गए।

इन शिखर-सम्मेलनों में छात्रों की भागीदारी इस प्रकार रही: पुणे - 500 छात्र, अगरतला - 763 छात्र, हैदराबाद - 830 छात्र, और इंदौर - 640 छात्र।

जीवन कौशल, मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण पर सीबीएसई राष्ट्रीय किशोर शिखर सम्मेलन 2023, 19 से 21 दिसंबर 2023 तक राष्ट्रीय बाल भवन, दिल्ली में आयोजित किया गया था। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य देश भर के स्कूलों में जीवन कौशल और कल्याण कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के स्थायी मॉडल की परिकल्पना करते हुए विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रत्यक्ष सहभागिता / संवाद के लिए बड़ी संख्या में स्कूलों को एक साथ लाना था। शिखर सम्मेलन में देश भर के ***210 स्कूलों के 1,200 छात्रों*** ने भाग लिया।

क्षेत्रीय सम्मेलन

राष्ट्रीय सम्मेलन

एनईपी पर सम्मेलन

शैक्षणिक, कौशल शिक्षा और प्रशिक्षण में परिवर्तनकारी नेतृत्व पर जोर देते हुए बोर्ड द्वारा एनईपी 2020 की पहलों पर चर्चा करने के लिए प्रधानाचार्यों के लिए पुणे, अगरतला, हैदराबाद, इंदौर, कोलकाता, रांची, पटना और भुवनेश्वर में प्रत्येक स्थान पर एक विशेष एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इन शिखर सम्मेलनों

में निम्नानुसार स्कूल प्रधानाचार्यों की भागीदारी रही: ***पुणे- 353, त्रिपुरा - 191, हैदराबाद - 340, रांची- 220, कोलकाता- 315, पटना (बीएसईबी के सहयोग से)- 180, और इंदौर - 336।***

सीबीएसई हेरिटेज इंडिया क्विज 2024

हमारे देश के जीवंत इतिहास और संस्कृति के बारे में छात्रों में जागरूकता और गर्व की भावना पैदा करने के प्रयासों को मजबूत करने के लिए, बोर्ड ने भारत: लोकतंत्र की जननी (जी20) की थीम के साथ सीबीएसई हेरिटेज इंडिया क्विज - 2023 का आयोजन किया, ताकि जी20 में भारत की अध्यक्षता का उत्सव मनाया जा सके और भारत के लोकतांत्रिक आंदोलन और इसके लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को याद किया जा सके। यह अंतर विद्यालय क्विज प्रतियोगिता कक्षा IX से XII तक के छात्रों के लिए आयोजित की गई थी और इसमें कुल 6960 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

शैक्षणिक-आकलन

अधिगम का विश्लेषण करने के लिए संरचित आकलन (एसएएफ़एएल) - डिजिटल मोड में सक्षमता-केंद्रित मुख्य चरण मूल्यांकन के लिए एक पहल:

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की पहली वर्षगांठ पर माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा लॉन्च किया गया, अधिगम का विश्लेषण करने के लिए संरचित मूल्यांकन (एसएएफ़एएल) एक नैदानिक मुख्य चरण मूल्यांकन है। इसे भाषा, गणित और पर्यावरण विज्ञान/विज्ञान के पाठ्यचर्या क्षेत्रों में प्रमुख दक्षताओं में ग्रेड 3, 5 और 8 के छात्रों की उपलब्धि के स्तर को मापने के लिए एनईपी 2020 के पैरा 4.40 की सिफारिशों के अनुसार लॉन्च किया गया है। एसएएफ़एएल परिणामों का उपयोग हितधारकों द्वारा विकासात्मक उद्देश्यों के लिए किया जाना है और छात्रों की प्रमुख दक्षताओं और प्रवीणता के स्तर पर भाग लेने वाले स्कूलों को नैदानिक डेटा और अंतर्दृष्टि प्रदान करना है।

एसएएफ़एएल का पायलट फरवरी 2023 में भारत और विदेशों में 1887 सीबीएसई संबद्ध स्कूलों के एक सैम्पल में सीडैक-मुंबई के सहयोग से विकसित एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर किया गया था। इस पायलट के लिए विभिन्न श्रेणियों के स्कूलों जैसे सरकारी, स्वतंत्र, केवी, ग्रामीण, शहरी, रक्षा आदि के **कक्षा 5 और 8 के कुल 4,01,241 छात्रों** ने पंजीकरण कराया। क्षमता-वार सामर्थ्यों और विकास के क्षेत्रों पर स्कूल स्तर की रिपोर्ट तैयार की गई और सितंबर 2023 में स्कूलों को उपलब्ध कराई गई। **इस प्रकार इस पहल का पहला चरण पूरा हो गया।**

समग्र प्रगति कार्ड (एचपीसी):

छात्र विकास के लिए रचनांतरणपरक आकलन के भाग के रूप में, एनईपी 2020 के पैरा 4.35 में समग्र प्रगति कार्ड तैयार करने की अनुशंसा की गई है। सीबीएसई ने कक्षा 1 से 3 के लिए एचपीसी का एक प्रतिमान विकसित किया था, जो 360 डिग्री समग्र आकलन के लिए एक शैक्षणिक साधन के रूप में प्रत्येक बच्चे की विशिष्टता दर्शाता है। कक्षा 1 से 3 के लिए समग्र प्रगति कार्ड का प्रायोगिक 74 सीबीएसई स्कूलों में किया गया था, जिसमें सीबीएसई के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में प्रबंधन के विभिन्न प्रकार और क्षेत्र शामिल किए गए थे।

बुनियादी स्तर के लिए एचपीसी प्रतिमान को राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा बुनियादी स्तर 2022 और एनसीईआरटी एचपीसी दस्तावेज़ के आलोक में फिर से डिज़ाइन किया गया था। शिक्षकों के लिए साथ में कार्यान्वयन दिशानिर्देश भी तैयार किए गए हैं जो उन्हें समग्र प्रगति कार्ड के माध्यम से आकलन करने और उसका दस्तावेजीकरण करने के लिए तकनीकी ज्ञान और व्यावहारिक रणनीतियों के साथ मदद करेंगे। ये दस्तावेज सभी सीबीएसई स्कूलों के लिए 28 दिसंबर 2023 को जारी किए गए। 19 जनवरी 2024 को एचपीसी-एफएस पर अभिविन्यास वेबिनार आयोजित किया गया है। 24 जनवरी 2024 से प्रत्यक्ष: भावी संसाधक कार्यक्रम (पीआरपी) शुरू किए गए हैं। इन पीआरपी कार्यक्रमों के माध्यम से पूरे देश में प्रशिक्षण सत्र लेने के लिए संसाधकों की पहचान की जाएगी।

कुछ झलकियाँ:

प्रारंभिक और मध्य चरणों के लिए एच.पी.सी. के संदर्भीकरण पर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

एचपीसी समीक्षा कार्यशाला- दिल्ली

स्कूल गुणवत्ता आकलन और आश्वासन रूपरेखा (एसक्यूएएएफ़):

एनईपी 2020 के पैरा 8 में दी गई सिफारिशों के अनुसार, सीबीएसई ने एसक्यूएएएफ़ तैयार किया है और इसे शुरू किया है। शिक्षार्थी को रूपरेखा के केंद्र में रखते हुए एसक्यूएएएफ़ व्यक्तिगत और संस्थागत उत्कृष्टता को प्राप्त करने के लिए

एक व्यापक और कार्यान्वयन योग्य स्व-आकलन साधन है। इससे सहयोग, नवाचार और जवाबदेही की संस्कृति विकसित होगी और साथ ही एनईपी 2020 में परिकल्पित गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित होगा।

सीबीएसई को विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों के तहत केवी, जेएनवी और अन्य स्कूलों के लिए मानक निर्धारण प्राधिकरण (एसएसए) के रूप में कार्य करने और ऐसे पैरामीटर तैयार करने का अधिदेश है, जिनके आधार पर इन स्कूलों का गुणवत्ता अंतराक्षेप के लिए आकलन किया जा सके।

सीबीएसई एसक्यूएए रूपरेखा की समीक्षा की गई है और इसे पीएम श्री स्कूलों के लिए विकसित एसक्यूएएएफ के साथ जोड़ा गया है। सीबीएसई द्वारा जारी परिपत्र संख्या 14/2023 दिनांक 24.03.2023 के अनुसार एसक्यूएएएफ को स्कूलों की संबद्धता के साथ एकीकृत किया गया है।

सत्र 2023-24 में 16,613 स्कूलों ने स्व-आकलन कराया है।

132 स्कूलों को प्रत्यक्ष गुणवत्ता समीक्षा के लिए यादृच्छिक रूप से चुना गया है। इन समीक्षाओं पर वर्तमान में कार्य किया जा रहा है।

पीक्यूआर के लिए संरक्षकों की टीम द्वारा दौरा किये गये स्कूलों की कुछ झलकियां

उन राज्यों और शहरों/जिलों की सूची जहां पीक्यूआर आयोजित किया गया है

राज्य/शहर	जिला
आंध्र प्रदेश	कृष्णा, अनंतपुर
अरुणाचल प्रदेश	लोहित, पापुमपारा
बिहार	मुजफ्फरपुर, औरंगाबाद, गया, गोपालगंज, पटना, समस्तीपुर
चंडीगढ़	चंडीगढ़ (संघ राज्य क्षेत्र)
छत्तीसगढ़	जशपुर, बस्तर
दिल्ली	नई दिल्ली, मध्य दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, उत्तरी दिल्ली, उत्तर पश्चिम दिल्ली, दक्षिण पश्चिम दिल्ली
गुजरात	वडोदरा (बड़ौदा), अहमदाबाद
हरियाणा	कुरूक्षेत्र, अम्बाला, भिवानी, फ़रीदाबाद, गुरूग्राम, हिसार, झज्जर, करनाल महेंद्रगढ़, पानीपत, सोनीपत
हिमाचल प्रदेश	शिमला
झारखंड	हज़ारीबाग, देवघर, पूर्वी सिंहभूम, रांची
कर्नाटक	दक्षिण कन्नड़, बागलकोट, बेलगावी
केरल	मलप्पुरम, एर्नाकुलम
मध्य प्रदेश	धार, ग्वालियर, इंदौर, नीमच, विदिशा
महाराष्ट्र	अमरावती, जलगांव. मुंबई, नागपुर. नासिक, पुणे, सांगली, वर्धा
ओडिशा	कंधमाल, खोरदा, सुंदरगढ़
पंजाब	लुधियाना, अमृतसर, फरीदकोट, फाजिल्का, गुरदासपुर, होशियारपुर, जालंधर
राजस्थान	डूंगरपुर, जयपुर, नागौर, टोंक
सिक्किम	दक्षिण जिला, पूर्वी जिला, पश्चिम जिला
तमिलनाडु	चेन्नई, कोयंबटूर, कांचीपुरम, कन्याकुमारी, वेल्लोर
तेलंगाना	वारंगल शहरी. महबुबनगर. नलगोंडा, रंगारेड्डी
उत्तर प्रदेश	गोंडा, आगरा, अलीगढ, बिजनौर, बुलन्दशहर, चंदौली, देवरिया, गौतम बुद्ध नगर, गाज़ियाबाद, गाज़ीपुर, गोरखपुर, झाँसी, कानपुर नगर, कुशी नगर, मथुरा, प्रयागराज, रायबरेली, सहारनपुर
उत्तराखंड	देहरादून, हरिद्वार, उधम सिंह नगर

सीबीएसई खेलकूद

सीबीएसई अपने संबद्ध स्कूलों के छात्रों के लिए खेल स्पर्धाओं का आयोजन करता है। खेलों में भाग लेने से बच्चों को लक्ष्य निर्धारण, टीम वर्क का महत्व, अनुशासन और वास्तविक जीवन की उतार-चढ़ाव भरी परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक कौशल सीखने का एक व्यावहारिक तरीका मिलता है। सीबीएसई लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग आयु समूहों में क्लस्टर/ जोनल और राष्ट्रीय स्तर पर **23 खेलों** में खेल स्पर्धाओं का आयोजन करता है। क्लस्टर और जोनल स्तर की प्रतियोगिताओं के विजेता राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेते हैं।

सीबीएसई ने सीबीएसई खेल आयोजनों के प्रबंधन के लिए पूरी तरह से ऑनलाइन प्रणाली शुरू की है। प्रतिभागियों को प्रत्येक प्रतिभागी के लिए एक अद्वितीय यूआईडी के साथ ऑनलाइन पंजीकृत किया जाता है, और खेल आयोजनों के बाद परिणाम भी सीबीएसई खेल वेबसाइट पर अपलोड किए जाते हैं।

सत्र 2023-24 में, देशभर में **303 स्थानों** पर सीबीएसई खेल स्पर्धाएँ आयोजित की गई। 2023-24 में लगभग **6,00,000 छात्रों** ने सीबीएसई खेलों में भाग लिया। विजेताओं को पदक दिए गए जबकि सभी प्रतिभागियों को डिजिटल भागीदारी प्रमाण-पत्र दिए गए। यह उल्लेख करना भी महत्वपूर्ण है कि सीबीएसई राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं के विजेताओं ने भारत सरकार के खेलो-इंडिया कार्यक्रम में भाग लिया, जो बोर्ड द्वारा प्रोत्साहित किए जा रहे खेल-कूद के प्रति उत्साह और भावना को दर्शाता है।

अध्यापक प्रशिक्षण

सतत व्यावसायिक विकास

सीबीएसई के पास शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए 17 उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) और प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण और उन्नत शिक्षक प्रशिक्षण के लिए 01 सतत व्यावसायिक विकास उन्नत केंद्र (एसीसीपीडी), रायबरेली, उत्तर प्रदेश है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के खंड 5.15 के अनुपालन में है, जिसमें सिफारिश की गई है कि प्रत्येक शिक्षक से अपने लिए आवश्यक व्यावसायिक विकास के लिए हर साल कम से कम 50 घंटे के सतत व्यावसायिक विकास (सीपीडी) अवसरों में भाग लेना अपेक्षित है।

उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) बोर्ड से संबद्ध स्कूलों के शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सीबीपी) आयोजित करता है, जो प्रत्येक शिक्षक और प्रधानाचार्य के लिए अनिवार्य वार्षिक सेवाकालीन(इन-सर्विस) प्रशिक्षण निर्धारित करता है। सीबीपी को दो श्रेणियों में व्यवस्थित किया जाता है; सामान्य और विषय विशिष्ट कार्यक्रम। वर्तमान में सीबीएसई-सीओई द्वारा सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के शिक्षकों और प्रधानाचार्यों के लिए 58 सीबीपी (30 सामान्य और 28 विषय-विशिष्ट) पेश किए जा रहे हैं।

17 सीओई द्वारा आयोजित ऑफ़लाइन/आमने-सामने सीबीपी और ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्रों का विवरण:

क्रमांक	प्रशिक्षण का तरीका	सीबीपी/प्रशिक्षण सत्रों की संख्या	प्रतिभागियों की कुल संख्या
1.	ऑफ़लाइन/आमने सामने सीबीपी	1209	4,33,279
2.	ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र	6630	3,28,761

नए क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का शुभारंभ

10 अक्टूबर, 2023 को राष्ट्रीय शिक्षक सम्मेलन, गुवाहाटी में 11 नए सीबीपी (08 सामान्य और 04 विषय-विशिष्ट) कार्यक्रमों का शुभारम्भ किया गया और 8 दिसंबर, 2023 को राष्ट्रीय सहोदय सम्मेलन, मुंबई में 01 सीबीपी शुरू किया गया।

1. योग्यता आधारित आकलन -अंग्रेजी
2. योग्यता आधारित आकलन-गणित
3. योग्यता आधारित आकलन-विज्ञान
4. योग्यता आधारित आकलन-सामाजिक विज्ञान
5. योग्यता आधारित आकलन-सामान्य

1. ज्ञान का सिद्धांत
2. सक्रिय शिक्षण-अधिगम
3. शिक्षा के बारे में माता-पिता को शिक्षित करना
4. कक्षाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग

1. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-आधारभूत चरण
2. शिक्षाशास्त्र के रूप में कहानी सुनाना
3. पर्यावरण संरक्षण शिक्षा और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण

गुरु दक्षता

नव विकसित प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम *(गुरु दक्षता)* परिपत्र संख्या सीबीएसई/प्रशिक्षण/2023/61 दिनांक 10.05.2023 के द्वारा शुरू किया गया था, जिसका लक्ष्य बोर्ड के नए संबद्ध स्कूलों के साथ-साथ मौजूदा सीबीएसई संबद्ध स्कूलों के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों को उनकी भूमिकाओं के लिए आवश्यक क्षमताओं और संसाधनों से सज्जित करना और सीबीएसई प्रणाली में सुचारू रूप से शामिल होने के लिए उन्हें तैयार करना है।

इस कार्यक्रम में शिक्षकों और स्कूल प्रमुखों को सीबीएसई के सभी घटक विभागों/इकाइयों की संरचना, नीतियों और दिशा-निर्देशों से परिचित कराया गया।

मार्गदर्शन और परामर्श पर राष्ट्रीय शिक्षक सम्मेलन

10 और 11 अक्टूबर, 2023 को गुवाहाटी (असम) में "मार्गदर्शन और परामर्श" पर राष्ट्रीय शिक्षक सम्मेलन आयोजित किया गया, यह छात्रों की विकासात्मक आवश्यकताओं को संबोधित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सम्मेलन के लिए 32 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों/विदेश स्थित स्कूलों से 879 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया।

श्रीमती निधि छिब्बर, भा.प्र.से., अध्यक्ष सीबीएसई ने सम्मेलन का उद्घाटन किया और सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को सीबीएसई के निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. राम शंकर, सीबीएसई के पूर्व निदेशक श्री के.के. चौधरी और असम के अपर मुख्य सचिव (शिक्षा) श्री बिस्वरंजन सामल, आईएएस ने संबोधित किया।

सम्मेलन के लिए विभिन्न उप-विषयों पर 25 मौखिक प्रस्तुतियाँ और 28 पोस्टर/ई-पेपर प्रस्तुतियाँ चुनी गईं:

- छात्रों की सामाजिक-भावनात्मक चिंताओं की पहचान
- मुद्दों के निदान के लिए मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन उपकरणों का उपयोग
- किशोरावस्था से संबंधित मुद्दों को संबोधित करना
- मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को बनाए रखना
- सीखने की अक्षमता वाले छात्रों की शिक्षा को सुविधाजनक बनाना
- सामाजिक समावेश को बढ़ावा देना
- आत्महत्या की रोकथाम
- छात्रों की चिंता को संबोधित करना और भावी करियर का प्रबंधन करना

लद्दाख में सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

संघ राज्य क्षेत्र लद्दाख के स्कूल शिक्षा विभाग के तहत नए संबद्ध सरकारी स्कूलों को सीबीएसई प्रणाली में शामिल करने के लिए, सीबीएसई सीओई, चंडीगढ़ द्वारा 31 जुलाई, 2023 से 4 अगस्त, 2023 तक माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर विषय शिक्षकों के लिए विभिन्न क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम में विज्ञान, गणित, हिंदी, रसायन विज्ञान, भौतिकी और जीव विज्ञान के शिक्षकों की आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित किया गया, विशेष रूप से शिक्षण पद्धति, प्रश्न पत्र पैटर्न, परीक्षण मदों का प्रारूप तैयार करने और प्रायोगिक परीक्षा आयोजित करने में उनकी क्षमता का निर्माण किया गया।

लेह और कारगिल में आयोजित 12 विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कुल 328 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम को प्रतिभागियों ने खूब सराहा और विषय विशेषज्ञों द्वारा उनके विषय से संबंधित सभी प्रश्नों का समाधान किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए संस्थानों/विभागों के साथ सहयोग

क. स्कूल स्वास्थ्य और कल्याण कार्यक्रम

सीबीएसई यूनेस्को के साथ साझेदारी में बोर्ड से संबद्ध स्कूलों में आयुष्मान भारत के तहत स्कूल स्वास्थ्य और कल्याण कार्यक्रम के कार्यान्वयन का समर्थन कर रहा है।

सीबीएसई ने एनसीईआरटी और यूनेस्को के सहयोग से "स्कूल स्वास्थ्य और कल्याण" पर एक सीबीपी विकसित किया है और अब तक एनसीईआरटी, नई दिल्ली में 05 दिवसीय कार्यशालाओं के 05

बैचों में लगभग **400** मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षित किए गए हैं। ये मास्टर ट्रेनर संबंधित उत्कृष्टता केंद्रों के तहत अन्य शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण आयोजित कर रहे हैं।

ख. Educational Initiatives (ईआई) साथ सहमति ज्ञापन

सीबीएसई ने शिक्षकों के लिए अपने क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सीबीपी) में आकलन को मजबूत करने की दिशा में बदलावों को संस्थागत बनाने सहित अंग्रेजी, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान पर योग्यता आधारित सक्षमता निर्माण कार्यक्रम (सीबीपी) के विकास के लिए शैक्षिक पहल (ईआई) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। अंग्रेजी, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में योग्यता आधारित आकलन पर सीबीपी शुरू किए गए हैं।

ग. ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, भारत के साथ सहमति ज्ञापन

सीबीएसई ने राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-बुनियादी स्तर पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सीबीपी) के विकास के लिए एनईपी 2020 की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस इंडिया के साथ सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

एनईपी 2020 की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर सीबीएसई का स्टॉल

यूनेस्को की मदद से सीबीएसई की प्रशिक्षण इकाई के स्टॉल द्वारा 29 और 30 जुलाई, 2023 को प्रगति मैदान में "सीबीएसई स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने की विषय-वस्तु पर प्रदर्शनी लगाई गई।

स्कूल स्वास्थ्य और कल्याण कार्यक्रम (एसएचडब्ल्यूपी) पर पोस्टर प्रदर्शित किए गए, जिसमें निम्नलिखित 11 विषय वस्तु/थीम शामिल थीं:

1. स्वस्थता के साथ विकास
2. भावनात्मक कल्याण और मानसिक स्वास्थ्य
3. पारस्परिक संबंध
4. लैंगिक समानता
5. मूल्य और जिम्मेदार नागरिकता
6. मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम और प्रबंधन
7. पोषण स्वास्थ्य और स्वच्छता

8. इंटरनेट गैजेट्स और मीडिया के सुरक्षित उपयोग को बढ़ावा देना
9. हिंसा और चोटों के प्रति सुरक्षा और संरक्षण
10. प्रजनन स्वास्थ्य और एचआईवी रोकथाम
11. स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना

प्रशिक्षण इकाई, सीबीएसई की गतिविधियों के विवरण की जानकारी प्रशिक्षण इकाई के अधिकारीगण द्वारा दी गई।

आयोजित किए गए वेबिनार

इस वर्ष के दौरान प्रासंगिक विषयों पर सीबीएसई द्वारा वेबिनार की श्रृंखला आयोजित की गई है, जिनमें देश भर में बड़ी संख्या में दर्शकों से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

भारत में महिला शिक्षा पर सावित्रीबाई फुले के प्रभाव विषय पर 03.01.2023 को वेबिनार देखने वालों की संख्या: 14,000	दृष्टिबाधित छात्रों की शिक्षा और लुई ब्रेल के योगदान पर 04.01.2023 को वेबिनार देखने वालों की संख्या: 17800	स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं और आज के छात्रों के लिए इसकी प्रासंगिकता पर 12.01.2023 को वेबिनार देखने वालों की संख्या: 39,000
सड़क सुरक्षा हेतु "सड़क दुर्घटनाओं और इनके दुष्प्रभावों संबंधी निवारक रणनीतियां" विषय पर 17.01.2023 को वेबिनार देखने वालों की संख्या: 73,000	पुस्तकालयों के उपयोग को बढ़ावा देने और पढ़ने की आदत विकसित करने पर 29.05.2023 को वेबिनार देखने वालों की संख्या: 67,000	सुश्री हेलेन केलर के जीवन और उपलब्धियों पर 27.06.2023 को वेबिनार- छात्रों के लिए प्रेरणा देखने की संख्या: 14,000
"स्कूल स्वास्थ्य और कल्याण विषय पर" 10.07.2023 को वेबिनार देखने की संख्या: 97196	"कल्पना चावला का जीवन और कार्यों " पर 31.07.2023 को वेबिनार देखने वालों की संख्या: 33276	"भारत के खेल महानायक- मेजर ध्यानचंद के जीवन" पर 25.08.2023 को वेबिनार देखने वालों की संख्या: 19,206
"पंडित ईश्वर चंद्र विद्या सागर" पर 26.09.2023 को वेबिनार देखने वालों की संख्या: 11,170	"योग्यता आधारित मूल्यांकन" पर 29.09.2023 को वेबिनार देखने वालों की संख्या: 77,000	**"परीक्षा पे चर्चा" पर 27.12.2023 को वेबिनार** देखने वालों की संख्या: 6,38,902

बाहर देशों में प्रशिक्षण

बाहर देशों में बोर्ड से संबद्ध स्कूलों तक सीबीएसई प्रशिक्षण कार्यक्रम का विस्तार करने के प्रयोजन से, बाहर देशों के स्कूलों और प्रशिक्षण इकाई के बीच समन्वय को मजबूत करने के लिए बाह्य देशों के लिए सीबीएसई उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की गई।

दिसंबर, 2023 तक चार देशों यानी जापान, मलेशिया, सिंगापुर और यूएई में विभिन्न विषयों पर 12 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। आयोजित किए गए 12 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में विदेशी स्कूलों के 631 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है।

पीएम ई-विद्या सीबीएसई 15 टीवी चैनल

शिक्षा मंत्रालय ने 200 पीएम ई-विद्या चैनलों में से सीबीएसई के लिए एक टीवी चैनल आवंटित किया है जो शिक्षकों के प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करेगा।

सीआईईटी, एनसीईआरटी द्वारा प्रशिक्षण इकाई के अधिकारियों, सीओई प्रमुखों और विषय विशेषज्ञों के लिए 17 से 19 अप्रैल, 2023 और 24 से 26 अप्रैल, 2023 को दो अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इन दो बैचों में कुल 40 प्रतिभागियों को उन्मुख किया गया। टीवी चैनल ""पीएम ई-विद्या सीबीएसई 15"" 29 जुलाई, 2023 से प्रसारित किया गया है।

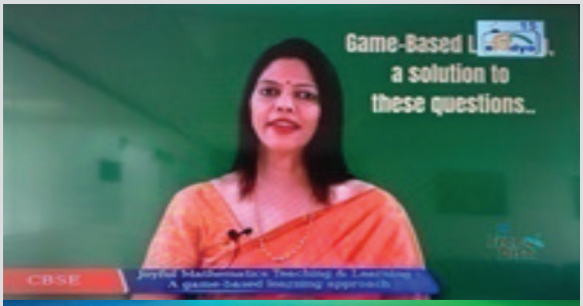

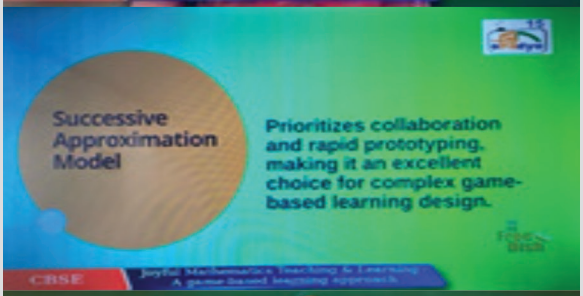

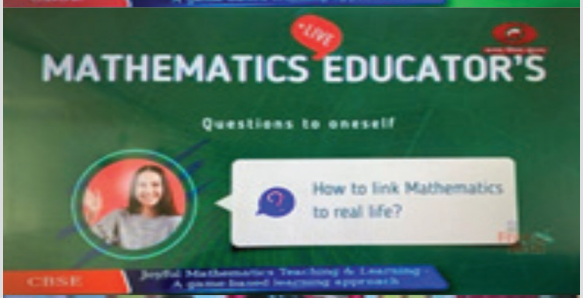

सीबीएसई टीवी चैनल पर शिक्षक प्रशिक्षण के विभिन्न विषयों पर कुल 219 वीडियो प्रसारित किए गए हैं। ये वीडियो सीबीएसई स्कूलों, सीआईईटी एनसीईआरटी स्टूडियो में तैयार किए गए हैं।

प्रशिक्षण इकाई, आईटी पहल और उपलब्धियां

क. सीबीएसई यूट्यूब चैनल के लिए सिल्वर बटन

प्रशिक्षण इकाई के यूट्यूब चैनल ने नई ऊंचाई को छुआ है। चैनल को 1,00,000 सब्सक्राइबर पार करने के लिए यूट्यूब सिल्वर बटन से सम्मानित किया गया है।

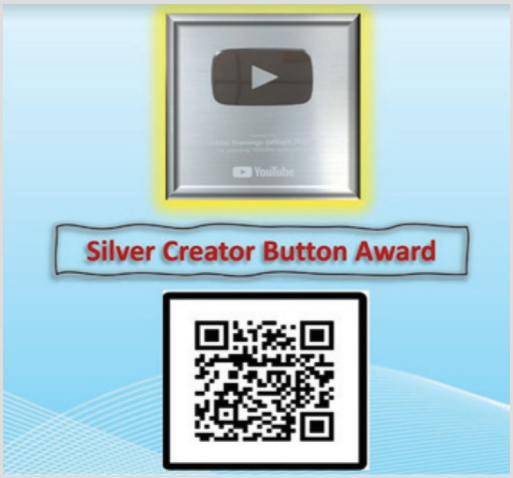

यह उपलब्धि दर्शकों तक पहुंच और जुड़ाव को दर्शाती है। **दिसंबर 2023 तक चैनल को लगभग 250 K लोगों नें सब्स्क्राइब किया।**

ख. एकीकृत भुगतान प्रणाली

नव विकसित एकीकृत भुगतान प्रणाली (आईपीएस) के माध्यम से पहले से मैन्युअल और समय लेने वाली प्रणाली का डिजिटल रूप से एक कुशल व सशक्त प्रणाली में बदलाव हुआ।

ऑनलाइन और ऑफलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिए बोर्ड के संबंधित उत्कृष्टता केंद्र के माध्यम से नियोजित संसाधन व्यक्तियों को दावा प्रदान करने के लिए एकीकृत भुगतान प्रणाली (आईपीएस) की सुविधा दी गई जिसके माध्यम से मानक भुगतान प्रणाली की शुरूआत से गणना स्वत: हो जाती है। इसी तरह आयोजन स्थल संबंधी शुल्क की प्रतिपूर्ति भी आईपीएसके माध्यम से प्रक्रियागत की जा रही है।

कौशल शिक्षा

कौशल विषयों में शिक्षक प्रशिक्षण:

सीबीएसई अपने कौशल विषयों के शिक्षकों के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण आयोजित करता है। दिसंबर 2022 और नवंबर 2023 के बीच आयोजित प्रशिक्षणों का विवरण इस प्रकार है:

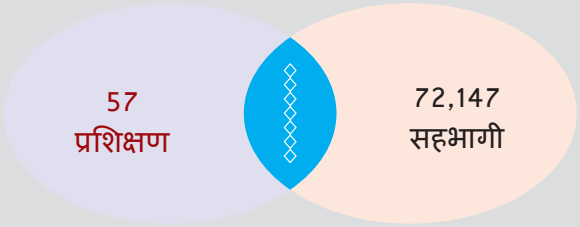

जनवरी से दिसंबर, 2023 तक के लिए जागरूकता कार्यक्रम/सीबीपी का प्रशिक्षण डेटा

बीमा, बैंकिंग, खुदरा, एक्चुरियल साइंस, उद्यमिता मेंटरिंग, सेल्समैनशिप, मार्केटिंग, एफएमएम, योग, स्वास्थ्य सेवा, आईटी, वित्तीय साक्षरता, कृषि, वेब एप्लिकेशन और लाइब्रेरी और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में ऑनलाइन और ऑफलाइन जागरूकता कार्यक्रम और सक्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें 7494 सहभागी शामिल हुए|

क्रमांक	विषय	तारीख	सहभागियों की संख्या	माध्यम
1.	बीमा	07/02/2023	204	ऑनलाइन
2.	बैंकिंग	08/02/2023	240	ऑनलाइन
3.	खुदरा	10/02/2023	33	ऑनलाइन
4.	एक्चुरियल साइंस पर वेबिनार	6/04/2023	858	ऑनलाइन
5.	एक्चुरियल साइंस पर वेबिनार	20/04/2023	640	ऑनलाइन
6.	एक्चुरियल साइंस पर वेबिनार	04/05/2023	343	ऑनलाइन
7.	उद्यमिता मेंटरिंग में स्कूल शिक्षकों का विकास कार्यक्रम	02/05/2023 से 06/05/2023	36	ऑफलाइन, ईडीआईआई कैंपस अहमदाबाद
8.	विक्रय कौशल/सेल्समैनशिप	07/06/2023	587	ऑनलाइन
9.	एफएमएम	13/06/2023	522	ऑनलाइन
10.	विपणन	16/06/2023	537	ऑनलाइन
11.	एक्चुरियल साइंस	18/05 2023	238	ऑनलाइन
12.	एक्चुरियल साइंस	01/06/ 2023	216	ऑनलाइन
13.	एक्चुरियल साइंस	15/06/ 2023	67	ऑनलाइन
14.	योग पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम	01/07/2023	355	ऑफलाइन, आईटीएल, द्वारका, न.दि.
15.	एक्चुरियल साइंस	06/07 2023	13	ऑनलाइन
16.	एक्चुरियल साइंस	20/07/ 2023	33	ऑनलाइन
17.	एक्चुरियल साइंस	03/08/2023	33	ऑनलाइन
18.	एक्चुरियल साइंस	17/08/2023	77	ऑनलाइन
19.	एक्चुरियल साइंस	07/09/2023	24	ऑनलाइन
20.	एक्चुरियल साइंस	21/09/2023	21	ऑनलाइन
21.	पर्यटन पर सीबीपी	04/10/2023	40	ऑफलाइन
22.	स्वास्थ्य देखभाल पर सीबीपी	27/10/2023	315	ऑफलाइन, शांति एसियाटिक, स्कूल, अहमदाबाद

क्र.	विषय	तारीख	सहभागियों की संख्या	माध्यम
23.	आईटी पर सी.बी.पी.	07/11/2023	212	ऑफलाइन, चितकारा इंटरनेशनल स्कूल चंडीगढ़
24.	वित्तीय साक्षरता पर सम्मेलन	17/11/2023	390	ऑनलाइन
25.	एफ.एम.एम. पर जागरूकता कार्यक्रम	21/11/2023	1236	ऑनलाइन
26.	रिटेल पर सी.बी.पी.	22/11/2023	135	ऑफ़लाइन, प्रूडेंस स्कूल, न.दि.
27.	कृषि पर सी.बी.पी.	27/11/2023	130	ऑफ़लाइन, आईआईटीएम एकेडमी, मेरठ यूपी
28.	वेब एप्लीकेशन पर सी.बी.पी.	28/11/2023	185	द इंडियन हाइट्स स्कूल, द्वारका, नई दिल्ली
29.	पुस्तकालय और सूचना प्रौद्योगिकी पर सी.बी.पी.	07/12/2023	33	ऑफ़लाइन, डॉ एसपीएम नेशनल लाइब्रेरी ऑफ़ इंडिया, कोलकाता

निम्नलिखित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं:

i. जालंधर - 12 दिसंबर 2022 - 117 प्रतिभागी

ii. मेरठ - 17 दिसंबर 2022 - लगभग 70 प्रतिभागी

iii. वापी - 9 जनवरी 2023 - लगभग 100 प्रतिभागी

iv. नागपुर - 4 फरवरी 2023 - लगभग 280 प्रतिभागी

v. नोएडा - 28 फरवरी 2023 - 75 प्रतिभागी

vi. मेरठ - 4 मई 2023 - लगभग 250 प्रतिभागी (प्रधानाचार्य और कौशल समन्वयक)

vii. रांची - 16 जुलाई 2023 - 165 प्रतिभागी

स्कूलों में उभरती हुई प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी को बढ़ावा देना

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन, IoT (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) और 5G जैसी उभरती हुई तकनीकें मौलिक रूप से परिदृश्य को बदल रही हैं और दुनिया को नया आकार दे रही हैं। उभरते हुए क्षेत्रों के बारे में शिक्षकों को जागरूक करने और छात्रों को आने वाले करियर विकल्पों के बारे में जागरूक करने के लिए, सीबीएसई ने नियमित रूप से शिक्षकों के साथ-साथ छात्रों के लिए जागरूकता और क्षमता निर्माण सत्र आयोजित किए हैं।

ये सत्र कृत्रिम बुद्धिमत्ता, कोडिंग, डेटा साइंस, फिजिकल कंप्यूटिंग, हाइब्रिड लर्निंग, 21वीं सदी के लर्निंग डिज़ाइन (सीएलडी) स्किल्स, डिजिटल नागरिकता, संवर्धित वास्तविकता / आभासी वास्तविकता के क्षेत्रों में आयोजित किए गए हैं।

दिसंबर 2022 से नवंबर 2023 तक किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है:

सभी नागरिकों के लिए	
▪ सभी के लिए एआई कार्यक्रम	11,73,293 नागरिक

छात्रों के लिए	
▪ एआई तत्परता निर्माण बूटकैंप	1,032 छात्र
▪ एआई छात्र समुदाय में शामिल छात्र	1,652 छात्र
▪ फ्यूचर टेक ओलंपियाड	35,000 छात्र
▪ राष्ट्रीय कोडिंग चैलेंज 2023	
○ पंजीकरण की कुल संख्या	9315 टीमें जिनमें 37,260 छात्र शामिल हैं
○ परियोजना प्रस्तुतियाँ	1,539 परियोजनाएँ
कुल	**47,765 छात्र**

शिक्षकों के लिए	
▪ क्षमता निर्माण कार्यक्रम (15 कार्यक्रम)	5,036
▪ कोलकाता में AIoT प्रशिक्षण बैच 5	49
▪ AIOT संग्रह लॉन्च इवेंट में शिक्षकों के लिए AI जानकारी सत्र	500
▪ ए आई सुविधाकर्ता समुदाय	1,150
▪ क्षमता निर्माण कार्यक्रम (6 कार्यक्रम)	1,358
▪ शिक्षकों के लिए बूटकैंप (3 बूटकैंप)	362
▪ डिजिटल नागरिकता और एआर/वीआर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	70,000+
▪ कोडिंग पाठ्यचर्या से परिचय (8 x 23 = 24 सत्र)	15,028
▪ डेटा विज्ञान पाठ्यचर्या से परिचय (7 x 3 = 21 सत्र)	6,484
▪ 21वीं सीएलडी कौशल निर्माण और पढ़ने की क्षमता को बढ़ाना (30 सत्र)	52,329
▪ कक्षा में अधिगम के लिए एआई उपकरणों का लाभ उठाना (15 सत्र)	58,473
▪ शिक्षकों के लिए आधुनिक कार्यस्थल कार्यक्रम(5 सत्र)	17,433
▪ सुलभता और विशेष शिक्षा (5 सत्र)	8,851
▪ हाइब्रिड लर्निंग (5 सत्र)	20,731
▪ खेल से लेकर प्रोजेक्ट तक - प्रोजेक्ट आधारित अधिगम के साथ अधिगम में बदलाव। (18.01.2023)	857
▪ भौतिक कंप्यूटिंग में परियोजनाओं का आकलन (22.02.2023)	269
▪ भौतिक/परियोजना आधारित अधिगम के साथ रोजगार कौशल विकसित करना	176
▪ कंप्यूटिंग (15.03.2023)	
▪ एआरएम स्कूल कार्यक्रम (एएसपी) नवाचार दिवस कैसे मनाएं (26.04.2023)	152
▪ डिजिटल नागरिकता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	2,700+
कुल	**1,80,783 शिक्षक**

छात्रों के लिए जुड़ाव और परिचय कार्यक्रम

कार्यक्रम	सहभागियों की संख्या
• माइक्रोसॉफ्ट के सहयोग से छात्रों के लिए उद्योग जुड़ाव और प्रौद्योगिकी परिचय कार्यक्रम	3800+ छात्र
• संधारणीयता त्वरक - संधारणीयता और जलवायु कार्रवाई पर सीबीएसई छात्रों के लिए इंटर्नशिप/मेंटरशिप कार्यक्रम	1500+ छात्र
	5300 + छात्र

कौशल यात्रा अभियान

कौशल यात्रा पहल की कल्पना भारत के कार्यबल की उभरती जरूरतों और देश में कौशल अंतर को पाटने की अनिवार्यता के जवाब में एक परिवर्तनकारी प्रयास के रूप में की गई थी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य व्यावसायिक और कौशल-आधारित शिक्षा की धारणा में क्रांतिकारी बदलाव लाना था।

इस अभियान की शुरुआत 19 सितंबर 2023 को आईसीएआर में 'स्कूल से कार्य की ओर परिवर्तन पर राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन' के दौरान की गई थी। इस अभिनव प्रयास के मूल में एक मोबाइल बस कौशल प्रयोगशाला है, जो एक पूरी तरह से सुसज्जित बहु-कौशल सुविधा है, जिसे ट्रक चेसिस पर ढंग से नवीनीकृत किया गया है और जिसमें वाई-फाई, ऑडियो-विजुअल क्षमताएं और जनरेटर जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं हैं। यह बहुमुखी वाहन दोहरे उद्देश्य को पूरा करता है: यह न केवल एक मोबाइल प्रयोगशाला के रूप में कार्य करता है, बल्कि यह छात्रों के लिए आउटरीच और जीविका परामर्श की सुविधा प्रदान करते हुए एक सहयोगी उपकरण के रूप में भी कार्य करता है।

कुशल प्रशिक्षकों द्वारा संचालित, कौशल यात्रा बस वेल्डिंग, प्लंबिंग, इलेक्ट्रिकल वायरिंग, खाद्य प्रसंस्करण, बुनियादी स्वास्थ्य सेवा और मोबाइल मरम्मत जैसे विविध क्षेत्रों में अमूल्य व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान करती है, जिससे छात्रों के लिए व्यावहारिक ज्ञान और संभावनाओं की दुनिया खुलती है।

कौशल यात्रा अभियान 29.09.2023 से 17.10.2023 तक चलाया गया, जिसमें लगभग 3000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया और दिल्ली एनसीआर में कौशल यात्रा के समृद्ध अनुभव से लाभान्वित हुए।

छात्र सक्रिय रूप से व्यावहारिक प्रयोगों में भाग लेते हैं, समूहों में सहयोगात्मक रूप से काम करते हैं, प्रशिक्षित सलाहकारों की सावधानीपूर्वक देखरेख में उपकरणों और उपस्करों का उपयोग करते हैं और कड़े सुरक्षा उपायों का पालन करते हैं।

राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन

सीबीएसई ने 19 और 20 सितंबर 2023 को आईसीएआर ऑडिटोरियम, पूसा, नई दिल्ली में 'स्कूल से कार्य की ओर बदलाव को सुगम बनाना' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में छात्रों को लगातार बदलते पेशेवर परिदृश्य में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान के साथ तैयार करने में स्कूलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया। प्रख्यात वक्ताओं, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों, उद्योग जगत के नेतृत्वकर्ताओं और अन्य प्रमुख हितधारकों की बातचीत के साथ-साथ, शिखर सम्मेलन में छात्रों को कौशल प्रदर्शनी के माध्यम से कौशल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अपने स्कूलों में किए जा रहे कार्यों को प्रदर्शित करने का अवसर मिला। वक्ताओं ने राष्ट्रीय मार्गदर्शन महोत्सव (जिसे इस राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के साथ एकीकृत किया गया है) के हिस्से के रूप में आगामी जीविका की संभावनाओं, आवश्यक कौशल समुच्चय और प्रभावी जीविका संबंधी निर्णय लेने के बारे में जानकारी प्रदान की।

शिखर सम्मेलन में **3,000** से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

देश भर में विभिन्न स्थानों पर कौशल प्रयोगशालाओं की स्थापना

सीबीएसई ने देश के विभिन्न भागों में स्थित स्कूलों में कृषि, परिधान, ऑटोमोटिव, सौंदर्य एवं कल्याण, बीएफएसआई, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं हार्डवेयर, आतिथ्य एवं पर्यटन, आईटी/आईटीईएस, मल्टी स्किल फाउंडेशन कोर्स और रिटेल जैसे 10 क्षेत्रों में 70 कौशल प्रयोगशालाओं की स्थापना में सहायता प्रदान की है, जैसा कि निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है:

क्र.सं.	सैक्टर	स्कूल का नाम	राज्य
1.	कृषि	ईएमआरएस ओज़िलि	आंध्र प्रदेश
2.	कृषि	जीएचएसएस लंकेर्चे	जम्मू एवं कश्मीर (कारगिल)
3.	कृषि	ईएमआरएस सिंगरौली	मध्य प्रदेश
4.	कृषि	ओएवी करापाली	ओडिशा
5.	कृषि	ओएवी रानीभोल	ओडिशा
6.	परिधान	जेएनवी पश्चिम गोदावरी	आंध्र प्रदेश
7.	परिधान	ईएमआरएस लुमला	अरुणाचल प्रदेश
8.	परिधान	जेएनवी महासुमुंद	छत्तीसगढ
9.	परिधान	जेएनवी चांदपुर	हरियाणा
10.	परिधान	जेएनवी दतिया	मध्य प्रदेश
11.	परिधान	जेएनवी बिष्णुपुर	मणिपुर
12.	परिधान	ईएमआरएस खुमुलवांग	त्रिपुरा
13.	परिधान	केवी नोएडा	उत्तर प्रदेश
14.	परिधान	जेएनवी झांसी	उत्तर प्रदेश
15.	परिधान	जेएनवी मोल्टारी	उत्तराखंड
16.	ऑटोमोटिव	के वी नंबर 2 रायपुर	छत्तीसगढ
17.	ऑटोमोटिव	केवी अहमदाबाद	गुजरात
18.	ऑटोमोटिव	जेएनवी खेड़ा	गुजरात
19.	ऑटोमोटिव	केवी मानेसर (एनएसजी)	हरियाणा
20.	ऑटोमोटिव	जेएनवी झज्जर	हरियाणा

क्र.सं.	सैक्टर	स्कूल का नाम	राज्य
21.	ऑटोमोटिव	ईएमआरएस धंगेरा	ओडिशा
22.	ऑटोमोटिव	ईएमआरएस सिरिगुड़ा रायगड़ा	ओडिशा
23.	ऑटोमोटिव	केवी गाजियाबाद	उत्तर प्रदेश
24.	ऑटोमोटिव	जेएनवी कानपुर नगर	उत्तर प्रदेश
25.	ऑटोमोटिव	ईएमआरएस कलशी	उत्तराखंड
26.	सौन्दर्य एवं कल्याण	ईएमआरएस डोरनाला	आंध्र प्रदेश
27.	सौन्दर्य एवं कल्याण	केवी गुवाहाटी, मालीगांव (रेलवे)	असम
28.	सौन्दर्य एवं कल्याण	जीएचएसएस योरबाल्टक	जम्मू एवं कश्मीर(कारगिल)
29.	सौन्दर्य एवं कल्याण	जीएचएसएस परतापुर	लद्दाख
30.	सौन्दर्य एवं कल्याण	एसकेवी नं.-1, गांधी नगर (1003027)	नई दिल्ली
31.	सौन्दर्य एवं कल्याण	जीजीएसएसएस नं. 2 शक्ति नगर	नई दिल्ली
32.	सौन्दर्य एवं कल्याण	जीजीएसएसएस नंबर 3 रूप नगर	नई दिल्ली
33.	सौन्दर्य एवं कल्याण	ओएवी सासनमबगान	ओडिशा
34.	सौन्दर्य एवं कल्याण	ओएवी बेगुनिया	ओडिशा
35.	सौन्दर्य एवं कल्याण	केवी आसनसोल	पश्चिम बंगाल
36.	बीएफ़एसआई	केवी खानापारा	असम
37.	बीएफ़एसआई	जेएनवी डोंगरगढ़	छत्तीसगढ
38.	बीएफ़एसआई	केवी सूरत	गुजरात
39.	बीएफ़एसआई	ईएमआरएस गैंगयेप	सिक्किम
40.	बीएफ़एसआई	केवी कुंजाबन	त्रिपुरा
41.	इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर	ईएमआरएस पेंड्री	छत्तीसगढ
42.	इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर	केवी सूरत नंबर II हजीरा कृभको	गुजरात
43.	इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर	ईएमआरएस रैंकी	ओडिशा
44.	आतिथ्य और पर्यटन	केवी रायपुर नं. 1	छत्तीसगढ
45.	आतिथ्य और पर्यटन	केवी भोपाल नं. 1	मध्य प्रदेश
46.	आतिथ्य और पर्यटन	केवी भोपाल नं. II	मध्य प्रदेश
47.	आतिथ्य और पर्यटन	केवी इंदौर नं. 1	मध्य प्रदेश
48.	आतिथ्य और पर्यटन	ईएमआरएस बीर चंद्र नगर	त्रिपुरा
49.	आतिथ्य और पर्यटन	केवी आगरा कैंट नं. 1 (एएफएस)	उत्तर प्रदेश
50.	आतिथ्य और पर्यटन	केवी आगरा कैंट नं. II	उत्तर प्रदेश
51.	आतिथ्य और पर्यटन	केवी वाराणसी (बीएचयू)	उत्तर प्रदेश
52.	आतिथ्य और पर्यटन	केवी वाराणसी कैंट	उत्तर प्रदेश
53.	आईटी/आईटीईएस	ईएमआरएस भोपाल	मध्य प्रदेश
54.	आईटी/आईटीईएस	जेएनवी बरगीनगर	मध्य प्रदेश
55.	आईटी/आईटीईएस	केवी नंबर 1 जबलपुर	मध्य प्रदेश

क्र.सं.	सैक्टर	स्कूल का नाम	राज्य
56.	आईटी/आईटीईएस	केवी नंबर-2 बीबीएसआर	ओडिशा
57.	आईटी/आईटीईएस	केवी काशीपुर	उत्तराखंड
58.	मल्टी स्किल फाउंडेशन कोर्स	केवी वलटाइर	आंध्र प्रदेश
59.	मल्टी स्किल फाउंडेशन कोर्स	जेएनवी कामरूप	असम
60.	मल्टी स्किल फाउंडेशन कोर्स	जेएनवी सहरसा	बिहार
61.	मल्टी स्किल फाउंडेशन कोर्स	ईएमआरएस सोघपुर	मध्य प्रदेश
62.	मल्टी स्किल फाउंडेशन कोर्स	केवी नंबर-3 भोपाल	मध्य प्रदेश
63.	मल्टी स्किल फाउंडेशन कोर्स	जेएनवी मुंडली	ओडिशा
64.	मल्टी स्किल फाउंडेशन कोर्स	जेएनवी रवांगला	सिक्किम
65.	मल्टी स्किल फाउंडेशन कोर्स	केवी आईटीबीपी देहरादून (एस-1)	उत्तराखंड
66.	खुदरा	एसबीवी कृष्ण नगर	दिल्ली
67.	खुदरा	एसकेवी मलकागंज	दिल्ली
68.	खुदरा	जीएचएस सालिसकोटे	जम्मू एवं कश्मीर(कारगिल)
69.	खुदरा	ओएवी जमधार	ओडिशा
70.	खुदरा	ओएवी जंतरीबोल	ओडिशा

सैक्टर वार वितरण

क्र.सं.	सैक्टर	स्कूलों की संख्या
1.	कृषि	5
2.	परिधान	10
3.	ऑटोमोटिव	10
4.	सौन्दर्य एवं कल्याण	10
5.	बीएफ़एसआई	5
6.	इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर	3
7.	आतिथ्य और पर्यटन	9
8.	आईटी/आईटीईएस	5
9.	मल्टी स्किल फाउंडेशन कोर्स	8
10.	खुदरा	5
	कुल	**70**

राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार वितरण

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	स्कूलों की संख्या
1.	आंध्र प्रदेश	4
2.	अरुणाचल प्रदेश	1
3.	असम	3
4.	बिहार	1
5.	छतीसगढ़	5
6.	दिल्ली	2
7.	गुजरात	4
8.	हरियाणा	3
9.	जम्मू एवं कश्मीर (कारगिल)	3
10.	लद्दाख	1
11.	मध्य प्रदेश	10
12.	मणिपुर	1
13.	नई दिल्ली	3
14.	ओडिशा	11
15.	सिक्किम	2
16.	त्रिपुरा	3
17.	उत्तर प्रदेश	8
18.	उत्तराखंड	4
19.	पश्चिमी बंगाल	1
	कुल	**70**

पर्यटन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम

सीबीएसई ने शिक्षकों के लिए पर्यटन कौशल को निखारने के लिए 04 अक्टूबर, 2023 को दिल्ली और एनसीआर में एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। आपसी बातचीत के दौरान सभी ने एक-दूसरे के मातृसंस्था, पसंदीदा पर्यटन स्थलों, शैक्षणिक योग्यता और शौक के बारे में जाना। मेहमानों और गणमान्य व्यक्तियों के अच्छी तरह से परिचित होने के बाद, संसाधन व्यक्ति ने नेतृत्व किया और प्रभावी शिक्षण के महत्व के बारे में बताया।

कुछ झलकियाँ इस प्रकार हैं:

कौशल एक्सपो और राष्ट्रीय मार्गदर्शन महोत्सव - 2023

कौशल शिक्षा विभाग ने अक्टूबर, 2023 से शुरू होने वाले राष्ट्रीय मार्गदर्शन महोत्सव (लाइफोलॉजी फाउंडेशन के सहयोग से) के साथ-साथ कौशल एक्सपो के क्षेत्रीय कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की है। यह अवधारणा 19-20 सितंबर, 2023 को आईसीएआर, नई दिल्ली में आयोजित स्कूलों से कार्य की ओर बदलाव में सुविधा प्रदान करने वाले राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन की सफलता से प्रेरित थी, जो अधिगम और अनुभवों को साझा करने की दृष्टि से एक बड़ी सफलता थी।

यूथ आइडियाथॉन 2023:

यूथ आइडियाथॉन कक्षा 4 से कक्षा 12 तक के छात्रों के अभिनव विचारों के लिए एक मंच प्रदान करने की परियोजना है। यह सीबीएसई और एमईपीएससी (प्रबंधन और उद्यमिता और व्यावसायिक कौशल परिषद) के साझेदारों के बीच सहयोग से किए जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है। वर्ष 2023 के इस आयोजन में, कई स्कूलों ने अभिहित पोर्टल के माध्यम से अपने अभिनव विचार प्रस्तुत किए। चयनित सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों को दिसंबर 2023 के महीने में आईआईटी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में पुरस्कृत किया गया।

प्रोजेक्ट कार्ट ब्लैंच

सीबीएसई ने माइक्रोसॉफ्ट, यूनिसेफ और टीएजी के सहयोग से अपने संबद्ध स्कूलों के माध्यम से प्रोजेक्ट कार्ट ब्लैंच के रूप में डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम की परियोजना शुरू की है। पहले चरण में, 610 स्कूलों को इस परियोजना का हिस्सा बनने के लिए शामिल किया गया है, जहाँ स्कूलों को हाइब्रिड लर्निंग को क्रियान्वित करने के लिए आवश्यक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर अवसंरचना प्रदान की जा रही है और यह चरण जुलाई, 2024 तक पूरा हो जाएगा।

उद्यमिता मेंटरिंग में स्कूल शिक्षक विकास कार्यक्रम

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान ने सीबीएसई के सहयोग से उद्यमिता में स्कूल शिक्षक विकास कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जो इस प्रकार है:

बैच 1: 27 अप्रैल-1 मई 2023
बैच 2: 2 मई-6 मई 2023

सफल जीवन के लिए युवा मन को तैयार करने में स्कूल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। तेजी से बदलती दुनिया में, छात्रों को भविष्य में उनके सामने आने वाली विभिन्न संभावनाओं के लिए तैयार करने की आवश्यकता है, जिसमें दूसरों के लिए कार्य सेवाएं, स्वयं का उद्यम स्थापित करना, समुदाय में योगदान देना आदि शामिल हैं। इसके लिए रचनात्मक समस्या-समाधान, विवेचनात्मक चिंतन, नवाचार, जोखिम लेने की क्षमता, नेतृत्व, संचार, निर्णय लेने आदि जैसे कौशल और सफल होने के लिए अपने चुने हुए विषय का गहन ज्ञान होना आवश्यक है।

उपरोक्त के संदर्भ में, स्कूलों ने उद्यमिता सिखाने और एक उद्यमी मानसिकता को आत्मसात करने के लिए विशेष और प्रशिक्षित शिक्षकों की आवश्यकता को महसूस किया है। इससे समकालीन शिक्षण विधियों के साथ-साथ विषय का विशेष ज्ञान और समझ प्राप्त करने के लिए स्कूल के शिक्षकों के लिए उपयुक्त और संरचित प्रशिक्षण की आवश्यकता पैदा हुई है।

इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए, ईडीआईआई ने सीबीएसई के सहयोग से देश भर में स्कूल के शिक्षकों और प्रधानाचार्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक कार्यान्वयन किया है। अतीत में, ईडीआईआई ने सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के लिए उद्यमिता शिक्षण पर तीन ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए और स्कूलों और छात्रों तक अपनी शिक्षा पहुँचाने के लिए 1500 स्कूल शिक्षकों का एक समूह विकसित किया। इसके अलावा, ईडीआईआई ने छात्रों के बीच उद्यमशीलता की भावना और विचार संप्रेषित करने के आशय से सीबीएसई से संबद्ध स्कूल प्रधानाचार्यों के अनुभव दौरे की मेजबानी की।

अपने मिशन को मजबूत करने और आगे योगदान देने के लिए, ईडीआईआई ने स्कूल शिक्षक विकास कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका शीर्षक था "उद्यमिता मेंटरिंग में स्कूल शिक्षक विकास कार्यक्रम", जिसका उद्देश्य उद्यमशीलता और उद्यमशीलता का विचार या रुचि रखने वाले स्कूल शिक्षकों को प्रेरित और सशक्त बनाना और उपरोक्त क्षेत्रों में अनेक छात्रों को प्रशिक्षित करना है।

सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों में पीएमकेवीवाई 3.0/4.0 के तहत कौशल हब पहल (एसएचआई) का कार्यान्वयन

भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में स्कूलों में कौशल विकास को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्र 21वीं सदी की ज्ञान अर्थव्यवस्था की चुनौतियों के लिए तैयार हों।

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) उद्योग के लिए तैयार कार्यबल तैयार करने और रोजगार कौशल को बढ़ाने के लिए 2015 से पीएमकेवीवाई को लागू कर रहा है। यह योजना स्कूल/कॉलेज छोड़ने वाले, स्कूल न जाने वाले बच्चों और 15-45 वर्ष की आयु के बेरोजगार युवाओं को लक्षित करती है। इस योजना के तहत लक्षित समूहों को मांग से प्रेरित और उद्योग से जुड़े कौशल कोर्स पेश किए जाते हैं जो उन्हें अपनी क्षमताओं और आकांक्षाओं के अनुरूप जीविका पथ चुनने में सक्षम बनाएंगे। कौशल शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए स्कूल समय के बाद या गैर-कार्य दिवसों में स्कूलों की मौजूदा बुनियादी रूपरेखा/ढांचे का लाभ उठाने की परिकल्पना की गई है।

भारत सरकार ने केंद्रीय बजट 2023 में PMKVY 4.0 के शुभारंभ की घोषणा की। इसका उद्देश्य PMKVY 3.0 के तहत एसएचआई के कार्यान्वयन से प्राप्त सीख/अनुभवों का लाभ उठाना है।

सीबीएसई (प्राइवेट या सरकारी) से संबद्ध सभी स्कूलों, विशेष रूप से वे जो अपने यहां कौशल विषय प्रदान करते हैं, को दिए गए दिशा-निर्देशों और मानदंडों के अनुसार अपने परिसर में कौशल हब शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

कौशल हब पहल कार्यान्वयन की स्थिति:

- कौशल हब पहल (PMKVY 3.0) कार्यान्वयन –
  - सभी 38 बैचों (पिछले बैच) के लिए मूल्यांकन और प्रमाणन पूरा हो गया।
  - एसएचआई के कार्यान्वयन के अगले चरण के लिए SAKSH पोर्टल पर 29 स्कूल पंजीकृत हैं।
- कौशल हब पहल (पीएमकेवीवाई 4.0) कार्यान्वयन –
  - परिपत्र संख्या कौशल-122/2023 दिनांक 11.10.2023 को पीएमकेवीवाई 4.0 के कार्यान्वयन के लिए 44 शॉर्टलिस्ट किए गए पेशे/नियोजन की भूमिकाओं के साथ जारी किया गया, जिसमें एसआईपी पर स्कूलों को शामिल करने के लिए एसओपी, सुझाए गए क्षेत्र और पेशा / नियोजन भूमिका सूची, पीएमकेवीवाई 4.0 के लिए कार्यान्वयन मॉडल, वित्तीय निहितार्थ शामिल थे।
  - एनएसडीसी के समन्वय में पीएमकेवीवाई 4.0 कौशल हब पहल के लिए सीबीएसई स्कूलों के साथ नियमित अभिविन्यास सह ऑनबोर्डिंग वेबिनार आयोजित किया गया।

शिक्षकों का प्रशिक्षण/जागरूकता कार्यशाला/चर्चा

सीबीएसई नियमित रूप से सेक्टर कौशल परिषदों और संबंधित उद्योग साझीदारों के सहयोग से कौशल विषय पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम और क्षमता निर्माण कार्यक्रम/कार्यशालाएं आयोजित करता है।

1. आतिथ्य आधारित कौशल कोर्सों (खाद्य उत्पादन – 409, 809) के बारे में जागरूकता सह क्षमता निर्माण कार्यक्रम 28 फरवरी 2023 को भारतीय पाककला संस्थान, नोएडा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 75 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए।
2. अप्रैल 2023 में मीडिया और मनोरंजन कौशल परिषद के सहयोग से **53,445 स्कूल शिक्षकों** के लिए ऑनलाइन क्षमता निर्माण कार्यक्रम की एक श्रृंखला। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य शिक्षकों को संगत ज्ञान व जानकारी से सशक्त बनाना है।

सत्र पूरा होने के बाद, प्रतिभागियों द्वारा अधिगम आकलन प्रयोजन से सत्रों संबंधी मूल्यांकन करना आवश्यक था। मूल्यांकन के बाद, प्रतिभागियों को प्रमाणित किया गया।

3. मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में नए रुझानों पर स्कूल प्रधानाचार्यों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम

क) 24 जून, 2023 को मुंबई में आयोजित **एडुस्पार्क शिखर सम्मेलन** में सीबीएसई स्कूल प्रधानाचार्यों ने एकेडमिक राउंड टेबल, शिक्षा पर पैनल चर्चा और भविष्य के कार्य के लिए कौशल विकास सहित कई गतिविधियों में भाग लिया।

ख) रांची में 16 जुलाई, 2023 को **जागरूकता कार्यशाला-** कार्यशाला का उद्देश्य स्कूल प्रधानाचार्यों को कौशल शिक्षा के महत्व और कार्यान्वयन के बारे में बताना था। यह कार्यक्रम मीडिया और मनोरंजन कौशल परिषद द्वारा समर्थित था, जिसमें पाठ्यचर्या में मीडिया और मनोरंजन से संबंधित कौशल को शामिल करने के लाभ के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की गई।

मिडिल स्कूल के छात्रों के लिए नए कौशल मॉड्यूल पेश करना/विकसित करना

एनईपी 2020 की सिफारिशों के अनुपालन में, सीबीएसई ने कक्षा 6 से कौशल मॉड्यूल पेश किए थे। इन कौशल मॉड्यूल का लक्ष्य छात्रों के बीच विभिन्न कौशल/व्यवसायों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। और साथ ही, माध्यमिक कक्षाओं में कौशल विषयों का चयन करते समय छात्रों को सुविज्ञ विकल्प चुनने में मदद करना है। वर्तमान में बोर्ड 40 से अधिक कौशल मॉड्यूल प्रदान करता है जो कक्षा 6 से आगे के छात्रों के लिए उपलब्ध हैं।

1. **फोटोग्राफी:** फोटोग्राफी मॉड्यूल के लिए पाठ्यक्रम और सामग्री एमईएससी द्वारा साझा की गई और विशेषज्ञों की समीक्षा के बाद, अंतिम रूप दिया गया और फिर सीबीएसई वेबसाइट पर अपलोड किया गया।

2. **मिडिल स्कूल कक्षाओं के लिए निम्नलिखित 39 कौशल मैनुअल की समीक्षा की गई और इन्हें सीबीएसई वेबसाइट पर अपलोड किया गया। इनकी विषय श्रेणी इस प्रकार है:**

i) बेकिंग - VI-VIII

ii) ब्लू पॉटरी - VI-VIII

iii) कढ़ाई - VI-VIII

iv) पॉटरी - VI-VIII

v) मास्क बनाना - VI-VIII

vi) खाद्य मैनुअल - VI-VIII

vii) हर्बल हेरिटेज - VI-VIII

viii) हस्तशिल्प - VI-VIII

ix) ब्लॉक प्रिंटिंग - VI-VII

x) खाद्य संरक्षण- कक्षा VI से VIII

xi) कश्मीरी कढ़ाई- कक्षा VI से VIII

xii) खादी- कक्षा VI से VIII

xiii) ग्राफिक उपन्यास बनाना- कक्षा VI से VIII

xiv) मास मीडिया - कक्षा VI से VIII

मई 2023 में, स्कूलों में विभिन्न विषयों पर कौशल मॉड्यूल सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित की गई थी। सत्र कार्य दिवसों में आयोजित किए गए थे और इसमें कई विषयों को शामिल किया गया था। यहाँ कुछ मुख्य बातें दी गई हैं:

1. मई 2023 को, स्कूलों में कौशल मॉड्यूल शुरू करने के बारे में एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें 25,670 प्रतिभागियों के साथ पर्याप्त सहभागिता रही।

2. पूरे महीने में, मिट्टी के बर्तन, बेकरी, खादी, ग्राफिक उपन्यास निर्माण, ब्लॉक प्रिंटिंग, आदि जैसे विभिन्न विषयों को शामिल किया गया।

3. 18 मई 2023 को खाद्य सत्र के दौरान सबसे अधिक उपस्थिति दर्ज की गई, जिसमें 2,677 प्रतिभागी थे, जबकि 10 मई 2023 को मास्क बनाने के सत्र में सबसे अधिक 2,053 YouTube प्रतिभागी थे।

4. कुल मिलाकर, पूरे महीने में 83,956 YouTube प्रतिभागी थे, जिनमें से 19,587 प्रतिभागियों ने व्यक्तिगत रूप से सत्र में भाग लिया।

मीडिया एवं मनोरंजन क्षेत्र कौशल परिषद (एमईएससी) के साथ सहयोग

एमओयू साझीदार के रूप में एमईएससी सीबीएसई को स्कूलों में कौशल शिक्षा को बढ़ावा देने की गतिविधियों और पहलों के लिए समर्थन और सहायता प्रदान कर रहा है, जैसे कि पाठ्यक्रम तैयार करना, सामग्री विकास और विभिन्न उप-क्षेत्रों (जैसे एनीमेशन और वीएफएक्स, कला और संस्कृति, गेमिंग, डिजिटल मीडिया, विज्ञापन, फिल्म, टेलीविजन, ध्वनि और संगीत, रेडियो, प्रिंट, लाइव प्रदर्शन, इवेंट मैनेजमेंट, थीम/ मनोरंजन पार्क - टेक्सचरिंग कलाकार, एनीमेशन और मास मीडिया अध्ययन) में मीडिया और मनोरंजन कौशल पाठ्यक्रमों के लिए संकाय/ शिक्षकों का प्रशिक्षण।

इन गतिविधियों के हिस्से के रूप में एमईएससी ने निम्नलिखित कौशल विषयों की पाठ्यक्रम सामग्री को अद्यतन/संशोधित किया:

- मल्टी-मीडिया (टेक्सचर आर्टिस्ट)–9 और 10
  - टेक्सचरिंग आर्टिस्ट 9+10 - टेक्स्ट बुक रीडिज़ाइन
  - टेक्सचरिंग आर्टिस्ट 9+10 - ई कंटेंट - पीपीटी
- मल्टी-मीडिया (एनिमेटर) - कक्षा 11 और 12
  - एनिमेटर 11+12 - टेक्स्ट बुक रीडिज़ाइन
  - एनिमेटर 11+12 - - पीपीटी

सीबीएसई छात्रों को आतिथ्य आधारित विषयों में प्रवेश के लिए एनसीएचएमसीटी काउंसलिंग में भाग लेने का विशेष अवसर

एनईपी 2020 के तहत शिक्षा प्रणाली में आतिथ्य आधारित विषयों का एकीकरण न केवल छात्रों को उद्योग-प्रासंगिक कौशल से सज्जित करता है, बल्कि उन्हें जीविका के कई अवसर भी प्रदान करता है। आतिथ्य प्रबंधन में पृष्ठभूमि वाले छात्र होटल, रेस्तरां, पर्यटन, इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों और आतिथ्य और पर्यटन से संबंधित विभिन्न अन्य क्षेत्रों में जीविका तलाश सकते हैं, जो भारत में आतिथ्य क्षेत्र के विकास में प्रभावी रूप से योगदान करते हैं।

सीबीएसई नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी (एनसीएचएमसीटी) के सहयोग से अपने स्कूलों में कक्षा IX से XII तक आतिथ्य-आधारित कौशल विषय (जैसे खाद्य उत्पादन और फ्रंट ऑफिस संचालन) प्रदान करता है। एनसीएचएमसीटी एक सरकारी निकाय है जिसकी स्थापना 1982 में भारत में आतिथ्य शिक्षा कार्यक्रमों को विनियमित करने और चलाने के लिए की गई थी। इसने पूरे भारत में 21 प्रमुख संस्थान स्थापित किए हैं। एनसीएचएमसीटी भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के लिए आतिथ्य शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी ज्ञान साझीदार के रूप में कार्य करता है।

सीबीएसई और एनसीएचएमसीटी के बीच यह साझेदारी सुनिश्चित करती है कि छात्रों को उद्योग-संबंधित शिक्षा और प्रशिक्षण मिले, जो उन्हें आतिथ्य क्षेत्र की माँगों और रुझानों के साथ संरेखित करे। इन विषयों के पाठ्यक्रम को उद्योग विशेषज्ञों के परामर्श से डिज़ाइन किया गया है, जिसमें छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान और कौशल प्रदान करने के लिए उनकी अंतर्दृष्टियां और विशेषज्ञता शामिल हैं।

एनसीएचएमसीटी द्वारा पेश किए जाने वाले स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए पात्र होने के लिए, छात्रों को कक्षा XII या इसके समकक्ष सफलतापूर्वक उत्तीर्ण होना चाहिए। इसके बाद, उन्हें एनटीए द्वारा आयोजित एनसीएचएमसीटी संयुक्त प्रवेश परीक्षा (एनसीएचएमसीटी -जेईई) उत्तीर्ण करने की आवश्यकता होती है, जिसके बाद केंद्रीकृत ऑनलाइन परामर्श प्रक्रिया होती है।

2023 में, एनसीएचएमसीटी ने आतिथ्य आधारित विषयों के साथ बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण करने वाले सीबीएसई छात्रों को स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए परामर्श प्रक्रिया में पंजीकरण करने और सीधे भाग लेने का एक विशेष अवसर प्रदान किया।

दिनांक 08.06.2023 के परिपत्र संख्या कौशल-70/2023 और ***"आतिथ्य आधारित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एनसीएचएमसीटी परामर्श में भाग लेने के लिए सीबीएसई छात्रों के लिए विशेष अवसर"*** के संबंध में 14.06.2023 को आयोजित वर्चुअल अभिविन्यास बैठक के क्रम में, एनसीएचएमसीटी ने, अपने शासी निकाय की मंजूरी के साथ, एनसीएचएम जेईई 2023

से चूक गए सीबीएसई छात्रों के लिए पंजीकरण विंडो खोलने का फैसला किया। इससे उन्हें सीधे पंजीकरण करने और परामर्श प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति मिली।

एनसीएचएमसीटी के तहत आईएचएम से स्नातक कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करने से आतिथ्य उद्योग में छात्रों के लिए कई अवसर खुलते हैं।

सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के प्रधानाचार्यों के लिए अनुभव दौरा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक व्यापक नीति दस्तावेज है जो व्यावसायिक कौशल शिक्षा को नया रूप देने पर जोर देता है। नीति व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा की शिक्षा में लाने पर जोर देती है, जिससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित होती है - जिसमें व्यावसायिक शिक्षा भी शामिल है - प्रीस्कूल से लेकर ग्रेड XII तक। इस संदर्भ में, बोर्ड ने एक तंत्र को संस्थागत बनाने की योजना बनाई है जिसके माध्यम से स्कूल के नेतृत्वकर्ताओं को भारत भर के प्रतिष्ठित संस्थानों का दौरा करके विभिन्न कौशल क्षेत्रों का अनुभव कराया जाएगा ताकि वे भविष्य में ऐसे संस्थानों के साथ सहयोग कर सकें ताकि कौशल (व्यावसायिक) शिक्षा को मुख्यधारा की शिक्षा में एकीकृत किया जा सके और समय-समय पर (या छुट्टियों के दौरान) उनकी बुनियादी संरचना का उपयोग किया जा सके।

उद्देश्य

संगठनों/संस्थाओं के प्रधानाचार्यों के अनुभव दौरे स्कूलों और उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच तालमेल का लाभ उठाने में मदद करते हैं जो कौशल शिक्षा को बढ़ावा देने में सहायता करते हैं। अनुभव दौरों का उद्देश्य प्रधानाचार्यों को विभिन्न कौशल विषयों पर उन्मुखीकरण प्रदान करना था। अनुभव दौरे में संवादपरक अधिगम स्थल बनाने, विभिन्न परिवेशों तक पहुंच बनाने और व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में नवीनतम रुझानों और पद्धतियों के बारे में जानकारी देने पर जोर दिया गया। इन यात्राओं के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- अनुभव दौरे का उद्देश्य स्कूल नेतृत्वकर्ताओं को विभिन्न क्षेत्रीय कौशल विषयों से परिचित कराना है।
- विभिन्न कौशल विषयों, उनके दायरे और भविष्य के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ सहयोग पर जानकारी जुटाना।
- स्कूलों और उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच ज्ञान और संसाधन साझा करने के लिए परिदृश्य का मानचित्रण करना।
- स्कूलों में कौशल-आधारित कोर्सों को लागू करने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं और नवीन शिक्षण पद्धतियों को अपनाना।
- प्रत्येक क्षेत्र में छात्रों के लिए आवश्यक व्यावसायिक/कौशल कोर्सों और उद्योगों के साथ संपर्क का विश्लेषण करना।

परिणाम

- दिसंबर तक **28** दौरे पूरे हो चुके हैं।
- इन यात्राओं में कुल **1,076** स्कूल नेतृत्वकर्ताओं ने भाग लिया।
- केवीएस, जेएनवी, ईएमआरएस, चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र और सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के प्रधानाचार्यों/स्कूल नेतृत्व ने एक्सपोजर विजिट में भाग लिया।

विवरण इस प्रकार हैं:

चरण	संस्थान	सरकारी स्कूलों से सहभागी	प्राइवेट स्वतंत्र स्कूलों से सहभागी	कुल सहभागी
I	07	86	144	230
II	14	181	387	568
III	03	39	70	109
IV	04	25	144	169
कुल	**38**	**331 (30.8%)**	**745 (69.2%)**	**1,076**

जैसा कि ऊपर दी गई तालिका से स्पष्ट है, लगभग 69% प्रतिभागी प्राइवेट स्कूलों से हैं। अनुमोदन के अनुसार, बोर्ड सरकारी स्कूल के प्रधानाचार्यों को मूल बिल प्रस्तुत करने पर टीए/डीए या वास्तविक टीए/डीए के रूप में अधिकतम 10,000/- रुपये (केवल दस हजार रुपये) की प्रतिपूर्ति करता है।

जनवरी से दिसंबर 2023 (चरण - I से IV) के महीने में निम्नलिखित अनुभव दौरे आयोजित किए गए।

पहले चरण में, आईआईटीटीएम, नोएडा, निफ़्ट, हैदराबाद, इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम) चेन्नई, आईआईएम नागपुर, ईडीआईआई अहमदाबाद, टीआईएसएस, मुंबई और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अनुभव दौरे आयोजित किए गए, जिसमें कुल **230** प्रधानाचार्य/प्रतिभागियों ने भाग लिया।

दूसरे चरण में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) अमृतसर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास चेन्नई, तमिलनाडु, भारतीय पाककला संस्थान (आईसीआई), तिरुपति, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गांधीनगर, पलाज, गुजरात, बिरला प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (बिट्स), राजस्थान, पिलानी, विद्याविहार, पिलानी, राजस्थान, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, मंडी हाउस, नई दिल्ली, होटल प्रबंधन संस्थान, पूसा नई दिल्ली, वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान, वेल्लोर, तमिलनाडु, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद, एनपीएल, नई दिल्ली, जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र बेंगलुरु, कर्नाटक, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) काशीपुर, उत्तराखंड, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) पवई, मुंबई, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) उदयपुर और भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर), मोहाली में अनुभव दौरे आयोजित किए गए, जिसमें कुल **568** प्राचार्यों/उपस्थित लोगों ने भाग लिया।

तीसरे चरण में, अनुभव दौरे भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएमटी) त्रिची पुदुक्कोट्टई मेन रोड, चिन्ना सोरियूर, गांव, सोरियूर, तमिलनाडु-620024, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएमबी) बैंगलोर बन्नेरघट्टा मेन रोड, सुंदर राम शेट्टी नगर, बिलेकहल्ली, बेंगलुरु, कर्नाटक- 560076, हैदराबाद विश्वविद्यालय पोस्ट लिंगम सहयोगी सीआर राव रोड, हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी रोड, गाचीबोवली, हैदराबाद, तेलंगाना - 500046 और भारतीय प्रबंधन संस्थान कोझिकोड (आईआईएमके) कैंपस पी. ओ, कुन्नामंगलम, केरल -673570 में आयोजित किये गए जिसमें कुल **109** प्रधानाचार्यों/उपस्थित लोगों ने भाग लिया।

चौथे चरण में, चितकारा विश्वविद्यालय, राजपुरा, पंजाब, टेरी स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, वसंत कुंज, नई दिल्ली, व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल, गोरेगांव, मुंबई, भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) बरहामपुर, ओडिशा और विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, माछे बेलगावी, कर्नाटक में अनुभव दौरे आयोजित किए गए, जिनमें कुल **169** प्राचार्यों/प्रतिभागियों ने भाग लिया।

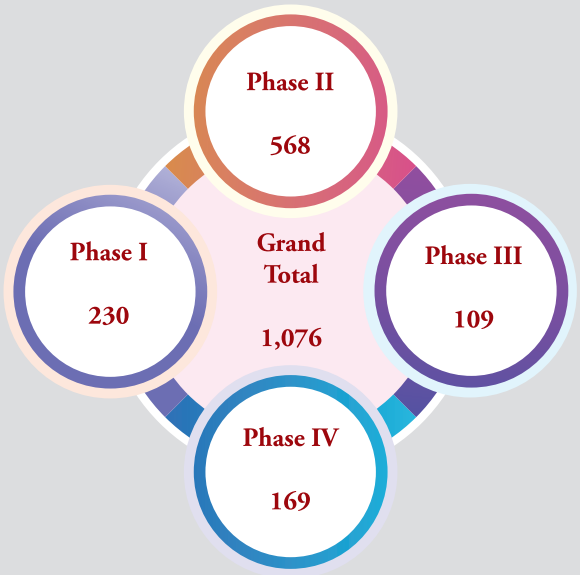

अनुभव दौरे चरण-I की झलकियाँ

स्कूल प्रधानाचार्यों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया गया।

अनुभव दौरे चरण-II की झलकियाँ

स्कूल प्रधानाचार्यों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया गया।

अनुभव दौरे चरण-III की झलकियाँ

अनुभव दौरे चरण-IV की झलकियाँ

राष्ट्रीय शिखर-सम्मेलन की झलकियाँ

परीक्षा 2023

1. परिचय

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में प्रमुख राष्ट्रीय बोर्ड है। सीबीएसई का मुख्य कार्य माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर की परीक्षा आयोजित करने के लिए स्कूलों को संबद्ध करना है। सीबीएसई भारत में एक गतिनिर्धारक बोर्ड है जिसकी अखिल भारतीय और अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति है, जिसमें भारत और 27 देशों में बोर्ड से संबद्ध 27,000 से अधिक स्कूल हैं। सीबीएसई को सार्वजनिक बोर्ड परीक्षाओं की देखरेख का काम सौंपा गया है जो छात्रों की शैक्षणिक प्रगति के लिए महत्वपूर्ण हैं।

इस परीक्षा चक्र 2022-2023 में, बोर्ड ने लगभग 39 लाख (3.9 मिलियन) अभ्यर्थियों की रिकॉर्ड-तोड़ संख्या का प्रबंधन किया, जो बोर्ड की बड़े पैमाने पर मूल्यांकन को कुशलतापूर्वक संचालन करने की क्षमता को प्रदर्शित करता है। बोर्ड परीक्षा पूरे देश में और 27अन्य देशों में कक्षा X और XII के अभ्यर्थियों के लिए एक साथ आयोजित की गई थी। यह रिपोर्ट परीक्षाओं के विस्तृत निष्पादन की रूपरेखा प्रस्तुत करती है, जिसमें सावधानीपूर्वक योजना बनाने, संसाधन आवंटन और कार्यान्वयन रणनीतियों पर प्रकाश डाला गया है, जिसके कारण सबसे बड़ी सार्वजनिक परीक्षाओं में गिनी जाने वाली इन परीक्षाओं का सफल प्रबंधन हुआ।

2. परीक्षा पूर्व योजना

2.1. परीक्षा कार्यक्रम और पाठ्यचर्या

- **परीक्षा तिथियाँ:** परीक्षा 15 फरवरी 2023 से 5 अप्रैल 2023 तक 7 सप्ताह की अवधि में आयोजित की गई थी।

कक्षा-X	15 फरवरी 2023 से 21 मार्च, 2023
कक्षा-XII	15 फरवरी 2023 से 05 अप्रैल, 2023

- **पाठ्यचर्या संरेखण:** बोर्ड ने सुनिश्चित किया कि सभी परीक्षा सामग्री राष्ट्रीय पाठ्यचर्या मानकों के अनुरूप हो, जिसमें निष्पक्षता और प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए विषय विशेषज्ञों से प्रतिपुष्टि ली गई हो। कक्षा IX से XII के लिए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में पाठ्यचर्या बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड की गई। अभ्यर्थियों के लिए सैंपल पेपर भी अपलोड किए गए थे, जिससे स्कूलों, शिक्षकों और अभ्यर्थियों को बोर्ड परीक्षा की तैयारी में मदद मिली।

2.2. संसाधन आवंटन

- **मानव संसाधन:** केंद्र अधीक्षक, उप केंद्र अधीक्षक, अन्वीक्षक, परीक्षक और प्रशासनिक कर्मचारियों सहित 18 लाख से अधिक कर्मचारियों का परीक्षा नियंत्रक द्वारा स्वयं एक वेबिनार के माध्यम से अनुस्थापन और प्रशिक्षण किया गया। केंद्र अधीक्षक के दिशा-निर्देशों के रूप में सभी परीक्षा पदाधिकारियों के लिए सभी प्रक्रियाओं के साथ एक व्यापक पुस्तिका सभी पदाधिकारियों को प्रदान की गई।

- **बुनियादी संरचना:** कक्षा X और XII की बोर्ड परीक्षाओं को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में आवश्यक सुविधाओं और सुरक्षा उपायों से सज्जित 7000 से अधिक परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

• बोर्ड परीक्षा 2023 के आंकड़े

अभ्यर्थियों की संख्या: 38,82,834

विषयों की संख्या: कक्षा X -76, कक्षा XII -115

परीक्षा दिवस: 50 दिन

परीक्षा केंद्रों की संख्या: 7241

कमरों की संख्या: 9,07,781

पर्यवेक्षकों की संख्या: 22,913

परीक्षा ड्यूटी में लगे कर्मचारी: 18,15,561

मूल्यांकन केंद्रों (सीएनएस) की संख्या: 3578

मुख्य परीक्षकों की संख्या: 68,084

मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाएँ: 2,17,86,733

माध्यमिक विद्यालय परीक्षा (कक्षा X) परिणाम

परीक्षा की अवधि	15 फरवरी 2023 से 21 मार्च 2023
परिणाम की तिथि	12 मई 2023

विद्यालयों और परीक्षा केंद्रों की कुल संख्या (पूर्ण विषय)

वर्ष	विद्यालयों की संख्या	परीक्षा केंद्रों की संख्या
2023	24480	7241

समग्र उत्तीर्ण प्रतिशतता (पूर्ण विषय)

वर्ष	पंजीकृत	उपस्थित	उतीर्ण	उतीर्ण %
2023	2184117	2165805	2016779	93.12

क्षेत्र-वार उत्तीर्ण % 2023

क्रम सं.	क्षेत्र का नाम	उत्तीर्ण %
1	तिरुवनंतपुरम	99.91
2	बेंगलुरु	99.18
3	चेन्नई	99.14
4	अजमेर	97.27
5	पुणे	96.92
6	पटना	94.57
7	चंडीगढ़	93.84
8	भुवनेश्वर	93.64
9	प्रयागराज	92.55
10	नोएडा	92.50
11	पंचकुला	92.33
12	भोपाल	91.24
13	दिल्ली-पश्चिम	90.67
14	देहरादून	90.61
15	दिल्ली-पूर्व	88.30
16	गुवाहाटी	76.90

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा (कक्षा XII) परिणाम 2023

परीक्षा की अवधि	15 फरवरी 2023 से 05 अप्रैल, 2023
परिणाम की तिथि	12 मई 2023

स्कूलों और परीक्षा केंद्रों की कुल संख्या (पूर्ण विषय)

वर्ष	विद्यालयों की संख्या	परीक्षा केंद्रों की संख्या
2023	16728	6759

समग्र उत्तीर्ण प्रतिशतता (पूर्ण विषय)

वर्ष	पंजीकृत	उपस्थित	उतीर्ण	उतीर्ण %
2023	1680256	1660511	1450174	87.33

क्षेत्र-वार उत्तीर्ण % 2023

क्रम सं.	क्षेत्र का नाम	उत्तीर्ण %
1	तिरुवनंतपुरम	99.91
2	बेंगलुरु	98.64
3	चेन्नई	97.40
4	दिल्ली-पश्चिम	93.24
5	चंडीगढ़	91.84
6	दिल्ली-पूर्व	91.50
7	अजमेर	89.27
8	पुणे	87.28
9	पंचकुला	86.93
10	पटना	85.47
11	भुवनेश्वर	83.89
12	गुवाहाटी	83.73
13	भोपाल	83.54
14	नोएडा	80.36
15	देहरादून	80.26
16	प्रयागराज	78.05

कम्पार्टमेंट परीक्षाएँ -2023

- कक्षा 12वीं के लिए कम्पार्टमेंट परीक्षा एक ही दिन अर्थात 17 जुलाई, 2023 को आयोजित की गई थी और कक्षा 10वीं के लिए परीक्षाएँ 17 जुलाई, 2023 से 22 जुलाई, 2023 तक आयोजित की गई थीं। इसके बाद निर्धारित समय के भीतर परिणाम घोषित किए गए।

2.3. प्रौद्योगिकी और सुरक्षा

• डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म:

अभ्यर्थियों के पंजीकरण, अभ्यर्थियों की सूची प्रस्तुत करने और परीक्षा-पूर्व और परीक्षा-पश्चात गतिविधियों की अनुसूची के लिए एक समर्पित ऑनलाइन पोर्टल ***परीक्षा संगम*** विकसित किया गया था। इस प्लेटफ़ॉर्म से सभी हितधारकों - स्कूलों, क्षेत्रीय कार्यालयों और परीक्षा विभाग को गतिविधियों के आसान समन्वय और परीक्षाओं के संचालन से संबंधित सभी सूचनाओं के प्रसार में मदद मिली।

ईसीएल-परीक्षा केंद्र लोकेटर ऐप: सीबीएसई के परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए एक मोबाइल ऐप बनाया गया था, जिसके माध्यम से वे केवल अपना परीक्षा रोल नंबर दर्ज करके आसानी से अपने परीक्षा केंद्रों का पता लगा सकते थे।

ओईसीएमएस (ऑनलाइन परीक्षा केंद्र प्रबंधन प्रणाली): इस पोर्टल के माध्यम से एक व्यापक निर्णय सहायता प्रणाली विकसित की गई है, जिसमें एक पोर्टल और बैकएंड प्रणाली शामिल है, जिससे केंद्रों और परीक्षा के संचालन के बारे में वास्तविक समय से संबद्ध जानकारी प्राप्त होती है, जिसमें प्रश्नपत्रों के बारे में फीडबैक, उत्तर पुस्तिकाओं की पैकिंग और प्रेक्षकों के बारे में प्रेषण जानकारी शामिल है।

सीएमटीएम (गोपनीय सामग्री ट्रैकिंग और निगरानी प्रणाली) बोर्ड परीक्षाओं के लिए एक ऐप है जिसे इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, ट्रैकिंग और अनुवीक्षण के लिए विकसित किया गया है।

- **सुरक्षा उपाय:** पुरुष और महिला अन्वीक्षक द्वारा तलाशी, सीसीटीवी निगरानी सहित उन्नत सुरक्षा प्रोटोकॉल धोखाधड़ी को रोकने और परीक्षा प्रक्रिया की सत्यनिष्ठा सुनिश्चित करने के लिए लागू किया गया था।

3. परीक्षा निष्पादन

3.1. उम्मीदवार पंजीकरण

- **प्रक्रिया:** परीक्षा संगम के माध्यम से पंजीकृत अभ्यर्थियों, नियमित और प्राइवेट अभ्यर्थियों के लिए कुल लगभग 39 लाख पंजीकरण संसाधित किए गए।
- **सहायता:** विषयों के परिवर्तन, परीक्षा केंद्रों के परिवर्तन, अंतर्राष्ट्रीय खेलों और अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड आयोजनों में राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने के कारण विशेष परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों के पंजीकरण जैसे किसी भी पंजीकरण मुद्दे पर हितधारकों की सहायता के लिए हेल्प डेस्क और ऑनलाइन सहायता उपलब्ध थी।

3.2. परीक्षा केंद्र

- **व्यवस्था:** प्रत्येक परीक्षा केंद्र में आवश्यक केंद्र सामग्री उपलब्ध कराई गई थी, जिसमें निरंक उत्तर पुस्तिकाएं और परीक्षा संबंधी अन्य सामग्री शामिल थी।
- **स्टाफ व्यवस्था:** परीक्षा के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने और किसी भी तत्काल समस्या का समाधान करने के लिए प्रशिक्षित अन्वीक्षकों को नियुक्त किया गया था।

3.3. परीक्षा प्रबंधन

- **संचालन:** परीक्षाएं बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने के तरीके से आयोजित की गईं। प्रत्येक सत्र में सख्त समय पाबंदी और प्रक्रियात्मक दिशानिर्देशों का पालन किया गया।
- **निगरानी:** परीक्षा प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए निरंतर निगरानी की गई।

4. परीक्षा के बाद की प्रक्रिया

4.1. उत्तर पुस्तिका संग्रहण और संसाधन

- **संग्रहण:** सभी केंद्रों से उत्तर पुस्तिकाएँ एकत्रित की गईं और एक अच्छी तरह से परिभाषित प्रक्रिया के माध्यम से सुरक्षित रूप से केंद्रीकृत स्थानों पर पहुँचाई गईं।
- **संसाधन:**

  ई-थ्योरी: मुख्य नोडल पर्यवेक्षक को उत्तर पुस्तिकाओं के बैग आवंटन, मूल्यांकनकर्ताओं को उत्तर पुस्तिका आवंटन, मूल्यांकन निगरानी, प्रश्नवार थ्योरी अंक अपलोड करने और अवार्ड सूचियों की ऑनलाइन उत्पत्ति के लिए एक ऑनलाइन प्रणाली विकसित और कार्यान्वित की गई। मूल्यांकन के दौरान सभी अंक सीधे वेबसाइट पर अपलोड किए गए, जिससे किसी भी तरह के मैनुअल हस्तक्षेप की कोई गुंजाइश नहीं रही।
- *TETRA (थ्योरीइ वैल्यूएशन ट्रेंड एनालिसिस/ सिद्धांत मूल्यांकन प्रवृत्ति विश्लेषण):* वास्तविक समय मूल्यांकन निगरानी पर आधारित एक अनूठी पोर्टल सह निर्णय समर्थन प्रणाली विकसित की गई। इस प्रणाली में मूल्यांकन प्रवृत्ति का अवलोकन, विश्लेषण और निगरानी की जा सकती थी। इससे सांख्यिकीय डेटा भी उत्पन्न हुआ और वास्तविक समय पर मूल्यांकन संबंधी जानकारी का ग्राफ़िकल मानसिक चित्रण प्राप्त किया गया।

4.2. परिणाम संकलन और सत्यापन

- **संकलन:** बड़ी मात्रा में डेटा को संभालने के लिए मजबूत सॉफ़्टवेयर सिस्टम का उपयोग करके परिणाम संकलित किए गए।
- **सत्यापन:** परिणाम घोषणा में सटीकता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए एक बहु-स्तरीय सत्यापन प्रक्रिया का उपयोग किया गया।

4.3. परिणाम घोषणा

- **ऑनलाइन पहुँच:** परिणाम बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध कराए गए, साथ ही अभ्यर्थियों को एसएमएस और ईमेल सूचनाएँ भेजी गईं।
- **भौतिक प्रतियाँ:** परिणामों की हार्ड कॉपी

अभ्यर्थियों को वितरित करने के लिए स्कूलों और परीक्षा केंद्रों को भेजी गई।

- **डिजिलॉकर एक्सेस:** छात्रों के डेटा की सुरक्षा और गोपनीयता को और मजबूत करने के लिए, छात्रों के डिजी लॉकर खातों के लिए 6 अंकों का सुरक्षा पिन आधारित सक्रियण किया गया। डिजी लॉकर खातों के सक्रियण के बाद, छात्रों को "जारी किए गए दस्तावेज़" सेक्शन के तहत अपने डिजिटल शैक्षणिक दस्तावेज़ सुलभ होते हैं।

5. चुनौतियाँ और समाधान

5.1. तार्किक चुनौतियाँ

- **समस्या:** भारत और बाहर के देशों, जहाँ सीबीएसई स्कूल मौजूद हैं, की भौगोलिक विविधता को देखते हुए सीबीएसई द्वारा अभ्यर्थियों और सामग्रियों की विशाल मात्रा का प्रबंधन करना संवहन की दृष्टि से महत्वपूर्ण चुनौती थी जिसे सफलतापूर्वक पूरा किया गया।
- **समाधान:** बोर्ड ने सामग्री वितरण के लिए चरणबद्ध दृष्टिकोण अपनाया और प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों का सहयोग लिया।

5.2. तकनीकी मुद्दे

- **समस्या:** ऑनलाइन पोर्टल के साथ कभी-कभी होने वाली तकनीकी गड़बड़ियों को तुरंत हल कर दिया गया ताकि सभी ऑनलाइन पोर्टल परीक्षा और परिणाम संसाधन के लिए डेटा निर्बाध रूप से प्रदान किया जा सके।
- **समाधान:** समस्याओं को तुरंत हल करने और व्यवधानों को कम करने के लिए एक समर्पित आईटी सहायता टीम 24/7 उपलब्ध थी।

5.3. सुरक्षा संबंधी चिंताएँ

- **मुद्दा:** सूचना के निरंतर प्रसार और प्राप्त किसी भी प्रश्न के त्वरित निपटान से परीक्षा में गड़बड़ी की संभावना कम हुई।
- **समाधान:** धोखाधड़ी की किसी भी घटना को रोकने और उससे निपटने के लिए कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल अपनाए गए और यादृच्छिक जाँच की गई।

6. परिणाम के बाद की प्रक्रियाएँ

- **प्रक्रिया-** अंकों के सत्यापन, मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करना और चयनित प्रश्नों के पुनर्मूल्यांकन की तीन स्तरीय प्रक्रिया आवेदन करने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध कराई गई थी। उम्मीदवार/अभिभावक/स्कूल की शिकायत का समयबद्ध तरीके से समाधान किया गया ताकि अभ्यर्थियों को उच्च कक्षा में प्रवेश की सुविधा हो सके।

7. निष्कर्ष

सीबीएसई द्वारा 39 लाख अभ्यर्थियों के लिए सार्वजनिक बोर्ड परीक्षाओं का सफल संचालन बोर्ड की सावधानीपूर्वक योजना, प्रभावी संसाधन प्रबंधन और परीक्षा की सत्यनिष्ठा बनाए रखने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। सामने आई चुनौतियों का रणनीतिक समाधानों के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रबंधन किया गया और कुल मिलाकर अभ्यर्थियों और कर्मचारियों से प्रतिक्रिया बहुत सकारात्मक रही।

8. सिफारिशें

- **निरंतर सुधार:** बोर्ड अपनी उत्कृष्टता की प्रतिबद्धता के साथ प्रक्रियाओं को और अधिक सुव्यवस्थित करने के लिए अपने डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म को समृद्ध करना जारी रखेगा।
- **नियमित प्रशिक्षण:** यह कर्मचारियों के लिए निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रमों को लागू करेगा ताकि वे बदलती परीक्षा आवश्यकताओं के अनुकूल हों।
- **फीडबैक एकीकरण:** सीबीएसई ने हमेशा अभ्यर्थियों और कर्मचारियों का फीडबैक शामिल किया है और भावी परीक्षाओं में सुधार के क्षेत्रों के लिए इसे शामिल करना जारी रखेगा।

इस व्यापक दृष्टिकोण से परीक्षा प्रक्रिया का सुचारू रूप से आयोजित सुनिश्चित हुआ, जिसमें शामिल सभी अभ्यर्थियों के लिए निष्पक्ष और कुशल मूल्यांकन किया गया।

आईटी पहल

1) विद्या समीक्षा सॉफ्टवेयर
"सागर से सारांश"
(सीबीएसई पारिस्थितिकी तंत्र का विहंगम दृश्य)

परिचय

भविष्योन्मुखी शिक्षा परिदृश्य के निर्माण के अपने दृष्टिकोण में, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 डेटा-संचालित निर्णय लेने, डेटा विश्लेषण और डेटा-संचालित शासन को प्राथमिकता देती है। यह नीति डेटा को शैक्षिक गतिविधियों पर नज़र रखने और निगरानी करने के लिए आधारशिला के रूप में पहचानती है, जिससे निरंतर सुधार संभव होता है। डेटा और कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि के बीच की खाई को पाटने के लिए, सीबीएसई के आईटी और परियोजनाओं के निदेशक डॉ अंतरिक्ष जौहरी ने महत्वाकांक्षी सागर से सारांश (Sqube) पहल की अवधारणा बनाई और उसे विकसित किया, जो नेशनल डिजिटल एडुकेशन आर्किटेक्चर (एनडीईएआर) - शिक्षा के लिए एक एकीकृत डिजिटल बुनियादी संरचना स्थापित करने की एक सरकारी पहल के साथ संरेखित है। एनडीईएआर डेटा इंटरऑपरेबिलिटी और एक्सेसिबिलिटी के महत्व पर जोर देता है, जो सागर से सारांश की नींव रखता है। सागर से सारांश से पहले, साइलो में डेटा की उपस्थिति और दुर्गम जानकारी, मैनुअल डेटा विश्लेषण और अक्षमताएं, सीमित दृश्यता और कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि की कमी, असंगत रिपोर्ट और प्रगति की निगरानी में कठिनाई जैसी चुनौतियों ने सीबीएसई की सुविज्ञ निर्णय लेने और शैक्षिक अनुभवों को अनुकूलित करने के लिए डेटा का लाभ उठाने की क्षमता में बाधा उत्पन्न होती थी।

उद्देश्य

इन चुनौतियों का समाधान करने और एक मजबूत डेटा विश्लेषण प्रणाली के साथ सीबीएसई को सशक्त बनाने के लिए, Sqube को निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ विकसित किया गया था:

1. अतिरेक को दूर करने के लिए विभिन्न विभागों से डेटा को साइलो में एक मंच पर समाहित करना
2. विभिन्न कार्यक्रमों, पहलों, स्कूलों, शिक्षकों, छात्रों आदि से संबंधित सभी प्रकार के डेटा के लिए सत्यता का एकल स्रोत
3. बोर्ड परीक्षा में छात्रों के प्रदर्शन से सीधे जुड़े केपीआई की पहचान करना
4. अनुशंसा के लिए कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि और रिपोर्ट उत्पन्न करने के लिए विस्तृत विश्लेषण और चित्रण/विज़ुअलाइज़ेशन
5. सभी स्तरों/विभागों में प्रतिक्रियाओं के लिए कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि हेतु संवादपरक मानसिक चित्रण
6. प्रदर्शन में सुधार जैसे कि छात्र-शिक्षक अनुपात के लिए स्कूलों को व्यक्तिगत अनुशंसा प्रदान करना,
7. तकनीकी विशेषताएँ

सीबीएसई वीएसके सुविधा की शुरुआत की गई थी और वीएसके सॉफ्टवेयर "सागर से सारांश" को 21 सितंबर, 2023 को माननीय सचिव (स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अगस्त में सीबीएसई के अध्यक्ष, अपर सचिव, संयुक्त सचिव, एमओई के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और विभिन्न स्वायत्त निकायों के प्रमुखों की उपस्थिति में लॉन्च किया गया।

इसके बाद, शिक्षा मंत्रालय, राज्य और सहयोगी संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की कई टीमों ने सीबीएसई की वीएसके सुविधा का दौरा किया और Sqube का डेमो देखा।

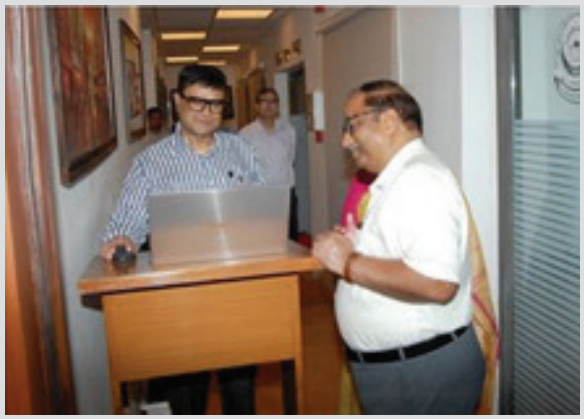

संजय कुमार, भा.प्र.से.
सचिव
Sanjay Kumar, IAS
Secretary

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
Government of India
Ministry of Education
Department of School Education & Literacy

D.O. No. 1-34/2022-DGED Dated 25th September, 2023

Dear HOs/Principal Secretary/Secretary/SPD,

As you are aware, Vidya Samiksha Kendra is an institutional setup that aims to enable integrated and shared 'seeing' for simplified data- driven decision-making and actions by stakeholders for academic and administrative actions and outcomes. The objectives of VSK include monitoring the real-time status of various projects/activities under the ambit of Samagra Shiksha, improving the academic performance of students, and enhancing the accountability of teachers in schools.

The VSK starter pack includes ready-to-install open-source software hardware specifications and guidelines, and human resource specifications and guidelines and has been shared with your department. It is heartening to see the rapid implementation of VSK across almost all states and the close collaboration between different stakeholders that the VSK has fostered.

I am further enthused by the CBSE VSK (aptly named-Sagar se Saaransh) which was demonstrated to us on 21.09.2023. It unfolds a unique paradigm of data visualizations and provides deep insights across multiple axes, and most importantly facilitates the nuanced understanding of learning outcomes as metricized by the Board data. The correlation that CBSE VSK has been able to demonstrate with school size, enrolment, migrations and the socio-economic dimensions is exciting to all of us.

This model could be easily replicated at the States/Boards level and would empower all the stakeholders in the decision making through the insights that may be drawn.

As you are already in advanced stages in implementation of VSK Starter pack, I would encourage you to plan for expansion of the VSK as VSK 2.0 by integrating Board level data. After witnessing the depth of insights and analytics at CBSE VSK, I am confident that extending the VSK to Board level, backed with highly reliable and credible data sources, would help the state education departments to a high degree while facilitating data driven decisions in multifarious aspects.

I encourage you to reach out to **Dr Antriksh Johri** (Joint Director (IT)-CBSE) (+91-99999-15859) or **Dr. Amarendra Behera** (Joint Director (CIET, NCERT) (+91-98734-57143) for any support/assistance towards the same and would encourage you and your experts to plan a visit to CBSE under intimation to us.

Contd.2/-

124 'सी' विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001
124 'C' Wing, Shastri Bhawan, New Delhi-110001
Telephone: +91-11-23382567, +91-11-23381104 Fax : +91-11-23387589
E-mail: secy.sail@nic.in

तकनीकी विशेषताएँ

Sqube एक मजबूत और स्केलेबल डेटा विश्लेषण प्लेटफ़ॉर्म बनाने के लिए ओपन-सोर्स तकनीक की शक्ति का लाभ उठाता है। यह रणनीतिक विकल्प पारदर्शिता को बढ़ावा देता है, लाइसेंस की लागत को कम करता है, और एक सहयोगी विकास समुदाय को बढ़ावा देता है। प्लेटफ़ॉर्म खुले मानकों पर बनाया गया है और सुरक्षित एपीआई का उपयोग करता है, जो मौजूदा सीबीएसई तंत्र और भविष्य की तकनीकी उन्नति के साथ सहज अंतर-संचालन को सक्षम बनाता है।

गहन विश्लेषण के लिए, ड्रिल-डाउन सुविधाओं के साथ पूरी तरह से संवादपरक डैशबोर्ड उपयोगकर्ताओं को बारीक स्तरों पर डेटा सुलभ कराता है। सिस्टम द्वारा उत्पन्न स्वचालित अंतर्दृष्टि जटिल डेटा संसाधित कर कार्रवाई योग्य सिफारिशों देती हैं, जिससे सीबीएसई अधिकारियों के लिए समय और संसाधनों की बचत होती है। प्लेटफ़ॉर्म हितधारकों के एक विशाल नेटवर्क की पूर्ति करता है, जिसमें 29,000+ स्कूल, 1.25 मिलियन+ शिक्षक और 25 मिलियन+ छात्र, साथ ही कई सीबीएसई विभाग शामिल हैं। एक मजबूत उपयोगकर्ता पहुँच प्रबंधन प्रणाली डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करती है और उपयोगकर्ता की भूमिकाओं और अनुमति निर्देशों के आधार पर

डेटा तक पहुँच प्रदान करती है। प्लेटफ़ॉर्म उपयोगकर्ता गतिविधि पर नजर रखता है, जिससे प्रशासक उपयोग पैटर्न की निगरानी कर सकते हैं और उपयोगकर्ता की ज़रूरतों के लिए तंत्र को अनुकूलित कर सकते हैं।

सभी उपयोगकर्ताओं के लिए सुलभता सुनिश्चित करने के लिए, Sqube विशिष्ट डेटासेट के लिए ओपन डेटा एक्सेस प्रदान करता है, जबकि संवेदनशील जानकारी के लिए सुरक्षित डेटा पद्धतियों को बनाए रखता है। प्रतिक्रियाशील डिज़ाइन, डिवाइस और ब्राउज़र में एक सहज उपयोगकर्ता अनुभव की गारंटी देता है। अपने विकास के दौरान ओपन-सोर्स सिद्धांतों को अपनाकर (खुले मानकों पर निर्मित और उनका उपयोग करके), Sqube भविष्य के नवाचार को बढ़ावा देता है और दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करता है।

यह तंत्र 450+ प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (KPIs) में 12 बिलियन से अधिक डेटा बिंदुओं को संभालने की क्षमता का दावा करता है, जो सीबीएसई को शैक्षिक परिदृश्य के व्यापक दृष्टिकोण के साथ सशक्त बनाता है। रीयल-टाइम डेटा अपडेट और प्रोसेसिंग सुनिश्चित करते हैं कि जानकारी ताज़ा और कार्रवाई योग्य बनी रहे।

शिल्प और डेटा एकीकरण

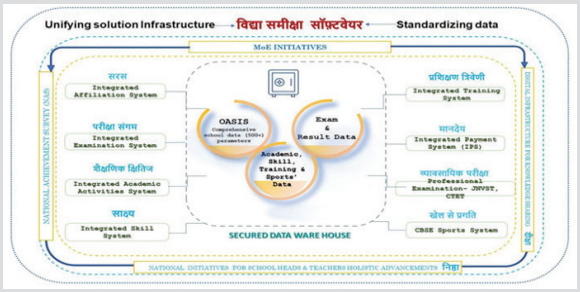

डेटा की शक्ति का प्रभाव

- परिदृश्य को स्पष्ट करना - सीबीएसई स्कूलों के ढांचे को समझना
- अंकों से आगे - परीक्षा की सफलता के कारकों का वर्णन
- मशीन अधिगम की शक्ति का उपयोग
- सुविज्ञ निर्णय लेने के लिए 360° दृष्टिकोण
- एक व्यापक कैनवास का अनावरण: सागर से सारांश के शेष खंडों की संभावना तलाशना
- राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ संरेखित करना: MOE पहलों में भागीदारी
- प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना: संबद्धता और परीक्षा परिदृश्य
- निरंतर अधिगम को बढ़ावा देना: शैक्षणिक पहल और शिक्षक प्रशिक्षण
- पारदर्शिता और दक्षता: भुगतान विश्लेषण

निष्कर्ष: CBSE के डेटा-संचालित शासन के लिए एक समग्र पारिस्थितिकी तंत्र

CBSE के शैक्षिक परिदृश्य के इन विविध पहलुओं का विश्लेषण करके, सागर से सारांश सभी स्तरों पर डेटा-संचालित निर्णय लेने को सशक्त बनाता है। यह व्यापक विश्लेषण एक अधिक सुव्यवस्थित और कुशल पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देता है, जो निरंतर अधिगम, शिक्षक विकास और अंततः छात्र सफलता को बढ़ावा देता है।

2) साइबर संकट प्रबंधन योजना (सीसीएमपी)

सूचना प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रसार के साथ, सीबीएसई के विभिन्न डोमेन अब महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के नेटवर्क पर अत्यधिक निर्भर हो रहे हैं। ऐसे में सीबीएसई के आईटी संचालन में किसी भी तरह की बाधा का हितधारकों और बोर्ड द्वारा दी जा रही आवश्यक सेवाओं पर अत्यंत बुरा प्रभाव पड़ने की संभावना है। संभावित प्रभाव, डेटा और सिस्टम की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, शिक्षा मंत्रालय और सीईआरटी-इन के परामर्श से एक व्यापक साइबर संकट प्रबंधन योजना (सीसीएमपी) तैयार की गई और सीबीएसई में इसे लागू किया गया

ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई बाधा पैदा न हो और संभावित नुकसान को टाला जा सके।

3) परीक्षा- मॉड्यूल/प्रणाली

निम्नलिखित मॉड्यूल/प्रणाली 2023 में सीबीएसई आईटी विभाग द्वारा विकसित और कार्यान्वित की गई

i. αCASE (परीक्षा के लिए स्वचालित केंद्र आवंटन प्रणाली)

इस प्रणाली को कई मानदंडों को शामिल करते हुए डिजाइन और विकसित किया गया है। इसमें दूरी, केन्द्र के रूप में परस्पर विद्यालयों की उपेक्षा, विद्यालयों/केन्द्रों का त्रिकोण तथा सत्यापन शामिल है, ताकि स्वचालित तरीके से केन्द्रों का सर्वाधिक कुशल और अनुकूलित सृजन सुनिश्चित किया जा सके।

CASE का एक प्रमुख पहलू पहले से ही चयनित केंद्रों की शेष क्षमताओं पर विचार करके गैरों/आउटलेयर को प्रबंधित करने की क्षमता है और यदि आवश्यक हो, तो अधिकतम संख्या में स्कूलों को प्रभावी ढंग से वितरित करने के लिए दूरी के मानदंड को थोड़ा बढ़ाना। CASE की अन्य विशेषताओं में स्कूलों के बीच द्वि-दिशात्मक लिंक को हटाना, क्षेत्रीय प्रतिबंध और निकटतम दूरी को प्राथमिकता देना शामिल है।

ii. ऑनलाइन कार्य प्रवाह आधारित 'केंद्रीकृत प्रवेश मास्टर सुधार (CAMC)' प्रणाली

कक्षा X और XII के पूर्व-परीक्षा डेटा सुधारों को अपलोड करने के लिए एक पोर्टल। ये सुधार स्कूलों द्वारा किए जाते हैं और कार्य प्रवाह आधारित प्रणाली के माध्यम से आरओ(क्षेत्रीय अधिकारियों) द्वारा अनुमोदित किए जाते हैं और इन्हें केंद्रीय डेटाबेस में अद्यतन किया जाता है।

iii. ऑनलाइन प्रायोगिक/थ्योरी अंक और आंतरिक ग्रेड सुधार (ऑप्टिक्स) प्रणाली

परीक्षा के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए कक्षा-X और XII के आंतरिक मूल्यांकन/आंतरिक ग्रेड और प्रायोगिक अंकों की अनुपलब्धता और सुधारों को अपलोड करने के लिए एक पोर्टल।

iv. ऑनलाइन मैनुअल/तुलनात्मक अंक सुधार प्रणाली

परीक्षा के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए कक्षा-X और XII के मैनुअल अंक/थ्योरी अंकों की तुलनात्मक गलतियाँ और थ्योरी के छूटे हुए अंक अपलोड करने के लिए एक पोर्टल।

v. ऑनलाइन कार्य प्रवाह -आधारित पश्च - परिणाम 'जनसांख्यिकी डेटा सुधार (OPRDC)' प्रणाली

कक्षा X और XII के पश्च –परिणाम जनसांख्यिकी डेटा में सुधार के लिए एक पोर्टल। ये सुधार स्कूलों द्वारा किए जाते हैं और क्षे.अधि./परीक्षा नियंत्रक द्वारा कार्य प्रवाह-आधारित प्रणाली के माध्यम से अनुमोदित किए जाते हैं। अनुमोदित करने के बाद, इसे सीधे परिणाम कोष यानी 'परिणाम मंजूषा' में अद्यतन किया जाता है।

vi. TETrA: थ्योरी इवैल्यूएशन ट्रेंड एनालिसिस (परीक्षा 2023 के लिए सिद्धांत मूल्यांकन प्रवृत्ति विश्लेषण)R-4.0

वास्तविक समय मूल्यांकन निगरानी के लिए एक अनूठा पोर्टल: इस प्रणाली में मूल्यांकन प्रवृत्ति को देखा जा सकता है, विश्लेषण और निगरानी की जा सकती है। यह विभिन्न सांख्यिकीय डेटा भी उत्पन्न करता है और वास्तविक समय में ग्राफिकल प्रतिरूप देता है। यह वास्तविक समय के सांख्यिकीय डेटा पर आधारित निर्णय सहायक तंत्र है।

vii. परीक्षा 2023 के लिए री-इंजीनियर्ड आउटलायर सिस्टम फॉर एक्जामिनेशन (ROSE) R-5.0

क्षेत्रीय कार्यालय स्तर पर सुधारात्मक कार्रवाई के लिए पूर्व-परिणाम घोषणा चरण में असंगत अंकों के मामलों का बारीकी से पता लगाने के लिए अद्वितीय सॉफ्टवेयर।

viii. कक्षा X और कक्षा XII परीक्षा 2023 के संबंध में मल्टीमॉडल उसी दिन परिणाम घोषणा और प्रसार और डिजिटल शैक्षणिक दस्तावेजों की उपलब्धता

कक्षा X और XII के परिणाम विभिन्न तरीकों से सफल संकलन, प्रसंस्करण, मिलान के बाद घोषित किए गए।

- सीबीएसई वेबसाइट,
- सीबीएसई परिणाम कोष "परिणाम मंजूषा"
- एनआईसी वेबसाइट
- डिजी लॉकर वेबसाइट
- आईवीआरएस और स्कूलों को ई-मेल।

ix. पूरक परिणाम 2023 की घोषणा के तुरंत बाद अंक तालिका विलय करना

4) एसएआरएएस - स्कूल अफिलिएशन री-इंजीनियर्ड ऑटोमेशन सिस्टम आर-4.0

एसएआरएएस 4.0 को एफएलएन और एसक्यूएएएफ के एकीकरण जैसी नई आवश्यकताओं के साथ पुनः अभियंत्रीकृत किया गया था, जिसे मई 2023 में लागू किया गया।

5) संबद्धता, परीक्षा, प्रशिक्षण और ईएमआरएस भर्ती परीक्षा के लिए एकीकृत भुगतान प्रणाली (आईपीएस)

गैर-वास्तविक संवितरण को खत्म करने के लिए, आईटी विभाग द्वारा एक ऑनलाइन मानक भुगतान प्रणाली "(आईपीएस) एकीकृत भुगतान प्रणाली" विकसित और कार्यान्वित की गई है। यह 'इज ऑफ डूइंग बिज़नस' (कार्य सुगमता) (ईओडीबी) और 'इज ऑफ लिविंग' (जीवन सुगमता) (ईओएल) के अनुरूप है।

निम्न विभिन्न हितधारकों को पारिश्रमिक के प्रत्यक्ष बैंक हस्तांतरण (डीबीटी) के लिए इसे लागू किया गया है जैसे:

- **संबद्धता:** संबद्धता के लिए निरीक्षण/समीक्षा समिति के सदस्य।
- **परीक्षाएँ:** परीक्षा केंद्र अधीक्षक, उप अधीक्षक, सहायक अधीक्षक, अन्वीक्षक, परीक्षा प्रेक्षक, परीक्षा केंद्र सहायक कर्मचारी, प्रायोगिक के लिए बाहरी परीक्षक, प्रायोगिक परीक्षा के लिए प्रेक्षक, स्थल मूल्यांकन के लिए मुख्य नोडल पर्यवेक्षक, मुख्य परीक्षक/सहायक मुख्य परीक्षक, सिद्धांत परीक्षक, स्थल मूल्यांकन के लिए समन्वयक, स्पॉट मूल्यांकन सहायक कर्मचारी, मास्टर प्रशिक्षक, बोर्ड परीक्षा (मुख्य/पूरक) और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अंकन योजना के समिति सदस्य
- **प्रशिक्षण:** क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के लिए संसाधन व्यक्तियों को प्रशिक्षित करना।

6) शैक्षणिक क्षितिज - एक एकीकृत शैक्षणिक गतिविधि प्रणाली

सभी शैक्षणिक संवर्धन गतिविधियों के लिए " "शैक्षणिक क्षितिज" नामक एक वन स्टॉप पोर्टल विकसित किया गया है और सभी हितधारकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए आरंभ किया गया है।

7) खेल से प्रगति- एकीकृत सीबीएसई खेल प्रणाली

सभी खेल गतिविधियों के लिए "खेल से प्रगति" नामक एक वन स्टॉप पोर्टल विकसित किया गया है और सभी हितधारकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए आरंभ किया गया है।

8) विभिन्न पोर्टल और ऐप्स जैसे कलासेतु, रीडिंग चैलेंज, आर्यभट्ट गणित चैलेंज, वीर गाथा, हेरिटेज इंडिया क्विज, विज्ञान प्रदर्शनी, अभिव्यक्ति श्रृंखला और कहानी सुनाने की प्रतियोगिता का पुनः अभियंत्रिकरण और कार्यान्वयन।

9) हेरिटेज इंडिया क्विज, आर्यभट्ट गणित चैलेंज, रीडिंग चैलेंज परीक्षा का सीबीटी मोड के माध्यम से आयोजन और उसी दिन परिणाम का संकलन और घोषणा। ओएसएम आधारित मूल्यांकन, वीर गाथा और अभिव्यक्ति श्रृंखला आदि के परिणामों का संकलन और घोषणा।

10) एक व्यापक शिक्षक प्रशिक्षण मंच ("प्रशिक्षण त्रिवेणी") जिसमें गहन विश्लेषण के साथ एमआईएस शामिल है और बोर्ड परिणाम 2023 के साथ इसका एकीकरण है।

"प्रशिक्षण त्रिवेणी" नाम से एक वन स्टॉप पोर्टल विकसित और आरंभ किया गया है जो प्रशिक्षण के सभी हितधारकों जैसे कि प्रधानाचार्य/

शिक्षक, उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) और प्रशिक्षण निदेशालय की अपेक्षाओं को उनकी भूमिकाओं और आवश्यकताओं के अनुसार आसानी से पूरा करता है। इसमें जमीनी स्तर पर प्रशिक्षण की निगरानी के लिए एक मजबूत एमआईएस प्रणाली है।

11) हिंदी राजभाषा पोर्टल

बोर्ड के मुख्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा तिमाही प्रगति रिपोर्ट ऑनलाइन भरने के लिए 'हिंदी राजभाषा' पोर्टल का विकास और कार्यान्वयन किया गया।

12) सहयोगी संगठनों के लिए पोर्टल/प्रणालियों का विकास/पुनर्निर्माण

- जेएनवीएसटी की कक्षा-VI और अन्य परीक्षा गतिविधियों के लिए आधार (AADHAR) मान्य पंजीकरण पोर्टल
- एनवीएस के लिए कॉल लेटर बनाने के लिए पोर्टल
- जेएनवीएसटी के लिए एनसीएमटीएम ऐप
- जेएनवीएसटी के लिए प्रवेश पत्र (व्यक्तिगत और सामूहिक) बनाने के लिए पोर्टल
- जेएनवीएसटी कक्षा XI के लिए लेटरल एंट्री प्रवेश परीक्षा के लिए पोर्टल
- सीटीईटी, केवीएस और एनवीएस के लिए ऑनलाइन ओएमआर और उत्तर कुंजी चुनौती प्रणाली
- केवीएस भर्ती आवेदनों के पीडीएफ फॉर्म बनाने के लिए पोर्टल
- केवीएस भर्ती के लिए ऑनलाइन साक्षात्कार अंक संग्रह प्रणाली।
- एनवीएस के लिए भर्ती पोर्टल
- एनवीएस भर्ती परीक्षा के लिए 'कुंजी चेलेंज पोर्टल'।

पुरस्कार और प्रशंसा (जनवरी से दिसंबर 2023)

- **डिजिटल इंडिया (गोल्ड) पुरस्कार 2022 -**

  7 जनवरी 2023 को प्रदान किए गए - डॉ. अंतरिक्ष जौहरी, निदेशक (आईटी और परियोजनाएं) को भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा 7 जनवरी 2023 को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी, रेलवे और संचार मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, सचिव, एमईआईटीवाई, श्री अलकेश कुमार शर्मा और श्री राजेश गेरा महानिदेशक, एनआईसी की गरिमामयी उपस्थिति में इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इससे पहले डॉ. अंतरिक्ष जौहरी, निदेशक (आईटी एवं प्रोजेक्ट्स), सीबीएसई को 2018 में भी यही पुरस्कार "डिजिटल इंडिया (गोल्ड) अवार्ड" मिला था।

- **प्रौद्योगिकी सभा पुरस्कार 2023 (फरवरी संस्करण)**

  'द इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप' द्वारा दिया गया जो कि "परीक्षा संगम" के कार्यान्वयन के लिए 'एंटरप्राइज एप्लीकेशन' की श्रेणी में विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा प्रायोजित था।

- **प्रौद्योगिकी सभा पुरस्कार 2023 (अगस्त संस्करण)**

  'द इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप' द्वारा दिया गया। यह **"प्रशिक्षण त्रिवेणी"** के कार्यान्वयन के लिए 'एंटरप्राइज एप्लीकेशन' की श्रेणी में विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा प्रायोजित था।

- **डेटा सेंटर चैंपियंस पुरस्कार 2023**

  'द इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप' द्वारा दिया गया। यह **'दस्तावेज़ प्रबंधन'** की श्रेणी में आंध्र और तेलंगाना सरकारों द्वारा प्रायोजित था।

1. पुरस्कार और प्रशस्ति

डिजिटल इंडिया अवार्ड 2022 - स्वर्ण - 7 जनवरी 2023 को प्रदान किया गया

2022-2024 से अन्य आईटी पुरस्कार

- परिणाममंजूषा के लिए "डॉकयुमेंट मैनेजमेंट" की श्रेणी के अंतर्गत डेटा सेंटर चैंपियंस पुरस्कार 2023
- प्रशिक्षण त्रिवेणी के लिए "एंटरप्राइज़ एप्लिकेशन्स" की श्रेणी के अंतर्गत प्रौद्योगिकी सभा उत्कृष्टता पुरस्कार 2023-अगस्त संस्करण
- परीक्षासंगम के लिए "एंटरप्राइज़ एप्लिकेशन्स" की श्रेणी के अंतर्गत प्रौद्योगिकी सभा उत्कृष्टता पुरस्कार 2023-फरवरी संस्करण।

Technology Sabha Excellence Award 2023-Feb

Technology Sabha Excellence Award 2023-Aug

Data Centre Champions 2023 Award

प्रशासनिक गतिविधियाँ

कर्मचारियों का व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण:

1. नवनियुक्त वरिष्ठ सहायक/कनिष्ठ सहायक/ आशुलिपिक और कनिष्ठ सहायकों के लिए एक 07 दिवसीय वर्चुअल (ऑनलाइन) संगठन विशिष्ट अभिविन्यास-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम 16 जनवरी, 2023 से 24 जनवरी, 2023 तक आयोजित किया गया।

2. बोर्ड के उप सचिव और अवर सचिवों के लिए "सार्वजनिक अधिप्राप्ति" विषय पर 01 से 03 मार्च, 2023 और 22 से 24 मार्च, 2023 तक "अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान (एजेएनआईएफएम), फरीदाबाद में 03 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

क्रम सं.	अधिकारी का नाम	पदनाम
1.	श्रीमती सतपाल कौर	उप सचिव
2.	श्री गुलाब सिंह	अवर सचिव
3.	श्री अभिषेक बजाज	अवर सचिव

3. बोर्ड के निम्नलिखित अधिकारियों के लिए वी. वी. गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान, परिसर, सेक्टर-24, नोएडा में "कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न को रोकने में क्षमता निर्माण" विषय पर 13 से 17 मार्च, 2023 तक 05 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया:

क्रम सं.	अधिकारी का नाम	पदनाम
1.	श्रीमती सतपाल कौर	उप सचिव
2.	श्रीमती निति शंकर शर्मा	उप सचिव
3.	श्री संजीव श्रीवास्तव	अवर सचिव

4. श्री बिश्वजीत साहा, अवर सचिव के लिए राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, गांधी नगर में निवारक फोरेंसिक पर 03 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 9 - 11 अक्टूबर, 2023 तक आयोजित किया गया।

5. बोर्ड के निम्नलिखित अधिकारियों के लिए "राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान" (NIELIT), पूर्वी दिल्ली कार्यालय, दिल्ली केंद्र में "साइबर स्वच्छता और सुरक्षा" विषय पर 02 दिवसीय ऑफ़लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम 10 - 11 अक्टूबर, 2023 तक आयोजित किया गया:-

क्रम सं.	अधिकारी का नाम	पदनाम
1.	श्री नवीन मैनी	सयुंक्त सचिव (आईटी)
2.	श्री जितेंद्र कुमार जैन	उप सचिव (आईटी)

6. बोर्ड के निम्नलिखित अधिकारियों के लिए दिल्ली मेट्रो रेल अकादमी (डीएमआरए), ट्रेन डिपो, शास्त्री पार्क, दिल्ली में "नैतिकता और शासन" विषय पर 16 से 18 अक्टूबर, 2023 तक 03 दिवसीय ऑफ़लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया:-

क्रम सं.	अधिकारी का नाम	पदनाम
1.	श्रीमती स्वाति गुप्ता	उप सचिव
2.	श्री राजेश सेठी	उप सचिव

7. बोर्ड के निम्नलिखित अधिकारियों के लिए ऑनलाइन मोड के माध्यम से 09 नवंबर, 2023 को "आईओ/पीओ और निवारक सतर्कता" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके लिए उच्चतर शिक्षा विभाग, सतर्कता अनुभाग, शिक्षा मंत्रालय द्वारा सुविधा प्रदान की गई:-

क्रम सं.	अधिकारी का नाम	पदनाम
1.	श्रीमती सतपाल कौर	उप सचिव
2.	श्री मनोज कुमार शाह	अवर सचिव
3.	श्री सतीश कुमार	अनुभाग अधिकारी

8. बोर्ड के अधिकारियों/कर्मचारियों अर्थात कनिष्ठ लेखा अधिकारियों और वरिष्ठ लेखाकारों के लिए शासकीय लेखा एवं वित्त संस्थान (आईएनजीएएफ) परिसर में ऑफलाइन गैर-आवासीय मोड में 28 नवंबर से 04 दिसंबर, 2023 तक 05 दिवसीय अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बोर्ड के 20 अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया।

9. सीबीआई अकादमी, हापुड़ रोड, राजनगर, कमला नेहरू नगर, गाजियाबाद, यूपी में बोर्ड के निम्नलिखित अधिकारियों के लिए 03 दिवसीय ऑफलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जो 27 से 29 दिसंबर, 2023 तक आईओ/पीओ के लिए था, जिसमें 05 अधिकारियों ने भाग लिया।

क्रम सं.	अधिकारी का नाम	पदनाम
1.	श्री विजय सिंह	संयुक्त सचिव
2.	सुश्री श्वेता अरोरा	संयुक्त सचिव
3.	सुश्री सीमा खाखा	उप सचिव
4.	श्री बी रमन	सहायक सचिव
5.	श्री शम्भू प्रसाद	सहायक सचिव

10. बोर्ड के 35 नवनियुक्त कनिष्ठ सहायक/वरिष्ठ सहायक/आशुलिपिकों के लिए 19 से 23 दिसंबर, 2023 तक "वित्तीय प्रबंधन अनुसंधान और संसाधन सोसायटी" (एफएमआरआरएस), दिल्ली में ऑफलाइन आवासीय मोड में 05 दिवसीय संगठन विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

छात्रवृत्ति योजनाएँ

सामाजिक और आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों के मेधावी छात्रों को बढ़ावा देने के लिए, बोर्ड की निम्नलिखित छात्रवृत्ति योजनाएँ हैं:

महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित छात्रवृत्ति की केंद्रीय क्षेत्र योजना (सीएसएसएस)

उद्देश्य:- गरीब परिवारों के मेधावी छात्रों को उच्च अध्ययन के दौरान अपने दैनिक खर्चों को पूरा करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना।

कार्यक्षेत्र:- छात्रवृत्तियाँ उच्चतर माध्यमिक / कक्षा XII बोर्ड परीक्षा के परिणामों के आधार पर शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदान की जाती हैं। कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में स्नातक / स्नातकोत्तर डिग्री और मेडिकल, इंजीनियरिंग आदि जैसे व्यावसायिक कोर्सों के लिए प्रति वर्ष अधिकतम 82,000 नई छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं।

छात्रवृत्ति के लिए पात्रता:

i. ऐसे छात्र जिन्होंने संबंधित परीक्षा बोर्ड से संगत स्ट्रीम में सफल उम्मीदवारों के 80 प्रतिशतक से अधिक अंकों के साथ 10+2 पैटर्न या समकक्ष कक्षा 12 उत्तीर्ण की है और एआईसीटीई तथा संबंधित नियामक निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त कॉलेजों/संस्थानों से नियमित डिग्री कोर्स कर रहे हैं;

ii. ऐसे छात्र जिनके माता-पिता/परिवार की कुल आय 4.5 लाख रुपये प्रति वर्ष तक है, वे इस योजना के तहत छात्रवृत्ति के लिए पात्र हैं। आय प्रमाण पत्र केवल नए आवेदकों के लिए आवश्यक होगा;

iii. अध्ययन के प्रत्येक वर्ष में छात्रवृत्ति के नवीनीकरण के लिए, वार्षिक परीक्षा में कम से कम 50% अंक प्राप्त करने के अलावा, कम से कम 75% की पर्याप्त उपस्थिति बनाए रखना भी मानदंड है।

लाभार्थियों/आवेदकों ने नई/नवीनीकरण छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (www.scholarships gov.in) देखा।

छात्रवृत्ति की दर और अवधि (वित्तीय वर्ष 2022-23 से):- छात्रवृत्ति की दर महाविद्यालय और विश्वविद्यालय कोर्सों के पहले तीन वर्षों के लिए स्नातक स्तर पर 12,000/- रुपये प्रति वर्ष और स्नातकोत्तर स्तर पर 20,000/- रुपये प्रति वर्ष है। (योजना के बारे में विस्तृत जानकारी राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल www.scholarships.gov.in पर उपलब्ध है)।

सीएसएसएस में सीबीएसई की भूमिका:

सीबीएसई ने इस योजना के लिए राज्य नोडल अधिकारी (एसएनओ) होने के नाते सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों से बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों के सीएसएसएस छात्रवृत्ति आवेदन की सत्यता/वास्तविकता को सत्यापित किया। यह योजना पूरी तरह से शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित है।

एकल बालिका संतान मेरिट छात्रवृत्ति योजना (एसजीसी)

उद्देश्य: सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की मेधावी छात्राओं को बढ़ावा देना जो अपने माता-पिता की इकलौती बालिका संतान हैं।

पात्रता:

i. सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों में कक्षा ग्यारहवीं और बारहवीं में शिक्षा प्राप्त करने वाली एकल बालिका जिसने सीबीएसई से संबद्ध स्कूल से दसवीं कक्षा उत्तीर्ण की हो।

ii. वे छात्राएं जो अपने माता-पिता की इकलौती संतान हैं और जिन्होंने 60% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं, वे छात्रवृत्ति के लिए पात्र हैं। परिवार की वार्षिक आय 8 लाख रुपये प्रति वर्ष तक होनी चाहिए।

iii. कक्षा-X के लिए मासिक ट्यूशन फीस 2,500 रुपये और कक्षा-XII के लिए 3000 रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। अगले दो वर्षों में,

ऐसे स्कूल में ट्यूशन फीस में कुल वृद्धि ली जाने वाली ट्यूशन फीस के 10% से अधिक नहीं होगी।

iv. छात्रवृत्ति केवल भारतीय नागरिकों को प्रदान की जाएगी।

छात्रवृत्ति की राशि: कक्षा X से XII के लिए 6,000/- रुपये (प्रति वर्ष)।

छात्रवृत्ति की सीमा: एकल बालिका संतान (एसजीसी) के लिए छात्रवृत्ति की संख्या की कोई सीमा नहीं है। यह योजना पूरी तरह से सीबीएसई द्वारा प्रायोजित है।

एससी/एसटी छात्रों के लिए बोर्ड मेरिट छात्रवृत्ति योजना (बीएमएस)

उद्देश्य: एससी/एसटी वर्ग के सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के मेधावी छात्रों को बढ़ावा देना।

पात्रता: बोर्ड विभिन्न विषयों में उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त मेरिट प्रमाण-पत्र के आधार पर सभी योजनाओं के लिए सामान्य 0.1% संयुक्त मेरिट सूची तैयार करता है (अंकों के समग्र आधार पर नहीं)। उम्मीदवारों ने बोर्ड की परीक्षा में कम से कम 60% अंक प्राप्त किए हों।

छात्रवृत्ति की राशि: बोर्ड कक्षा X के 23 छात्रों को 250/- रुपये प्रति माह और कक्षा XII के 25 विद्यार्थियों (एससी/एसटी वर्ग के मेधावी विद्यार्थी) को 500/- प्रतिमाह छात्रवृति प्रदान करता है। यह योजना पूर्णतः सीबीएसई द्वारा प्रायोजित है।

बोर्ड के कर्मचारियों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजना अर्थात सीबीएसई (एसडब्ल्यूबीई)

बोर्ड के कर्मचारियों के मेधावी बच्चों को बढ़ावा देने के लिए, बोर्ड निम्नलिखित दरों पर उन सभी पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करता है, जिन्होंने प्रत्येक कक्षा में 60% और उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं:-

- कक्षा VI-VIII @रु. 700/- प्रतिमाह
- कक्षा IX-XII @रु. 900/- प्रतिमाह।

कक्षा X और XII का 0.1% मेरिट प्रमाण-पत्र जारी करना

कक्षा X/XII के लिए विषयवार मेरिट प्रमाण-पत्र उम्मीदवारों को किसी विशेष विषय में सफल उम्मीदवारों के शीर्ष 0.1% में शामिल होने पर उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है।

(स्वर्गीय) श्री. लक्ष्मण सिंह कोठारी स्मृति पुरस्कार

संजय कोठारी फैमिली चैरिटेबल ट्रस्ट, नई दिल्ली ने स्वर्गीय श्री लक्ष्मण सिंह कोठारी के नाम पर एक चल वैजयंती आरंभ की है। ट्रस्ट द्वारा उपलब्ध कराए गए कॉर्पस फंड से सीबीएसई के सहयोग से 10,000/- रुपये का यह पुरस्कार दिया जाता है। यह पुरस्कार उस छात्र को दिया जाता है, जो सीबीएसई द्वारा आयोजित कक्षा 12वीं की परीक्षा में कुल पांच विषयों में अधिकतम अंक प्राप्त करता है।

जनवरी 2023 से दिसंबर 2023 तक प्रदत्त छात्रवृत्ति योजनाओं का विवरण

क्रम संख्या	योजना	प्रदत्त छात्रवृत्ति
01.	महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की केंद्रीय क्षेत्र योजना (सीएसएसएस) (2022-23 – नई) (छात्रवृत्ति शिक्षा मंत्रालय द्वारा संवितरित) *पहला नवीनीकरण 2022, दूसरा नवीनीकरण 2021, तीसरा नवीनीकरण 2020 और चौथा नवीनीकरण 2019* (छात्रवृत्ति शिक्षा मंत्रालय द्वारा संवितरित)	पंजीकृत - 2340 सत्यापित - 1847 (राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से) नवीनीकृत - 9582 सत्यापित - 7015 (राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से)
	महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की केंद्रीय क्षेत्र योजना (सीएसएसएस) (2023-24 – नई) (छात्रवृत्ति शिक्षा मंत्रालय द्वारा संवितरित) *पहला नवीनीकरण 2023, दूसरा नवीनीकरण 2022, तीसरा नवीनीकरण 2021 और चौथा नवीनीकरण 2020* (छात्रवृत्ति शिक्षा मंत्रालय द्वारा संवितरित)	पंजीकृत - 2227 सत्यापित - 0 (सत्यापन अभी शुरू नहीं हुआ है) (राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से) नवीनीकृत - 7971 सत्यापित - 0 (सत्यापन अभी शुरू नहीं हुआ है) (राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से)
02.	एकल बालिका – कक्षा X उत्तीर्ण 2022 (नई) एकल बालिका – कक्षा X उत्तीर्ण 2021 (नवीनीकरण 2022) एकल बालिका – कक्षा X उत्तीर्ण 2023 (नई) एकल बालिका – कक्षा X उत्तीर्ण 2022 (नवीनीकरण 2023)	2785 प्रदान की 1055 प्रदान की प्रक्रिया में
03.	एससी/एसटी छात्रों के लिए बोर्ड की मेरिट छात्रवृत्ति – कक्षा X और XII 2022 एससी/एसटी छात्रों के लिए बोर्ड की मेरिट छात्रवृत्ति – कक्षा X और XII 2023	X-26 (प्रदान की) XII-26 (प्रदान की) प्रक्रियाधीन
04.	वर्ष 2022-23 के लिए बोर्ड के वार्ड के लिए छात्रवृत्ति योजना	171 (प्रदान की)
05.	कक्षा XII और X 2023 के 0.1% मेरिट प्रमाण-पत्र जारी करना	वर्ष 2023 के लिए मेरिट प्रमाण पत्र डिजिलॉकर में उपलब्ध हैं
06.	वर्ष 2023 के लिए (स्वर्गीय) श्री लक्ष्मण सिंह कोठारी स्मृति अवार्ड	प्रदान किए

संबद्धता

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) शिक्षा मंत्रालय के तत्वावधान में देश का सबसे बड़ा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित प्रमुख स्कूल बोर्ड है। बोर्ड को भारत सरकार से माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर की परीक्षा आयोजित करने के लिए स्कूलों को संबद्ध करने का अधिदेश प्राप्त है। सीबीएसई देश का एक अग्रणी बोर्ड है जिसकी अखिल भारतीय और अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति है। बोर्ड से भारत के साथ-साथ पश्चिम और मध्य पूर्व एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया, उत्तर पूर्व एशिया, अफ्रीका और यूरोप के 26 देशों में 27000 से अधिक स्कूल संबद्ध हैं।

वर्ष 2023 के दौरान, सीबीएसई ने अपनी संबद्धता आवेदन प्रणाली- सरस स्कूल संबद्धता री-इंजीनियर्ड ऑटोमेशन सिस्टम 4.0 को पुन: संरचित किया है। संबद्धता प्रणाली को पुनर्गठित करने की योजना नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत पेश किए गए सुधारों के अनुरूप है, जो शैक्षिक प्रणाली की अखंडता, पारदर्शिता और संसाधन दक्षता सुनिश्चित करने के लिए एक 'जटिलता रहित लेकिन सख्त' नियामक तंत्र की सिफ़ारिश करती है।

नए दृष्टिकोण के साथ, सीबीएसई ने डेटा विश्लेषण के आधार पर संबद्धता आवेदन और प्रसंस्करण प्रणाली को पूरी तरह से डिजिटल कर दिया है। प्रक्रिया प्रवाह पूरी तरह से ऑनलाइन है जिसमें बहुत कम मानवीय हस्तक्षेप है, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध है।

पुनः संरचित प्रणाली का उद्देश्य न्यूनतम सरकारी हस्तक्षेप और अधिकतम प्रशासन है और इसमें आवेदनों का त्वरित और समयबद्ध निपटान होगा, बशर्ते बुनियादी अनिवार्य शर्तें और आवश्यक अवसंरचना पूरी हो। निम्न विवरण के अनुसार 01.01.2023 से 31.12.2023 तक सीबीएसई से संबद्ध नए स्कूलों की संख्या 1022 है:

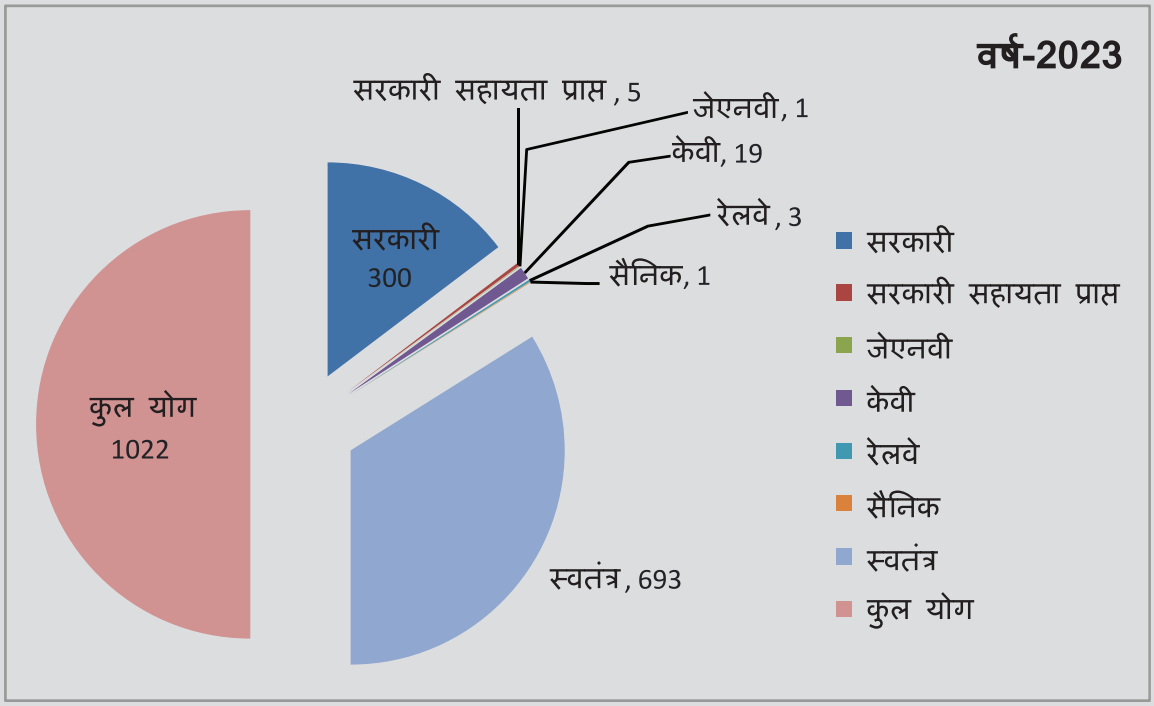

नए संबद्ध विद्यालय: 1022; भारत में : 1016; भारत के बाहर: 06

इस पुनर्गठन से न्यूनतम सरकारी हस्तक्षेप और अधिकतम प्रशासन, यंत्रीकृत और डेटा-संचालित मूल्यांकन और सभी प्रणालीगत प्रक्रियाओं में बढ़ी हुई जवाबदेही के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता मिली, साथ ही सभी आवेदनों का त्वरित और समयबद्ध निपटान हुआ।

सीबीएसई ने यह सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं कि नई संबद्धता प्रक्रिया पारदर्शी, पूरी तरह से ऑनलाइन, अधिक जवाबदेह हो और अनुपालन बोझ को कम करके कार्य करने में आसानी हो, जिससे कागजी कार्रवाई और अन्य प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं में कमी आए।

सरस सीबीएसई मैनुअल 4.0 का एक नया संस्करण शुरू किया गया, जिसमें सीबीएसई संबद्धता की प्रक्रिया, प्रक्रिया प्रवाह चार्ट, संबद्धता प्रक्रिया के विभिन्न चरणों को दर्शाते हुए, संबद्धता के लिए आवश्यक दस्तावेज, निरीक्षण के लिए तौर-तरीके और एसओपी, प्रक्रिया के लिए प्रयुक्त प्रारूप, एक अनुभवात्मक वीडियो और अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न शामिल हैं, जिससे संबद्धता प्रक्रिया समयबद्ध, पारदर्शी और स्कूलों के लिए आसान हो गई है।

सीबीएसई से स्कूल की संबद्धता हेतु क्रमिक प्रक्रिया निर्दिष्ट की गई है। शैक्षणिक सत्र 2023-24 से फाउंडेशन स्टेज (एनसीएफएफएस) के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा के कार्यान्वयन के साथ, सीबीएसई ने तीन साल की उम्र से छात्र की मजबूत नींव पर जोर देने के लिए अपनी समग्र संबद्धता के हिस्से के रूप में बालवाटिका के रूप में एनईपी के अनुसार प्री-प्राइमरी सेक्शन को समाहित कर दिया है।

सत्र 2023-24 के दौरान स्कूल संबद्धता और संबंधित प्रक्रिया में की गई प्रमुख पहल और संशोधन:

1. प्रत्येक अतिरिक्त 500 वर्ग मीटर भूमि पर अतिरिक्त सेक्शन की अनुमति- परिपत्र 03/2023 दिनांक 22.02.2023
2. मौजूदा स्कूलों और बोर्ड से संबद्धता चाहने वाले स्कूलों के लिए विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) के प्रावधानों के लिए दिशानिर्देश- परिपत्र 05/2023 दिनांक 06.03.2023
3. निरीक्षण समिति के सदस्यों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी)- परिपत्र 09/2023 दिनांक 06.03.2023
4. सीबीएसई स्कूल में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का कार्यान्वयन- परिपत्र 10/2023 दिनांक 24.03.2023
5. निरीक्षण समिति के सदस्यों के लिए वीडियोग्राफी की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी)- परिपत्र 11/2023 दिनांक 24.03.2023
6. संबद्धता मामलों की समीक्षा के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी)- परिपत्र 15/2023 दिनांक 24.04.2023
7. मिडिल कक्षा पाठ्यक्रम के लिए संबद्ध स्कूलों का उन्नयन- परिपत्र 18/2023 दिनांक 18.05.2023
8. आवासीय विद्यालयों के लिए दिशानिर्देश- परिपत्र 24/2023 दिनांक 01.09.2023

वर्ष 2023 के दौरान, 1022 स्कूलों को नई संबद्धता प्रदान की गई, 555 स्कूलों को माध्यमिक/वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर उन्नयन प्रदान किया गया और 5530 स्कूलों को पांच साल की अतिरिक्त अवधि के लिए संबद्धता का विस्तार दिया गया।

01.01.2023 से 31.12.2023 तक भारत में नए संबद्ध स्कूलों की सूची

राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	सरकारी	सरकारी सहायता प्राप्त	जेएनवी	केवी	रेलवे	सैनिक	स्वतंत्र	कुल योग
अंडमान और निकोबार							1	1
आंध्र प्रदेश	6						29	35
अरुणाचल प्रदेश	5		1	3				9
असम	7	1					4	12
बिहार				1			43	44
चंडीगढ़	2							2
छत्तीसगढ़	7			1			11	19
दिल्ली	16						1	17
गुजरात	1						17	18
हरियाणा	4						29	33
हिमाचल प्रदेश							9	9
जम्मू और कश्मीर				1				1
झारखंड	63	1		2	1		20	87
कर्नाटक							65	65
केरल							15	15
लद्दाख	1						1	2
मध्य प्रदेश	4			3			32	39
महाराष्ट्र	4	1					62	67
मणिपुर							26	26
मेघालय							1	1
ओडिशा	4			3			12	19
पुदुचेरी	126						2	128
पंजाब		2					31	33
राजस्थान	2						28	30
सिक्किम	2							2
तमिलनाडु				1		1	82	84
तेलंगाना							36	36
त्रिपुरा	26						1	27
उत्तर प्रदेश	18			2	1		97	118
उत्तराखंड	2						8	10
पश्चिम बंगाल				2	1		24	27
कुल योग	300	5	1	19	3	1	687	1016

01.01.2023 से 31.12.2023 तक विदेश में नए संबद्ध स्कूलों की सूची

राज्य	सरकारी	सरकारी सहायता प्राप्त	जेएनवी	केवी	रेलवे	सैनिक	स्वतंत्र	कुल योग
इथियोपिया	0	0	0	0	0	0	6	6
कुल योग	0	0	0	0	0	0	6	6

व्यावसायिक परीक्षाएं

1. कक्षा VI के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा - 2023

जवाहर नवोदय विद्यालय शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) द्वारा संचालित और प्रबंधित केंद्रीय रूप से वित्त पोषित विद्यालय हैं। जेएनवी में प्रवेश जेएनवीएसटी नामक राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा के आधार पर किया जाता है। सीबीएसई अत्यधिक अभ्यर्थियों वाली इस परीक्षा के लिए गोपनीय सहायता सेवाएँ प्रदान करता है जो ओएमआर आधारित एमसीक्यू प्रकार की होती है। परीक्षा में मानसिक क्षमता, अंकगणित और भाषा शामिल किए गए हैं। जेएनवीएसटी -2023 29 अप्रैल 2023 को आयोजित किया गया था (9632 केंद्र, 650 जिले, 1037 संरक्षक, 35 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र), 2467349 उम्मीदवार पंजीकृत हुए (1159180 लड़कियाँ + 1308169 लड़के + 146 ट्रांसजेंडर) और 47253 उम्मीदवारों का चयन किया गया।

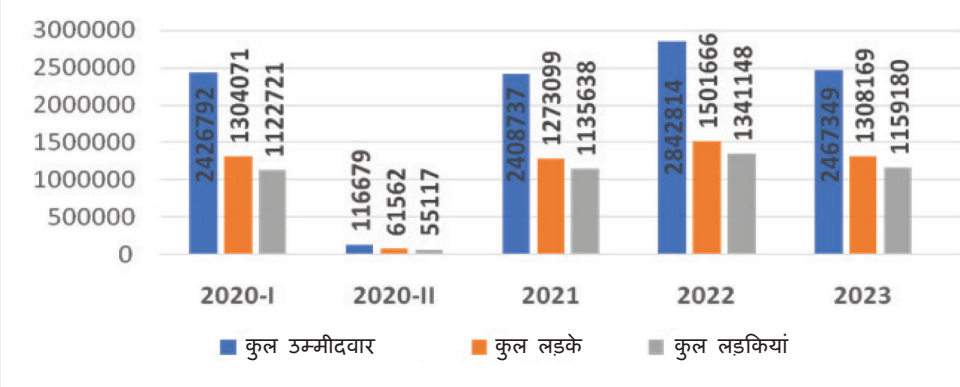

2. जेएनवी लेट्रल एंट्री टेस्ट - कक्षा IX

जेएनवी में उपलब्ध बुनियादी संरचना और सुविधाओं का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए, प्रत्येक वर्ष, रिक्त सीटों के लिए कक्षा IX के लिए लेट्रल एंट्री टेस्ट आयोजित किया जाता है। टेस्ट कक्षा 8 के पाठ्यक्रम पर आधारित एमसीक्यू प्रकार का होता है। इसमें अंग्रेजी, हिंदी, गणित और सामान्य विज्ञान शामिल हैं। लेट्रल एंट्री टेस्ट-2023, 11 फरवरी 2023 को आयोजित किया गया था (644 परीक्षा केंद्र, 482 जिले, 483 संरक्षक, 35 राज्य और संघ राज्य क्षेत्र)। 181006 उम्मीदवार पंजीकृत हुए (75840 लड़कियां+ 105154 लड़के + 12 ट्रांसजेंडर) और 2572 उम्मीदवारों का चयन किया गया।

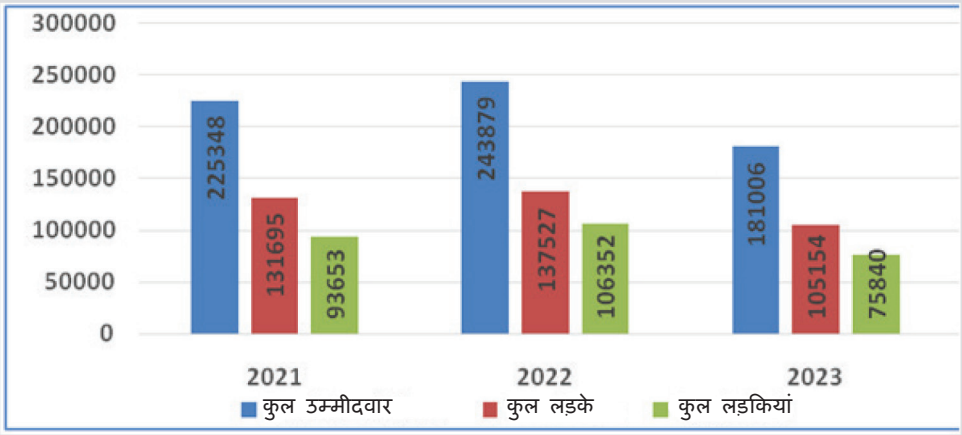

3. जेएनवी लेट्रल एंट्री टेस्ट - 2023 कक्षा XI के लिए

जेएनवी में उपलब्ध बुनियादी संरचना और सुविधाओं का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए, प्रत्येक वर्ष, कक्षा XI के लिए रिक्त सीटों के लिए लेट्रल एंट्री टेस्ट आयोजित किया जाता है। टेस्ट कक्षा 10 के पाठ्यक्रम पर आधारित एमसीक्यू प्रकार का होता है। इसमें मानसिक क्षमता, अंग्रेजी, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और गणित शामिल हैं। लेट्रल एंट्री टेस्ट 22 जुलाई 2023 (640 परीक्षा केंद्र, 631 जिले, 629 संरक्षक, 34 राज्य और संघ राज्य क्षेत्र) को आयोजित किया गया था। 57716 उम्मीदवार पंजीकृत हुए (28455 लड़कियां + 29261 लड़के + 02 ट्रांसजेंडर) और 5584 उम्मीदवारों का चयन किया गया।

4. मणिपुर राज्य के लिए विशेष व्यवस्था

मणिपुर राज्य के उम्मीदवारों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, कक्षा XI के लिए जेएनवी लेटरल एंट्री टेस्ट 25 अगस्त 2023 को 11 जिलों (10 परीक्षा केंद्र, 1 संरक्षक) में अलग से आयोजित किया गया था, जिसमें 718 उम्मीदवार पंजीकृत हुए (412 लड़कियां + 306 लड़के) और 108 उम्मीदवारों का चयन किया गया।

5. SHRESTA योजना सुविधा: लक्षित क्षेत्रों में हाई स्कूलों में छात्रों के लिए आवासीय शिक्षा की योजना (SHRESTA)

बोर्ड सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग (डीओएसजेई), भारत सरकार को इसकी (SHRESTA) योजना के लिए सहायता प्रदान कर रहा है, जिसका उद्देश्य देश के सर्वश्रेष्ठ स्कूलों में अनुसूचित जाति के मेधावी छात्रों को अवसर प्रदान करना है। इस योजना के तहत, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से अनुसूचित जाति के छात्रों की एक निर्दिष्ट संख्या का चयन किया जाता है। उन्हें सीबीएसई द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के आधार पर डीओएसजेई द्वारा अभिनिर्धारित प्राइवेट आवासीय स्कूलों में प्रवेश दिया जाता है। 12वीं कक्षा तक की शिक्षा पूरी करने के लिए कक्षा IX और XI में प्रवेश दिया जाता है और डीओएसजेई ने दाखिल छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की। OASIS डेटा (स्कूलों द्वारा अदयतन) के आधार पर, बोर्ड 75% उत्तीर्णता प्रतिशत (पिछले तीन वर्षों से कक्षा X और XII में) के मानदंडों को पूरा करने वाले आवासीय प्राइवेट संबद्ध स्कूलों की सूची प्रदान करता है। स्कूल कम से कम 5 वर्षों से अस्तित्व में होना चाहिए और उसके पास कक्षा IX और XI में कम से कम 10 छात्रों को प्रवेश देने के लिए बुनियादी संरचना होनी चाहिए। डीओएसजेई सीट आवंटन के लिए स्कूलों की सूची को अंतिम रूप देता है। वर्ष 2023 में, बोर्ड ने इस योजना के लिए 850 स्कूलों का डेटाबेस प्रदान किया।

केंद्रीय अध्यापक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी)

निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 के अवलोकन में समयबद्ध तरीके से पूरे देश में बड़ी संख्या में अध्यापकों की भर्ती की जानी आवश्यक है।

कार्य की विशालता के बावजूद, यह सुनिश्चित करना वांछनीय है कि अध्यापकों की भर्ती के लिए गुणवत्ता किसी भी कीमत पर कम न हो। इसलिए, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि अध्यापकों के रूप में भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों में प्राइमरी और अपर प्राइमरी स्तर पर शिक्षण की चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक योग्यता और क्षमता हो।

आरटीई अधिनियम की धारा 23 की उपधारा (1) के प्रावधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) ने 23 अगस्त, 2010 की अधिसूचना और उसके बाद 29 जुलाई, 2011 के संशोधन के माध्यम से कक्षा 1 से 8 तक पढ़ाने के लिए अध्यापक के रूप में नियुक्त किए जाने वाले व्यक्ति के लिए न्यूनतम योग्यता/पात्रता मानदंड निर्धारित किए हैं।

इसमें अन्य बातों के साथ-साथ यह प्रावधान किया गया था कि आरटीई अधिनियम की धारा 2 के खंड (एन) में निर्दिष्ट किसी भी स्कूल में अध्यापक के रूप में नियुक्त होने के लिए किसी व्यक्ति की पात्रता के लिए आवश्यक योग्यताओं में से एक यह है कि उसे अध्यापक पात्रता परीक्षा (टीईटी) उत्तीर्ण होना चाहिए, जो एनसीटीई द्वारा तैयार दिशा-निर्देशों के अनुसार उपयुक्त सरकार द्वारा आयोजित की जाएगी।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को केंद्रीय अध्यापक पात्रता परीक्षा (सीटीईटी) आयोजित करने की जिम्मेदारी सौंपी है।

सीटीईटी इकाई ने हाल ही में निम्नलिखित परीक्षाएँ आयोजित की हैं:

केंद्रीय अध्यापक पात्रता परीक्षा

सीटीईटी का 16वां संस्करण 28 दिसंबर 2022 से 07 फरवरी 2023 के दौरान ऑनलाइन (सीबीटी) मोड में आयोजित किया गया था और परिणाम 03/03/2023 को घोषित किया गया था।

क्र. सं.	परीक्षा का नाम	परीक्षा का माध्यम	अवधि/ परीक्षा की तिथियां	पेपर	पंजीकृत अभ्यर्थियों की संख्या	उपस्थित अभ्यर्थियों की संख्या	अर्हक अभ्यर्थियों की संख्या	परिणाम घोषणा की तिथि
1.	सीटीईटी का 16वां संस्करण	ऑन-लाइन (सीबीटी)	28.12.2022 से 07.02.2023	1	18,92,276	14,95,511	4,45,467	03/03/2023
				2	16,62,886	12,78,165	2,20,069	

सीटीईटी का 17वां संस्करण 20 अगस्त 2023 को ऑफलाइन (ओएमआर) मोड में आयोजित किया गया और परिणाम 25/09/2023 को घोषित किया गया।

क्र. सं.	परीक्षा का नाम	परीक्षा का माध्यम	अवधि/ परीक्षा की तिथियां	पेपर	पंजीकृत अभ्यर्थियों की संख्या	उपस्थित अभ्यर्थियों की संख्या	अर्हक अभ्यर्थियों की संख्या	परिणाम घोषणा की तिथि
1.	सीटीईटी का 17वां संस्करण	ऑफ-लाइन (ओएमआर आधारित)	20/08/2023	1	17,04,282	14,22,959	5,79,844	25/09/2023
				2	15,39,464	12,76,071	3,76,025	

एनवीएस भर्ती परीक्षा

जवाहर नवोदय विद्यालय के लिए कुल 3 प्रकार की भर्ती परीक्षाएँ थीं।

- प्रधानाचार्य, उप प्रधानाचार्य, पीजीटी के पदों के लिए सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा (एलडीसीई)।
- प्रधानाचार्य, पीजीटी, टीजीटी, अध्यापकों की विविध श्रेणी के पदों के लिए पूर्वोत्तर राज्यों के लिए विशेष भर्ती अभियान।
- प्रधानाचार्य, पीजीटी, टीजीटी, अध्यापकों की विविध श्रेणी के पदों के लिए अखिल भारतीय भर्ती अभियान।

क्र. सं.	परीक्षा का नाम	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा की अवधि/तिथियां	रिक्तियों का प्रकार	अधिसूचित रिक्तियों की संख्या	पंजीकृत अभ्यर्थियों की संख्या	उपस्थित अभ्यर्थियों की संख्या
1.	एनवीएस भर्ती परीक्षा	ऑनलाइन (सीबीटी)	28/11/22 से 16/11/2022	एलडीसीई	687	4,466	3,744
				एनई	584	56,468	49,871
				अखिल भारतीय	1,616	3,23,967	2,47,964

सभी पदों के लिए साक्षात्कार एनवीएस द्वारा आयोजित किए गए थे। अंतिम परिणाम/मेरिट सूची चरणबद्ध तरीके से एनवीएस को सौंप दी गई और प्रक्रिया मई 2023 में पूरी हो गई।

केवीएस भर्ती परीक्षा

केंद्रीय विद्यालयों के लिए दो प्रकार की भर्ती परीक्षाएँ थीं।

- प्रधानाचार्य, उप-प्रधानाचार्य , हेडमास्टर, पीजीटी, टीजीटी, वित्त अधिकारी और अनुभाग अधिकारी के पदों के लिए सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा (एलडीसीई)।
- सहायक आयुक्त, प्रधानाचार्य, उप-प्रधानाचार्य, पीजीटी, टीजीटी, पीआरटी, लाइब्रेरियन, सहायक अभियंता, वित्त अधिकारी, हिंदी अनुवादक, सहायक अनुभाग अधिकारी, वरिष्ठ सचिवालय सहायक, आशुलिपिक और कनिष्ठ सचिवालय सहायक के पदों के लिए अखिल भारतीय भर्ती परीक्षा।

परीक्षा का नाम	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा की अवधि/तिथियां	रिक्तियों का प्रकार	अधिसूचित रिक्तियों की संख्या	पंजीकृत अभ्यर्थियों की संख्या	उपस्थित अभ्यर्थियों की संख्या
केवीएस भर्ती	ऑनलाइन (सीबीटी)	22/01/2023	एलडीसीई	4,014	17,617	15,409
		07/02/2023 से 11/03/2023	अखिल भारतीय	13,404	19,99,634	13,92,766

वित्त अधिकारी, आशुलिपिक और कनिष्ठ सचिवालय सहायक के पदों के लिए कौशल परीक्षा सीटीईटी इकाई द्वारा आयोजित की गई थी, जबकि सभी पदों के लिए साक्षात्कार केवीएस द्वारा आयोजित किए गए थे। अंतिम परिणाम/मेरिट सूची चरणबद्ध तरीके से केवीएस को सौंप दी गई और प्रक्रिया नवंबर 2023 में पूरी हो गई।

ईएमआरएस भर्ती परीक्षा

- एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) में प्रधानाचार्य, पीजीटी, टीजीटी, विविध श्रेणी के अध्यापक, लाइब्रेरियन, हॉस्टल वार्डन, अकाउंटेंट और कनिष्ठ सचिवालय सहायक के पदों के लिए अखिल भारतीय भर्ती परीक्षा बोर्ड द्वारा नीचे दिए गए विवरण के अनुसार आयोजित की गई थी।

चूंकि उम्मीदवारों को अनेक पदों के लिए आवेदन करने की अनुमति थी, इसलिए प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग शिफ्ट में परीक्षा आयोजित की गई थी।

परीक्षा का नाम	परीक्षा का माध्यम	परीक्षा की अवधि/ तिथियां	रिक्तियों का प्रकार	अधिसूचित रिक्तियों की संख्या	पंजीकृत अभ्यर्थियों की संख्या	उपस्थित अभ्यर्थियों की संख्या
ईएमआरएस भर्ती	ऑफलाइन (ओएमआर आधारित)	16,17,23,24 एवं 31 दिसंबर 2023	अखिल भारतीय	10,391	18,83,147	8,63,615

जेएसए और प्रधानाचार्य की अंतिम परिणाम/मेरिट सूची क्रमशः 28 मई और 4 जून को एन ई एस टी एस को सौंपी गई और शेष परिणाम 10 जनवरी 2024 को एनईएसटीएस को सौंप दिए गए।

मीडिया एवं जन-संपर्क

मीडिया एवं जन-संपर्क

बोर्ड की मीडिया एवं जन-संपर्क इकाई मीडिया, सोशल मीडिया, ईमेल आदि जैसे विभिन्न प्लेटफॉर्म का उपयोग करके सही, स्पष्ट और समय पर सूचना प्रसारित करके छात्रों, जनता और हितधारकों के साथ विश्वास और विश्वसनीयता बनाए रखने का प्रयास करती है।

यह बोर्ड की विभिन्न नीतियों और कार्यक्रमों के साथ-साथ परीक्षाओं, शैक्षणिक, संबद्धता, प्रशिक्षण और बोर्ड की अन्य गतिविधियों से संबंधित विभिन्न अन्य अधिसूचनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान करके, तुरंत जवाब देकर एक सक्रिय भूमिका निभाती है और सकारात्मक माहौल बनाए रखती है।

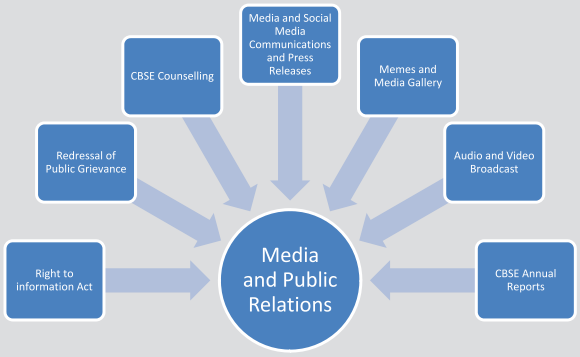

आरटीआई और लोक शिकायत निवारण मामलों की निगरानी

आरटीआई - प्रभावी निगरानी और नियमित अनुवर्ती कार्रवाई के साथ, आरटीआई मामलों को निपटाने का औसत प्रतिक्रिया समय कम किया गया है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि सक्रिय और स्वैच्छिक प्रकटीकरण के तहत शर्तों को यथासंभव सर्वोत्तम तरीके से लागू किया जाए।

- वर्ष के दौरान 6580 आवेदन और 624 अपीलें प्राप्त हुईं और उनका निपटारा किया गया।
- सीबीएसई ने आरटीआई अधिनियम 2005 के तहत सक्रिय प्रकटीकरण के ऑनलाइन थर्ड पार्टी ऑडिट में 95% अंक प्राप्त किए, जिसे राष्ट्रीय तकनीकी अध्यापक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर), चंडीगढ़ द्वारा वर्ष 2022-23 की मूल्यांकन रिपोर्ट के लिए 20.10.2023 को किया गया था।
- कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के प्रभावी निर्वहन के लिए आरटीआई अधिनियम, 2005 के प्रासंगिक प्रावधान के बारे में संबंधित अधिकारियों को संवेदनशील, परिचित और शिक्षित करने के लिए, जनवरी, 2023 के महीने में 02 कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इसके अलावा, सभी सीपीआईओ/अपीलीय अधिकारियों के लिए मीडिया और पीआर यूनिट द्वारा 24.05.2023 को हाइब्रिड मोड में एक कार्यशाला सीबीएसई मुख्यालय में आयोजित की गई। देश भर से सीबीएसई के विभिन्न विभागों और 17 क्षेत्रीय कार्यालयों के 80 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

लोक शिकायत निवारण- सीपीजीआरएएमएस पोर्टल पर सीबीएसई से संबंधित पंजीकृत ऑनलाइन और ऑफलाइन शिकायतों की दैनिक आधार पर निगरानी की जाती है और निर्धारित समय सीमा के भीतर अग्रेषण किया/उत्तर दिया जाता है।

कैलेंडर वर्ष 2023 में प्राप्त 2538 में से **2493 शिकायतों** का निपटारा किया गया। प्रभावी निगरानी और नियमित अनुवर्ती कार्रवाई के साथ, लोक शिकायतों को निपटाने के लिए औसत प्रतिक्रिया समय 30 दिनों से भी कम किया गया है।

सीबीएसई मनोवैज्ञानिक कल्याण

वर्ष 2023 में सीबीएसई परामर्श कार्यक्रम के 26 वर्ष पूरे हो गए हैं। बोर्ड हमेशा छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के बारे में संवेदनशील और सक्रिय रहा है। बोर्ड द्वारा वर्ष 1998 में पहली बार कक्षा 10 और 12 के परीक्षार्थियों की परीक्षा के दबाव से निपटने में मदद करने के लिए मनोवैज्ञानिक टेली-परामर्श शुरू की गई थी। बोर्ड पिछले 26 वर्षों से दुनिया भर में स्थित

संबद्ध स्कूलों के छात्रों और अभिभावकों के लिए प्रधानाचार्यों और प्रशिक्षित परामर्शदाताओं के माध्यम से यह निःशुल्क स्वैच्छिक सेवा प्रदान कर रहा है।

2023 में टेली-काउंसलिंग की सुविधाएं

टेली-काउंसलिंग: टेली-काउंसलिंग एक स्वैच्छिक और निःशुल्क सेवा है। वर्ष 2023 में, भारत और नेपाल, जापान, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, कतर, ओमान और सिंगापुर जैसे देशों के 87 प्रधानाचार्य और परामर्शदाता टेली-काउंसलिंग के लिए उपलब्ध थे।

आईवीआरएस: बोर्ड के टोल फ्री नंबर पर 24x7 निःशुल्क आईवीआरएस सुविधा उपलब्ध थी। अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यू), परीक्षा और परिणाम से संबंधित उपयोगी जानकारी जैसे बेहतर तैयारी, समय और तनाव प्रबंधन, सीबीएसई कार्यालयों के महत्वपूर्ण संपर्क विवरण आईवीआरएस के माध्यम से उपलब्ध कराए गए थे।

ऑडियो-विजुअल प्रस्तुतियों के माध्यम से परामर्श: छात्रों के साथ-साथ अभिभावकों के लिए संबंधित प्रासंगिक मुद्दों जैसे आक्रामकता, इंटरनेट की लत विकार, अवसाद, परीक्षा की चिंता, विशिष्ट अधिगम अक्षमता, मादक पदार्थ उपयोग विकार और जीवन कौशल के बारे में जागरूकता और समझ पैदा करने के लिए विभिन्न विषयों पर सीबीएसई वेबसाइट और यूट्यूब पर ऑडियो-विजुअल प्रस्तुतियाँ उपलब्ध कराई जा रही हैं।

परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी)

परीक्षा पे चर्चा का छठा संस्करण 27 जनवरी 2023 को आयोजित किया गया। विभिन्न स्कूलों और छात्रों को आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल का उपयोग करके पीपीसी के बारे में जागरूक किया गया और छात्रों के साथ माननीय प्रधानमंत्री की बातचीत के सीधे प्रसारण में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। भारत भर में और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में स्थित विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने 27 जनवरी 2023 को परीक्षा पे चर्चा का सीधा प्रसारण देखा।

सम्प्रेषण और बाह्य संपर्क

सीबीएसई ने हितधारकों के साथ व्यापक संपर्क और सम्प्रेषण के लिए यूट्यूब, ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर महत्वपूर्ण जानकारी का सक्रिय रूप से प्रसार किया। बोर्ड के महत्वपूर्ण निर्णयों/गतिविधियों/अद्यतन जानकारी के बारे में सोशल मीडिया हैंडल पर कुल 868 पोस्ट किए गए।

सोशल मीडिया द्वारा संपर्क

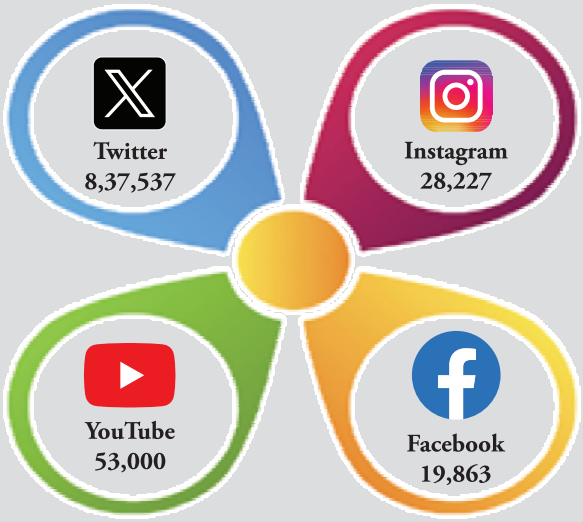

सोशल मीडिया पोस्ट गैलरी

राजभाषा का प्रचार-प्रसार और कार्यान्वयन

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में राजभाषा नीति का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। हिंदी प्रकोष्ठ भारत सरकार की राजभाषा नीति के क्रियान्वयन के लिए जिम्मेदार है तथा दैनिक सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक इनपुट/सहायता प्रदान करता है। हिंदी प्रकोष्ठ गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा जारी राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों और नीतियों का अनुपालन सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है। इसके अलावा यह राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत जारी दस्तावेजों जैसे कार्यालय आदेश/ ज्ञापन/ परिपत्र/ प्रेस विज्ञप्ति/ दस्तावेज आदि का अनुवाद भी उपलब्ध कराता है।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिए हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर जारी निर्देशों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए बोर्ड में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें प्रत्येक तिमाही में आयोजित की जाती हैं। इस वर्ष बोर्ड में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक दिनांक 24.03.2023, 23.06.2023, 29.09.2023 तथा 28.12.2023 को अध्यक्ष, सीबीएसई की अध्यक्षता में आयोजित की गई। उक्त बैठकों में बोर्ड द्वारा किए गए राजभाषा कार्यों की समीक्षा की गई। (सदस्यों की सूची अनुलग्नक में संलग्न है)

हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन

राजभाषा नीति के अनुसार हिंदी के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए बोर्ड मुख्यालय में प्रत्येक तिमाही में हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। इसमें भाग लेने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तथा कार्मिकों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान संबंधी प्रशिक्षण दिलाया जाता है तथा उन्हें सरकारी कार्य में यथासंभव हिंदी का प्रयोग करने के लिए निर्देशित किया जाता है। इस वर्ष हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन दिनांक 13.03.2023, 26.05.2023, 29.08.2023 तथा 21.11.2023 को किया गया।

नकद प्रोत्साहन योजना

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार बोर्ड मुख्यालय में हिंदी में सरकारी कार्य करने के लिए प्रोत्साहन योजना लागू है। इस योजना के अंतर्गत हिंदी में सरकारी कार्य करने के आधार पर अधिकारियों/कर्मचारियों को नकद पुरस्कार (पुरस्कार राशि रु. 5000/-, 3000/- तथा 2000/-) दिए जाने का प्रावधान है। इस वर्ष बोर्ड मुख्यालय के 08 कार्मिकों को ये पुरस्कार दिए गए।

राजभाषा निरीक्षण

राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार तथा माननीय संसदीय राजभाषा समिति द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में बोर्ड मुख्यालय द्वारा कम से कम 25% अनुभागों/इकाइयों/शाखाओं तथा अधीनस्थ क्षेत्रीय कार्यालयों का राजभाषा निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण कार्यक्रम में संबंधित अनुभागों/ इकाइयों/शाखाओं तथा अधीनस्थ क्षेत्रीय कार्यालयों में राजभाषा नीति के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई तथा निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों से शाखा प्रमुख/क्षेत्रीय अधिकारी को अवगत कराया गया।

हिंदी टंकण प्रशिक्षण

बोर्ड ने केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली द्वारा चलाए जा रहे हिंदी टंकण के दीर्घकालीन/ अल्पकालीन गहन/पत्राचार प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोर्ड मुख्यालय एवं अधीनस्थ क्षेत्रीय कार्यालयों के कार्मिकों को नामित कर प्रशिक्षित किया।

अनुवाद प्रशिक्षण

वर्ष 2023 में केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो द्वारा चलाए

जा रहे अनुवाद संबंधी प्रशिक्षण में बोर्ड मुख्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालयों से कुल 04 कनिष्ठ/वरिष्ठ अनुवाद अधिकारियों को नामित कर प्रशिक्षित किया गया।

हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाड़ा

हिंदी दिवस एवं तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन 14 एवं 15 सितम्बर 2023 को श्री छत्रपति खेल परिसर बालेवाड़ी, पुणे, महाराष्ट्र में संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। इस सम्मेलन के लिए राजभाषा विभाग द्वारा अखिल भारतीय लोगो प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में बोर्ड के विभिन्न कर्मचारियों ने अपनी भागीदारी दर्ज कराई। चयन समिति द्वारा सुश्री रेनू कैंथ, अधीक्षक द्वारा निर्मित लोगो को सर्वसम्मति से प्रथम पुरस्कार के लिए चुना गया। 15 सितम्बर 2023 को माननीय राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान एवं माननीय गृह राज्य मंत्री श्री अजय कुमार मिश्रा ने सुश्री रेनू कैंथ, अधीक्षक,सीबीएसई को सम्मानित किया। सुश्री रेनू कैंथ द्वारा डिजाइन किया गया लोगो सम्मेलन स्मारिका तथा स्टॉल/प्रदर्शनी आदि में प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया।

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार तथा शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसरण में बोर्ड मुख्यालय में हिंदी दिवस (14 सितम्बर) के उपलक्ष्य में 14.09.2023 से 29.09.2023 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस दौरान हिंदी टिप्पण एवं प्रारूपण, हिंदी सुलेख/श्रुतलेखन, हिंदी कविता पाठ, हिंदी निबंध लेखन, हिंदी नारा लेखन तथा हिंदी टंकण प्रतियोगिता जैसी 06 विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में सीबीएसई कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं के 30 विजेताओं को पुरस्कार राशि तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए, जिन्हें समापन समारोह के दौरान वितरित किया गया।

हिंदी गतिविधि का आयोजन

हिंदी के प्रचार-प्रसार में तेजी लाने के लिए राजभाषा हिंदी के आधुनिक परिप्रेक्ष्य में इसे सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ते हुए अनेक विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसके अंतर्गत बोर्ड मुख्यालय में विभिन्न अनुभागों द्वारा प्रत्येक तिमाही में प्रसिद्ध हिंदी साहित्यकारों, लेखकों, कवियों की पुण्यतिथि या जन्मदिवस पर हिंदी गतिविधियां आयोजित की जाती। बोर्ड मुख्यालय के कार्मिकों के अतिरिक्त अधीनस्थ क्षेत्रीय कार्यालयों आदि में भी हिंदी गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। वर्ष 2023 में भी हिंदी गतिविधियां आयोजित की गईं और इस दौरान बोर्ड मुख्यालय के साथ-साथ क्षेत्रीय कार्यालयों के कार्मिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्मिकों ने हिंदी साहित्यकारों, कवियों की जीवनी, उनकी लेखन शैली, उनके द्वारा लिखी गई विभिन्न रचनाओं/कार्यों पर चर्चा की, जिसकी रिपोर्ट सीबीएसई की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। इस वर्ष वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रेमचंद की रचनाओं के महत्व पर विचार प्रस्तुत करते हुए जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, हरिवंशराय बच्चन आदि की रचनाओं पर आधारित हिंदी गतिविधियां आयोजित की गईं।

राजभाषा नियम, 1976 के नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचना

राजभाषा नियम, 1976 के नियम 10(4) के अंतर्गत बोर्ड मुख्यालय के 04 अधीनस्थ क्षेत्रीय कार्यालयों (क्षेत्रीय कार्यालय पुणे, देहरादून, भोपाल और भुवनेश्वर) को भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया है।

इस प्रकार, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजभाषा नीति के कार्यान्वयन और राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है।

सुश्री रेनू कैंथ, अधीक्षक - लोगो प्रतियोगिता में विजेता, को पुणे में आयोजित तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के दौरान सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम एवं घटनाक्रम

केंद्रीय शिक्षा मंत्री, भारत सरकार द्वारा यूएई में नया सीबीएसई क्षेत्रीय कार्यालय खोलने की घोषणा की गई

02 नवंबर 2023 को दुबई में भारतीय वाणिज्य दूतावास में, श्री धर्मेंद्र प्रधान, माननीय केंद्रीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री, भारत सरकार ने विदेशी सीबीएसई स्कूलों की लंबे समय से चली आ रही मांग को संबोधित किया और जीसीसी देशों में सीबीएसई स्कूलों में छात्रों और अध्यापकों के लिए अधिगम अनुभव को समृद्ध करने और संचालन को सुव्यवस्थित करने में मदद करने के लिए यूएई में एक नया सीबीएसई क्षेत्रीय कार्यालय खोलने की घोषणा की। उन्होंने सीबीएसई और यूएई में भारतीय स्कूलों को शिक्षा के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों और मातृभूमि भारत का अच्छा नाम करने के लिए बधाई दी। मंत्री ने प्रधानाचार्यों को यूएई में भारतीय शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत करने के लिए यूएई के नेतृत्व की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करने के लिए भी प्रेरित किया। श्री प्रधान ने स्कूल नेतृत्व से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बाल वाटिका स्तर से आने वाली पीढ़ी के भविष्य के लिए खुद को समर्पित करने का आग्रह किया।

सीबीएसई राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी - विजेता टीमों को सम्मानित किया गया

सीबीएसई हर साल क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित करता है। यह छात्रों को रचनात्मकता, नवाचार और मौलिकता प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह प्रदर्शनी विज्ञान को लोकप्रिय बनाने और विज्ञान, प्रौद्योगिकी और समाज के बीच घनिष्ठ संबंधों के बारे में हितधारकों के बीच जागरूकता बढ़ाने का एक माध्यम भी प्रदान करती है। कोविड के बाद 02 साल के अंतराल के बाद प्रदर्शनी फिर से शुरू हुई। 2023 में, प्रदर्शनी का विषय प्रौद्योगिकी और खिलौने थे। पूरे देश से 3169 छात्र टीमों ने भाग लेने के लिए पंजीकरण कराया। पूरे देश और विदेशों में (दोहा से 01) 35 स्थानों पर क्षेत्रीय दौर से 436 विजेता टीमों ने 7 से 9 फरवरी, 2023 को लोटस वैली स्कूल, गुरुग्राम में निर्धारित सीबीएसई राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लिया। प्रतिष्ठित संस्थानों के 12 निर्णायकों के एक विशेषज्ञ पैनल ने प्रत्येक प्रदर्शनी की समीक्षा की।

कुल 30 प्रदर्शनियों को अंततः विजेताओं के रूप में चुना गया और टीमों को 5,000/- रुपये का नकद पुरस्कार और एक प्रमाण-पत्र दिया गया। जूनियर (6-8) और सीनियर (9-11) श्रेणियों में 14 टीमों को पुरस्कृत किया गया है।

सचिव (डीओएसईएल) और अध्यक्ष सीबीएसई ने एनईपी 2020 कार्यान्वयन पर सीबीएसई स्कूल प्रधानाचार्यों के साथ बातचीत की।

श्री संजय कुमार, आईएएस, सचिव, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, ने श्रीमती निधि छिब्बर, आईएएस, अध्यक्ष सीबीएसई के साथ सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के प्रधानाचार्यों के साथ बातचीत की। भारत और विदेश के प्रधानाचार्य सीबीएसई यूट्यूब चैनल के माध्यम से लाइव बातचीत में शामिल हुए, जबकि दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र के 250 से अधिक प्रधानाचार्य प्रत्यक्ष रूप से मौजूद थे। बातचीत का संदर्भ निर्धारित करते हुए, श्रीमती निधि छिब्बर अध्यक्ष सीबीएसई ने कहा, "चूंकि एनईपी 2020 लगभग तीन साल पहले लॉन्च किया गया था; एक संपूर्ण अधिगम वातावरण बनाने के लिए स्कूल के अनुभवों को जानना वांछनीय था।" अध्यक्ष ने कहा कि स्कूल परिवर्तन के साथ तालमेल बिठाकर और नीति में रेखांकित उद्देश्यों को सामंजस्य बैठाते हुए अपनाकर एनईपी 2020 के उद्देश्यों को मजबूत करके शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

संजय कुमार, आईएएस, सचिव, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने इस विषय पर विस्तार से चर्चा की और समूहों द्वारा प्राप्त की जाने वाली बुनियादी न्यूनतम दक्षता की चुनौतियों और छात्रों को रुचि और योग्यता के आधार पर सुविज्ञ विकल्प चुनने में सक्षम बनाने पर चर्चा की। उन्होंने छात्रों को दीर्घकालिक लाभ के साथ शैक्षणिक और कौशल विषयों के एकीकरण और उन्हें कार्यस्थलों/वर्क ऑफ वर्ल्ड के लिए तैयार करने और उन्हें भविष्य के लिए तत्पर रहने हेतु सक्षम बनाने पर जोर दिया।

स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने एनसीएफ-एफएस (आधारभूत कौशल) की शुरूआत, स्कूल गुणवत्ता मूल्यांकन और आश्वासन रूपरेखा (एसक्यूएएएफ) के कार्यान्वयन की प्रगति, अधिगम का विश्लेषण करने के लिए संरचित मूल्यांकन (सफल), समग्र प्रगति कार्ड (एचपीसी), आरटीई अधिनियम पर ध्यान केंद्रित किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी बच्चों को, उनकी पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो। स्कूलों ने अपनी ओर से आरटीई अधिनियम के कार्यान्वयन, योग्यता केंद्रित शिक्षण, अधिगम और मूल्यांकन, अधिगम लक्ष्यों और शिक्षाशास्त्र को फिर से परिभाषित करने, प्रभावी एनईपी 2020 कार्यान्वयन के लिए शिक्षकों के क्षमता निर्माण की आवश्यकता के बारे में पुष्टि की।

चौथे जी20 शिक्षा कार्य समूह (एडब्ल्यूजी) ने 1 से 15 जून, 2023 तक जनभागीदारी कार्यक्रम आयोजित किए, जिसका विषय था: विशेष रूप से मिश्रित अधिगम के संदर्भ में बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान सुनिश्चित करना।

जिला स्तर पर गतिविधियों का नेतृत्व केवी और जेएनवी द्वारा किया गया, जबकि एफएलएन पर राज्य स्तरीय सम्मेलन 1 से 15 जून, 2023 के बीच सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में सीबीएसई के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

सहोदय स्कूल कॉम्प्लेक्स, पुणे ने सीबीएसई के सहयोग से पुणे में राज्य स्तरीय किशोर शिखर-सम्मेलन का आयोजन किया।

सहोदय स्कूल कॉम्प्लेक्स, पुणे ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के सहयोग से 19 और 20 जून, 2023 को पुणे शहर में दो दिवसीय राज्य स्तरीय किशोर शिखर-सम्मेलन का आयोजन किया। शिखर सम्मेलन का मुख्य आकर्षण जीवन कौशल, मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण तथा लैंगिक समानता था।

इस किशोर शिखर सम्मेलन की योजना पुणे में शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित चौथी और अंतिम जी-20 शिक्षा कार्य समूह (एडडब्ल्यूजी) बैठक के अवसर पर बनाई गई थी।

सीबीएसई ने स्कूली छात्रों को भारत की वैश्विक स्थिति और गतिशीलता को समझने में सक्षम बनाने के लिए साल भर की छात्र संवर्धन गतिविधियों की योजना बनाई ताकि पहली बार जी-20 की भारत की अध्यक्षता को प्रदर्शित किया जा सके। देश भर में 200 सक्रिय सहोदय स्कूल समूहों को स्कूली शिक्षा, पाठ्यक्रम डिजाइन और मूल्यांकन के विभिन्न पहलुओं पर जागरूकता गतिविधियों का आयोजन करने के लिए उन शहरों में संघटित किया गया है जहाँ जी-20 बैठकें निर्धारित थीं। कक्षा VI से XII के छात्र भी अंतर-विद्यालय प्रतिस्पर्धी, सहयोगी स्कूल गतिविधियों और प्रदर्शनियों में शामिल हुए।

शिखर-सम्मेलन के विषय-वस्तु यथा जीवन कौशल, मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण तथा लैंगिक समानता पर नुक्कड़ नाटकों, प्रश्नोत्तरी, संगीतमय अभिनय और किशोरों द्वारा आयोजित युवा संसद के माध्यम से चर्चा की गई। श्रीमती निधि छिब्बर, आईएएस, अध्यक्ष, सीबीएसई ने राज्य के 500 से अधिक शिक्षाविदों, विशेषज्ञों और सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के छात्रों के साथ बातचीत की।

पद्मश्री डॉ. मोहन अगाशे, प्रसिद्ध रंगमंच और फिल्म व्यक्तित्व और एक प्रसिद्ध मनोचिकित्सक मुख्य वक्ता थे। डॉ. अगाशे ने बताया कि कैसे रुचि और बुद्धिमत्ता के साथ सीखना संभव है। उन्होंने सीखने में ध्वनि और छवियों की भाषा और पांच इंद्रियों के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

कई सहभागी स्कूलों द्वारा लगाई गई एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया गया। मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र के जाने-माने विशेषज्ञ, मनोचिकित्सक, शिक्षक और छात्रों ने पैनल चर्चा और सत्रों में भाग लिया। अध्यक्ष, सीबीएसई के नेतृत्व में आयोजित इस शिखर सम्मेलन में सीबीएसई, प्रधानाचार्यों, मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों, युवा छात्रों के बीच परस्पर विचार-विनिमय और जनभागीदारी की भावना के बीच सहयोग और सहभागिता का उदाहरण प्रस्तुत किया गया।

'स्वच्छता ही सेवा' 3.0 विशेष अभियान

महात्मा गांधी की 154वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारत सरकार द्वारा *'स्वच्छता ही सेवा'* 3.0 अभियान का आयोजन किया गया। स्वच्छता ही सेवा अभियान सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से *"जन आंदोलन"* के उद्देश्य से *"श्रमदान"* गतिविधियां शुरू करने के लिए आयोजित किया गया और समाज में स्वच्छता और सफाई का संदेश देने के लिए विशेष सफाई अभियान छात्रों, शिक्षकों और समुदाय की सक्रिय भागीदारी के साथ 31.10.2023 तक चलाया गया।

सभी सीबीएसई अधिकारियों, कर्मचारियों और संबद्ध स्कूलों ने 01.10.2023 को सुबह 10:00 बजे आयोजित स्वच्छता अभियान – *"एक तारीख एक घंटा एक साथ"* में सभी कार्यक्रमों और स्वच्छता गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। सफाई अभियान गतिविधियों के लिए चुने गए स्थल कचरा संभावित स्थल, रेलवे ट्रैक और स्टेशन, स्कूलों के आसपास के क्षेत्र, मलिन बस्तियाँ, पुलों के नीचे, बाजार स्थान आदि थे।

विशेष अभियान 3.0 के एक भाग के रूप में, सीबीएसई स्कूलों से अनुरोध किया गया था कि वे 31.10.2023 तक विशेष स्वच्छता अभियान के तहत विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन करें और स्कूलों में स्वच्छता और सफाई पद्धतियों पर स्वच्छता शपथ और निबंध/नारा/कविता लेखन, चित्रकला, प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन करें।

बोर्ड के कार्यालयों में हिंदी दिवस, हिंदी पखवाड़ा 2023 और पुरस्कार वितरण कायर्क्रम की झलकियाँ

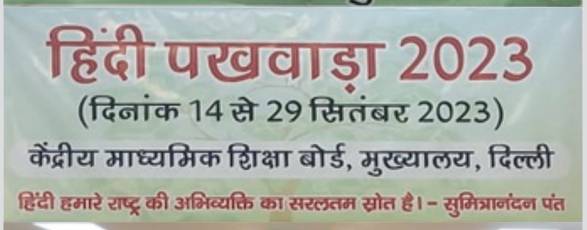

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

हिन्दी पखवाड़ा समारोह

हिन्दी पखवाड़ा

गणतंत्र दिवस समारोह

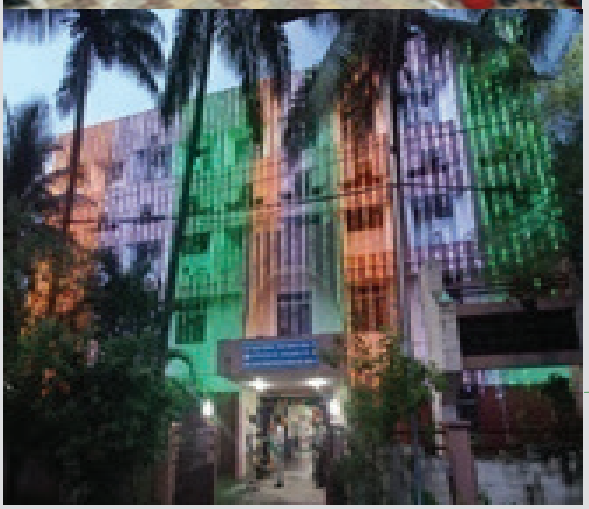

गणतंत्र दिवस समारोह

योग दिवस

योग दिवस

सीबीएसई कार्यालयों में सतर्कता जागरूकता सप्ताह

सीबीएसई मुख्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों में अंबेडकर जयंती समारोह की झलकियां

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

कैलिफोर्निया प्रतिनिधिमंडल

शासी निकाय की 137वीं बैठक

क्षेत्रीय अधिकारियों की बैठक -2023

सीबीएसई मुख्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों में महिला दिवस समारोह तथा संबंधित गतिविधियाँ

वर्ष के दौरान प्रशासनिक परिवर्तन
पदोन्नति प्राप्त करने वाले अधिकारियों को बधाई

निदेशक (शैक्षणिक/कौशल शिक्षा/प्रशिक्षण)

डॉ. प्रज्ञा एम. सिंह

संयुक्त सचिव

श्री विजय सिंह
सुश्री श्वेता अरोड़ा
श्री तरूण कुमार
श्री थोंगखोलेट माटे
श्रीमती पुनम रानी
श्री मनीष अग्रवाल
श्री श्याम कुमार

संयुक्त सचिव (शैक्षणिक/कौशल शिक्षा/प्रशिक्षण)

श्रीमती अर्चना ठाकुर
सुश्री अंजलि
श्रीमती स्वाति गुप्ता

उप सचिव

श्रीमती सीमा खाखा
श्रीमती स्निग्धा घोष
श्री अजय कुमार
श्रीमती अरविन्दर कौर
श्रीमती निशा श्रीवास्तव
श्रीमती उषा नेगी
श्री पी. रमेश

अवर सचिव

श्री सुंदर
श्रीमती रेखा सारस्वत
श्री मनोज कुमार पाठक
श्रीमती कमलेश
श्रीमती वी. अरुणा
श्री विजय पाल सैनी
श्री देवेन्द्र राजन
श्रीमती सुषमा खन्ना
श्रीमती सुमन मित्तल
श्री पंकज क्षेत्री
श्री सत्या सरोज
श्री ललित कुमार हिमांशु
श्री चुन्नी लाल
श्री बीरू टुडू

अवर सचिव (आईटी)

श्री कृष्ण मुरारी
श्रीमती दिव्या भारद्वाज
श्रीमती साक्षी दावर
श्री धीरज मलिक
श्रीमती श्वेता बी लाकड़ा

सहायक सचिव

श्रीमती सुषमा ग्रोवर
श्री रविंदर कुमार
श्रीमती वीना गुप्ता

सहायक सचिव

श्री शम्भू प्रसाद
श्री रंजीत कुमार
श्रीमती रजनी बाला सचदेवा
श्री जबर सिंह
श्री बी. रमन
श्री वी.के. जयरमन
श्रीमती के. जयलक्ष्मी
श्री के.वी. मोहनन
सुश्री नबनिता सरमाह
श्री मनोज कुमार
श्री प्रांजल साकिया
श्री निशांत कुमार गोयल
श्री सुनीत शर्मा
श्री सतीश कुमार भोरिया
श्री राजेंदर कुमार
श्रीमती गीता देवी
श्रीमती के. गीता
श्री सुरेंद्र कुमार
श्री प्रशांत कुमार गोयल
श्री अजय कुमार माहेश्वरी
श्री तेज कुमार वर्मा
श्री मनीष पंडला
श्री घनश्याम
श्री प्रेम चंद शर्मा
श्री रवि प्रकाश
श्रीमती एस. निर्मला
श्रीमती विश्वभारती
श्रीमती संदीपा माथुर
श्रीमती एच अन्नपूर्णा
श्रीमती गीता बी.

वरिष्ठ निजी सचिव

श्री सुनील कुमार
श्री शेखर कुमार सिंह
श्री ललित कटारिया
श्री हरिधन दास
श्री आर. एस. वेंकटेशन
श्रीमती मीनाक्षी क्वात्रा
श्री राज पाल सिंह
श्रीमती वी सावित्री
सुश्री रेशमा
श्री बृजेश कुमार
श्री शम्भू कांत रे
श्रीमती प्रेम लता
श्री राकेश कुमार
श्री प्रकाश चंद मीना

अनुभाग अधिकारी

श्री योगेश विरमानी
श्री विवेक पारीक
श्री मनोज कुमार सिंह
श्री डी रमेश नाइक
श्री कमलेश्वर
श्री महबूब खान
श्री संजीव कुमार सिंह
श्री सत्यवीर सिंह
श्री राधाकृष्ण कोंडापल्ली
श्रीमती आराधना माथुर
श्री सतीश कुमार
श्रीमती अनिता यादव
श्री अविनाश कुमार
श्री राजू मौर्य

अनुभाग अधिकारी

श्रीमती दीपा वशिष्ठ
सुश्री आरती
श्री मिथिलेश कुमार
श्री मनीष कुमार
श्रीमती लीवॉन ग्रेस कॉम
श्री अनिर्बान साहा

कनिष्ठ लेखाकार

श्रीमती पूर्णिमा पराशर
श्रीमती ज्योति बत्रा
श्री पी. मीरन मायदीन
श्री विपुल दत्त शर्मा
श्री मनीष कुमार
श्री शमशाद अली
श्री संदीप यादव
श्री परमिंदर सिंह असवाल
श्री शेष नाथ पांडे
श्री भुपेन्द्र कुमार
श्री संदीप बंसल

निजी सचिव

सुश्री पूजा चावला
सुश्री अलका जोशी
श्री प्रदीप शाह

जूनियर इंजीनियर (अब इसका नाम बदलकर सेक्शन इंजीनियर कर दिया गया है)

श्री महाबीर सिंह

अधीक्षक

श्री अनिल कुमार
कुमारी हिमशिखा
श्री संदीप वर्मा
श्री धर्मेन्द्र कुमार
सुश्री सुनीता रॉय
श्री संतोष कुमार यादव
श्री कुलदीप सैनी
श्री अंदीप कुमार
श्री राहुल सिंह
श्री सूर्य प्रकाश वर्मा
सुश्री अंजू
श्री महेंद्र कुमार
सुश्री गंगा
श्री देव राज
श्री चंदन कुमार
सुश्री निधि कुमारी
श्री योगेश कुमार
श्री चंदन कुमार
श्री दिनेश कुमार मीना
श्री अनुज मिंज
श्री विजय कुमार
श्री लक्ष्मी नारायण सिंह
श्री दीपक कुमार
श्री सुनील दत्त
श्री उपेन्द्र कुमार ओझा
श्री श्याम सुंदर साह
श्री कृष्ण पाल
श्री वी. नागराजन
श्री सुरेंद्र सिंह चौहान
श्री नरेंद्र मिश्रा

अधीक्षक

श्री कमल सिंह
श्री अशोक कुमार-II
श्री अभिजीत मंडल
श्री विकास
श्री अमरनाथ झा
श्री आर.एस. अनीश
श्री दिलीप कुमार मीना

वरिष्ठ लेखाकार

श्री आशीष कुमार गर्ग

अधीक्षक (कॉपियर)

श्री किरण पाल सिंह
श्री रामबीर सिंह-II
श्री तेज राम

वरिष्ठ सहायक (फ्लीट)

श्री प्रदीप कुमार
श्री रविकान्त शर्मा
श्री बनारसी दास

वरिष्ठ सहायक

श्री सत्य प्रकाश गोयर
श्री नगेन बरुआ
श्री पूनम चंद
श्री अनिल वर्मा
श्री बिजेन्द्र सिंह
श्री नरेश पाल
श्री राजेश कुमार
श्री महेंद्र कुमार
श्री धुरेन्दर
श्री भक्ति राम बरला
श्री अनिल कुमार

कनिष्ठ सहायक (5% कोटा)

श्री मनोज कुमार

सहायक रिकॉर्ड कीपर

श्री अमरेश कुमार

बोर्ड का शासी निकाय

क्र.सं.	सदस्य
1.	**अध्यक्ष** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
3.	**निदेशक (स्कूल शिक्षा)** शिक्षा निदेशालय, अंडमान और निकोबार प्रशासन
5.	**निदेशक (स्कूल शिक्षा)** संघ राज्य क्षेत्र, चंडीगढ़ प्रशासन
7.	**ओएसडी (कोर अकेडमिक इकाई)** शिक्षा निदेशालय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
9.	**संयुक्त सचिव** (संस्थाएं और प्रशिक्षण) शिक्षा मंत्रालय
11.	**संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार** शिक्षा मंत्रालय
13.	**प्रोफेसर,** शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
15.	**महासचिव** एआईयू
17.	**अध्यक्ष** आईपीएससी और प्राचार्य बिरला विद्या मंदिर, नैनीताल
19.	**आयुक्त** नवोदय विद्यालय समिति
21.	**जिला शिक्षा अधिकारी** संघ राज्य क्षेत्र, चंडीगढ़
23.	**सदस्य सचिव** अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद

क्र.सं.	सदस्य
2.	**शिक्षा निदेशक** शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
4.	**निदेशक (स्कूल शिक्षा)** स्कूल शिक्षा निदेशालय, लद्दाख
6.	**अपर शिक्षा निदेशक (स्कूल/परीक्षा)** शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
8.	**उप शिक्षा निदेशक (पीएसबी व्यावसायिक)** शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
10.	**उप सचिव** (चिकित्सा शिक्षा) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
12.	**प्रोफेसर,** विधि विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
14.	**अध्यक्ष** एआईयू
16.	**कुलपति** डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
18.	**आयुक्त** केन्द्रीय विद्यालय संगठन
20.	**प्राचार्य डाइट** लेह
22.	**प्रमुख एवं संकायाध्यक्ष** शिक्षा संकाय, केन्द्रीय शिक्षा संस्थान(सीआईई), दिल्ली विश्वविद्यालय
24.	**एडीजी (एचआरडी)** भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

बोर्ड का शासी निकाय

क्र.सं.	सदस्य
25.	**निदेशक** स्नातक चिकित्सा शिक्षा बोर्ड (यूजीएमईडी) राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग
26.	**उप सचिव (पी एंड डी)** ललित कला अकादमी
27.	**कार्यकारी निदेशक** संसाधन प्रबंधन विभाग गृह अर्थशास्त्र संस्थान
28.	**प्राचार्य** सेंट मैरी स्कूल सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली
29.	**प्राचार्य** दिल्ली पब्लिक स्कूल हैदराबाद
30.	**प्राचार्य** इंद्रप्रस्थ इंटरनेशनल स्कूल द्वारका, नई दिल्ली
31.	**सह-संस्थापक और निदेशक** हेरिटेज स्कूल, सेक्टर- 62, गुरुग्राम, हरियाणा
32.	**प्राचार्य** विवेकानंद केंद्र, डिब्रूगढ़, असम
33.	**प्राचार्य** भवन राजाजी विद्याश्रम, चेन्नई, तमिलनाडु
34.	**प्राचार्य** जेएनवी, चंपावत उत्तराखंड

वित्त समिति

क्र.सं.	सदस्य
1.	**अध्यक्ष** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
2.	**संयुक्त सचिव (संस्थाएं एवं प्रशिक्षण ब्यूरो)** शिक्षा मंत्रालय
3.	**संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार** शिक्षा मंत्रालय
4.	**प्राचार्य** इंद्रप्रस्थ इंटरनेशनल स्कूल द्वारका, नई दिल्ली
5.	**सचिव** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

परीक्षा समिति

क्र.सं.	सदस्य
1.	**अध्यक्ष** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड प्रीत विहार, दिल्ली
2.	**आयुक्त** केन्द्रीय विद्यालय संगठन दिल्ली
3.	**निदेशक** शिक्षा निदेशालय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
4.	**अपर निदेशक** शिक्षा निदेशालय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
5.	**प्राचार्य** गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
6.	**प्रोफेसर** जीवविज्ञान विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
7.	**निदेशक/प्रधानाचार्य** इंद्रप्रस्थ वर्ल्ड स्कूल द्वारका, नई दिल्ली
8.	**परीक्षा नियंत्रक** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड प्रीत विहार, दिल्ली

परिणाम समिति

1. **अध्यक्ष**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
दिल्ली

2. **आयुक्त**
केन्द्रीय विद्यालय संगठन
नई दिल्ली

3. **शिक्षा निदेशक**
शिक्षा निदेशालय,
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

4. **आयुक्त**
नवोदय विद्यालय समिति
उत्तर प्रदेश

5. **परीक्षा नियंत्रक**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
दिल्ली

संबद्धता समिति

क्र.सं.	सदस्य
1.	**अध्यक्ष** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड प्रीत विहार, दिल्ली
2.	**सुश्री प्राची पांडे** संयुक्त सचिव (संस्थाएं एवं प्रशिक्षण ब्यूरो) स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली
3.	**निदेशक- पदेन** शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार दिल्ली
4.	**प्रो राजीव कुमार** सदस्य सचिव अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली
5.	**श्री शंभू शरण कुमार** निदेशक स्नातक चिकित्सा शिक्षा बोर्ड (यूजीएमईबी), नई दिल्ली
6.	**श्री मनित जैन** सह-संस्थापक हेरिटेज एक्सपीरियंसियल लर्निंग स्कूल हरियाणा
7.	**सचिव** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड प्रीत विहार, दिल्ली

पाठ्यचर्या समिति

1. **श्रीमती निधि छिब्बर**
आईएएस, अध्यक्ष
सीबीएसई

2. **श्री ज्ञानेंद्र कुमार**
संयुक्त आयुक्त, एनवीएस
मुख्यालय, नोएडा

3. **श्री देवेन्द्र कुमार**
सहायक आयुक्त,
केवीएस

4. **डॉ. रीता शर्मा**
अपर निदेशक,
शिक्षा निदेशालय, दिल्ली

5. **प्रो. राधे श्याम शर्मा**
विज्ञान विभाग,
दिल्ली विश्वविद्यालय

6. **प्रो. मीनाक्षी खार**
अंग्रेजी विभाग
एनसीईआरटी

7. **प्रो. नीलकंठ वत्स**
हिंदी विभाग
एनसीईआरटी, दिल्ली

8. **प्रो. पवन कुमार,**
राजनीति विज्ञान विभाग
एससीईआरटी, दिल्ली

9. **डॉ. सपना यादव**
कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग,
एससीईआरटी

10. **डॉ. पुनीता मल्होत्रा**
रसायन विज्ञान विभाग,
सलाहकार कैम्ब्रिज स्कूल, दिल्ली

11. **प्रो ज्योति शर्मा**
गणित विभाग,
दिल्ली विश्वविद्यालय

12. **प्रो. अशोक भटनागर**
जीवविज्ञान विभाग,
दिल्ली विश्वविद्यालय

13. **डॉ. जोसेफ इमैनुएल**
निदेशक (शैक्षणिक), सीबीएसई,
सदस्य सचिव

14. **डॉ. अंतरिक्ष जौहरी**
निदेशक (आईटी)

15. **डॉ. संयम भारद्वाज**
परीक्षा नियंत्रक

16. **डॉ. बिश्वजीत साहा**
निदेशक (कौशल शिक्षा)

17. **श्री मनोज श्रीवास्तव**
निदेशक (पीई)

18. **डॉ. राम शंकर**
निदेशक (प्रशिक्षण)

19. **डॉ. प्रज्ञा एम सिंह**
निदेशक (शैक्षणिक-आकलन)

20. **श्री नवीन मैनी**
संयुक्त सचिव (आईटी)

21. **सुश्री अरुणिमा मजूमदार**
संयुक्त सचिव (शैक्षणिक)

22. **डॉ. स्वेता सिंह**
संयुक्त सचिव (शैक्षणिक-आकलन)

23. **श्री अल हिलाल अहमद**
संयुक्त सचिव (शैक्षणिक)

24. **श्री आर पी सिंह**
संयुक्त सचिव (कौशल शिक्षा)

25. **डॉ. प्रज्ञा वर्मा**
उप सचिव (शैक्षणिक)

26 **सुश्री अंजलि छाबड़ा**
संयुक्त सचिव (शैक्षणिक-आकलन)

27. **श्री दीपांशु**
सहायक सचिव (शैक्षणिक)

प्रशिक्षण सलाहकार समिति

1. **अध्यक्ष**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

2. **सचिव**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

3. **सचिव**
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

4. **प्रोफेसर एवं प्रमुख, ईएसडी**
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद

5. **क्षेत्रीय निदेशक**
राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद

6. **प्रोफेसर**
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान

7. **संयुक्त आयुक्त (प्रशिक्षण)**
केंद्रीय विद्यालय संगठन

8. **संयुक्त आयुक्त (प्रशिक्षण)**
नवोदय विद्यालय समिति

9. **उप निदेशक (शैक्षणिक)**
आरसीआई

10. **प्रोफेसर**
पीएसएससीआईवीई, भोपाल

11. **निदेशक**
एससीईआरटी, दिल्ली

12. **निदेशक**
एससीईआरटी, राजस्थान

13. **निदेशक**
एससीईआरटी, सिक्किम

14. **संयुक्त निदेशक, सीआईईटी,**
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद

15. **अपर निदेशक**
एससीईआरटी, छत्तीसगढ़

16. **प्रधानाचार्य**
नवरचना उच्चतर माध्यमिक विद्यालय
गुजरात

17. **निदेशक**
सनसिटी स्कूल
गुरुग्राम

18. **प्रधानाचार्य**
ओम साधना विद्यालय
मदुरै

19. **प्रधानाचार्य**
श्री गुरु हरकिशन मॉडल स्कूल
चंडीगढ़

20. **संयुक्त सचिव (प्रशिक्षण)**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

21. **निदेशक (शैक्षणिक)**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

22. **निदेशक (कौशल शिक्षा)**
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

23. **निदेशक (प्रशिक्षण)**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

कौशल शिक्षा समिति

1. **अध्यक्ष**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

2. **निदेशक (कौशल शिक्षा)**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

3. **आयुक्त**
केंद्रीय विद्यालय संगठन, दिल्ली

4. **आयुक्त**
नवोदय विद्यालय समिति

5. **शिक्षा निदेशक**
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

6. **शिक्षा निदेशक**
सिक्किम सरकार

7. **शिक्षा निदेशक**
अरुणाचल प्रदेश सरकार

8. **शिक्षा निदेशक**
अंडमान सरकार

9. **डीपीआई**
चंडीगढ़

10. **उप महानिदेशक**
राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी)

11. **एमडी और सीईओ**
राष्ट्रीय कौशल विकास निगम

12. **सचिव**
यूजीसी, दिल्ली

13. **महानिदेशक**
सीआईआई

14. **महानिदेशक**
फिक्की

15. **निदेशक (अध्ययन)**
एनसीएचएमसीटी, नोएडा

16. **संकायाध्यक्ष (अकादमिक)**
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

17. **सुश्री बनही झा**
वरिष्ठ प्रोफेसर, एनआईएफटी, नई दिल्ली

18. **संयुक्त निदेशक**
पीएसएससीआईवीई, भोपाल

19. **निदेशक (व्यावसायिक)**
एआईसीटीई, नई दिल्ली

20. **डीडीजी (डीजीई एंड टी)**
भारत सरकार, दिल्ली

21. **निदेशक (व्यावसायिक)**
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान नोएडा

22. **निदेशक**
स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज, इग्नू

23. **परियोजना निदेशक (डीकेएमए)**
कृषि अनुसंधान भवन-I, पूसा, नई दिल्ली

24. **श्री रंगनाथन एस.**
उच्च शिक्षा प्रमुख एवं मुख्य प्रबंधक, एनएसई, नई दिल्ली

25. **निदेशक (आईटी और परियोजनाएं)**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

26. **निदेशक (शैक्षणिक)**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

27. **परीक्षा नियंत्रक**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

28. **निदेशक (व्यावसायिक परीक्षा)**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

29. **सुश्री हीमल हांडू**
प्रधानाचार्य, हंस राज मॉडल स्कूल पंजाबी बाग, नई दिल्ली

30. **डॉ. अनुपमा सक्सैना**
प्रधानाचार्य, गार्गी गर्ल्स स्कूल, मेरठ

31. **सुश्री सुनीता राव**
प्रधानाचार्य डीपीएस नाचाराम, हैदराबाद

33. **श्री राजीव चौहान**
प्रधानाचार्य, द इंडियन स्कूल, ओमान

32. **सुश्री अनुजा कौशल**
प्रधानाचार्य, बीसीएम आर्य मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लुधियाना

34. **डॉ. पुलक भट्टाचार्य**
प्रधानाचार्य, इंटरनेशनल स्कूल, नालापारा, गुवाहाटी

सीटीईटी की सलाहकार एवं कार्यान्वयन समिति

1. **अध्यक्ष**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

2. **निदेशक**
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद

3. **निदेशक (शिक्षक शिक्षा)**
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

4. **निदेशक**
सीआईई, दिल्ली विश्वविद्यालय

5. **शिक्षा निदेशक**
शिक्षा निदेशालय, दिल्ली

6. **आयुक्त**
केन्द्रीय विद्यालय संगठन, दिल्ली

7. **आयुक्त**
नवोदय विद्यालय समिति

8. **सदस्य सचिव**
एनसीटीई

9. **निदेशक**
शिक्षा निदेशालय, अंडमान और निकोबार

10. **निदेशक**
एससीईआरटी, चंडीगढ़

11. **निदेशक (प्रशिक्षण)**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

12. **निदेशक (शैक्षणिक)**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

13. **निदेशक (सीटीईटी)**
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

राजभाषा कार्यान्वयन समिति (दिसंबर, 2023 तक)

1. **श्रीमती निधि छिब्बर**
   अध्यक्ष
2. **श्री हिमांशु गुप्ता**
   सचिव
3. **डॉ. अंतरिक्ष जौहरी**
   निदेशक (आईटी)
4. **डॉ. जोसेफ इमैनुएल**
   निदेशक (शैक्षणिक)
5. **डॉ. संयम भारद्वाज**
   परीक्षा नियंत्रक
6. **डॉ. बिश्वजीत साहा**
   निदेशक (कौशल शिक्षा)
7. **श्री मनोज श्रीवास्तव**
   निदेशक (व्यावसायिक परीक्षाएं)
8. **श्री गिरिराज गर्ग**
   मुख्य सतर्कता अधिकारी
9. **श्री जे. के. यादव**
   निदेशक (सीटीईटी)
10. **डॉ. राम शंकर**
    निदेशक (प्रशिक्षण)
11. **डॉ. प्रज्ञा एम. सिंह**
    निदेशक (शैक्षणिक-आकलन)
12. **श्रीमती आई. एम. कैथरीन**
    संयुक्त सचिव (आईटी)
13. **श्रीमती एस. धारिणी अरुण**
    संयुक्त सचिव (संबद्धता)
14. **श्री जयप्रकाश चतुर्वेदी**
    संयुक्त सचिव (प्रशासन एवं विधि)
15. **श्री शुभेंदु शेखर दास**
    संयुक्त सचिव (व्यावसायिक परीक्षाएं)
16. **श्री मनीष अग्रवाल**
    संयुक्त सचिव (समन्वय)
17. **श्रीमती सुनीता रानी**
    उप सचिव (गोपनीय इकाई)
18. **श्रीमती पूनम सचदेवा**
    उप सचिव (सीटीईटी इकाई)
19. **श्री अरविंद**
    उप सचिव (विधि)
20. **सचिन ठाकुर**
    उप सचिव (संबद्धता)
21. **श्रीमती. प्रज्ञा वर्मा**
    उप सचिव (शैक्षणिक)
22. **श्रीमती रमा शर्मा**
    निदेशक (मीडिया एवं जनसंपर्क)
23. **श्री चंद्र प्रकाश**
    अपर आंतरिक लेखा परीक्षक एवं वित्त सलाहकार
24. **श्री राहुल त्यागी**
    कार्यकारी अभियंता (रखरखाव)
25. **श्री वी. एन. मिश्रा**
    कार्यकारी अभियंता (रखरखाव)
26. **श्री संजय बिष्ट**
    अवर सचिव (भर्ती)
27. **श्रीमती अनीता जे. ससवेन**
    अवर सचिव (संबद्धता)
28. **श्री गुलाब सिंह**
    अवर सचिव (कार्मिक ए एवं बी)
29. **श्री प्रीतम सलूजा**
    अवर सचिव (प्रशासन II एवं III)
30. **श्री अमलेंदु गोस्वामी**
    अवर सचिव (संबद्धता)
31. **श्रीमती प्रतिभा शर्मा**
    अवर सचिव (राजभाषा)

तुलन पत्र
1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023

	विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
ए	**निधियों के स्रोत**			
	कॉर्पस/पूंजीगत निधि	1	39,196,973,255.34	18,156,001,422.05
	अभिहित/उद्दिष्ट/अक्षय निधि	2	22,810,090,214.27	42,907,937,507.00
	वर्तमान देयताएं और व्यवस्था	3	5,866,649,728.08	1,742,727,195.74
	शाखा/प्रभाग लाभ और हानि खाता			
	योग -ए		**67,873,713,197.69**	**62,806,666,124.79**
बी	**निधियों का उपयोग**			
	अचल संपत्तियां	4	4,214,189,276.35	3,369,421,081.00
	मूर्त संपत्तियां		2,849,258,380.00	2,545,370,641.00
	अमूर्त संपत्तियां		18,441,562.00	23,308,671.00
	चालू पूंजीगत कार्य		1,346,489,334.35	800,741,769.00
	निर्धारित/ अक्षय निधि से निवेश	5	5,393,796,828.00	2,586,170,000.00
	दीर्घकालिक			
	अल्पकालिक			
	निवेश -अन्य	6	36,970,000,000.00	39,080,232,344.67
	वर्तमान संपत्तियां	7	19,012,232,467.46	14,251,686,643.71
	ऋण, अग्रिम और जमा	8	2,283,494,625.88	3,519,156,055.41
	योग-बी		**67,873,713,197.69**	**62,806,666,124.79**

आय-व्यय लेखा
वर्ष 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक

	विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
ए	आय			
	शैक्षणिक प्राप्तियाँ	9	16,366,138,918.20	12,696,372,142.33
	अनुदान सब्सिडी	10		
	निवेश से आय	11	1,717,348,472.06	1,683,891,569.00
	अर्जित ब्याज	12	612,434,387.65	455,842,174.00
	अन्य आय	13	186,153,674.50	48,677,166.91
	पूर्व अवधि की आय	14	75,721,076.38	1,064,799.00
	योग -ए		**18,957,796,528.79**	**14,885,847,851.24**
बी	**(व्यय)**			
	स्थापना व्यय (कर्मचारी			
	भुगतान और लाभ)	15	1,710,207,403.73	1,665,123,637.42
	शैक्षणिक व्यय	16	9,995,272,532.33	1,595,851,325.00
	प्रशासन और सामान्य व्यय	17	537,189,776.27	443,502,324.00
	परिवहन व्यय	18	22,633,299.00	16,568,676.00
	मरम्मत और रखरखाव	19	50,204,573.00	39,445,438.00
	वित्त लागत	20		
	मूल्यह्रास	4	54,755,755.00	48,813,142.00
	अन्य व्यय	21	6,741,353.00	88,770,072.00
	पूर्व अवधि व्यय	22	944,727.52	4,093,290.00
	योग-बी		**12,377,949,419.85**	**3,902,167,904.42**
	योग(ए+बी)		**6,579,847,108.94**	**10,983,679,946.82**
	भवन और उपकरण तथा			8,799,615,911.00
	शैक्षिक विकास निधि में अंतरण			
	तुलन पत्र में अंतरित		6,579,847,108.94	2,184,064,036.00
	शुद्ध अधिशेष			

सहकर्मियों को सेवानिवृत्ति पर शुभकामनाएं

1. श्रीमती रमा शर्मा
निदेशक

2. श्री पुष्कर वोहरा
निदेशक

3. श्रीमती राजरानी शर्मा
संयुक्त सचिव

4. समीर दत्ता
संयुक्त सचिव (आईटी)

5. कुन्दन लाल
सहायक सचिव

6. हर्षिका गुप्ता
सहायक सचिव (आईटी)

7. श्रीमती हेमलता
सहायक सचिव (रा.भा.)

8. श्री सुरेश कुमार
सहायक सचिव

9. रवीन्द्र कुमार
सहायक सचिव

10. श्री रमेश चंद गुप्ता
अवर सचिव

11. श्रीमती बलबीर कौर
अवर सचिव

12. श्री गिरीश कुमार
अवर सचिव

13. श्रीमती रानी हिंगोरानी
अवर सचिव

14. श्री विजेंद्र सिंह
अनुभाग अधिकारी

15. श्री राधेश्याम
अनुभाग अधिकारी

16. श्रीमती नवनीत लखनपाल
अनुभाग अधिकारी

17. श्री निर्मल राठौर
अनुभाग अधिकारी

18. श्री जगमोहन
अधीक्षक

19. श्री रामजी लाल
अधीक्षक

20. मो. अमीन सिद्दकी
अधीक्षक

21. श्री हरीदत्त शर्मा
अधीक्षक (कोपियर)

22. श्री गौरी शंकर साह
अधीक्षक (कोपियर)

23. रमेश चंदर
अधीक्षक (कोपियर)

24. चन्द्र पाल
अधीक्षक (कोपियर)

25. श्री सतपाल
वरिष्ठ सहायक

26. श्री मिठन लाल
गेस्टेटनर ओपरेटर

27. श्री शंकर बहादुर ठाकुरी
गेस्टेटनर ओपरेटर

सीबीएसई मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय और शिक्षकों के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई)

सीबीएसई मुख्यालय
शिक्षा केंद्र, 2, सामुदायिक केंद्र
प्रीत विहार, दिल्ली-110092

क्षेत्रीय कार्यालय एवं सीओई
अजमेर, टोडरमल मार्ग,
अजमेर, राजस्थान-305030

क्षेत्रीय कार्यालय एवं सीओई
प्रयागराज, 35 बी, सिविल स्टेशन, एम जी मार्ग,
सिविल लाईन्स, प्रयागराज, इलाहाबाद-211001

क्षेत्रीय कार्यालय और सीओई बेंगलुरु,
ज्ञान भारती मेन रोड चंद्रा लेआउट एक्सटेंशन II स्टेज,
नगरभावी, बेंगलुरु-560072

क्षेत्रीय कार्यालय एवं सीओई
भोपाल, रोहित नगर, फेस-II, वार्ड क्रमांक 53,
बावड़िया कलां, भोपाल-462039

क्षेत्रीय कार्यालय एवं सीओई
भुवनेश्वर, प्लॉट नंबर 4 (पीटी), शैलश्री विहार,
चन्द्रशेखरपुर, भुवनेश्वर, जिला-खोरदा, ओडिशा-751021

क्षेत्रीय कार्यालय एवं सीओई
चंडीगढ़, 37, जुबली स्क्वायर, ब्लॉक-ई, एरोसिटी,
एसएएसनगर मोहाली, पंजाब

क्षेत्रीय कार्यालय एवं सीओई
चेन्नई, नया नंबर 3 पुराना नंबर 1630ए
जे ब्लॉक, 16वीं मेन रोड, अन्ना नगर पश्चिम,
चेन्नई-600040

क्षेत्रीय कार्यालय एवं सीओई
देहरादून, 99, कौलागढ़ रोड,
देहरादून, उत्तराखंड-248001

क्षेत्रीय कार्यालय एवं सीओई
दिल्ली (पूर्व), पीएस-1-2, संस्थागत क्षेत्र
आई. पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज दिल्ली-110092

क्षेत्रीय कार्यालय एवं सीओई दिल्ली (पश्चिम),
सी-128 एवं सी-129, मंगोलपुरी औद्योगिक क्षेत्र,
फेज-1, दिल्ली -110083

क्षेत्रीय कार्यालय एवं सीओई
गुवाहाटी, (शंकर देव कलाक्षेत्र के पास) पंजाबाड़ी,
गुवाहाटी, असम-781037

क्षेत्रीय कार्यालय एवं सीओई
पंचकूला, सेक्टर- 5, पंचकूला
हरियाणा-134109

क्षेत्रीय कार्यालय एवं सीओई
पुणे आरएलएम बिजनेस पार्क, एसआर.नं. 28/4/ए,
ओल्ड खराड़ी मुंडवा रोड, खराड़ी, पुणे -411014
महाराष्ट्र

क्षेत्रीय कार्यालय एवं सीओई
पटना, अंबिका कॉम्प्लेक्स, स्टेट बैंक कॉलोनी के
पीछे, ब्रह्मस्थान के पास, शेखपुरा, रजा बाज़ार
बेली रोड, पटना, बिहार-800014

क्षेत्रीय कार्यालय एवं सीओई
तिरुवनंतपुरम, सीटीटीसी, एडमिन ब्लॉक, बीएसएनएल
आरटीटीसी कैंपस, कैमनम, तिरुवनंतपुरम-695040
केरल

क्षेत्रीय कार्यालय एवं सीओई
नोएडा, ए-83, सेक्टर-136, नोएडा
जी.बी. नगर (यू.पी.) -201305

दूसरी और तीसरी मंजिल, स्टालिन सेंट्रल, एम.जी.
रोड (होटल मनोरमा के बगल में), गवर्नर पेट,
विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश-520002

सीबीएसई वार्षिक रिपोर्ट 2023

प्रकाशक

सचिव, सीबीएसई
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड,
'शिक्षा केंद्र', 2, सामुदायिक केंद्र,
प्रीत विहार, दिल्ली – 110092

डिजाइन, संकलन, संपादन और अवधारणा

मीडिया और जनसंपर्क विभाग

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

Central Board of Secondary Education

''शिक्षा केंद्र'', 2, सामुदायिक केंद्र, प्रीत विहार, दिल्ली
"Shiksha Kendra", 2, Community Centre, Preet Vihar, Delhi